हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

11 मार्च, 1997

खण्ड–1 अंक–4

अधिकृत विवरण

विशय सूची

मंगलवार 11 मार्च, 1997

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(4)11
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(4)17
श्री जसवन्त सिह,विधायक का बिजली मंत्री के रूप मे त्याग पत्र से सबधित मामला उठाना	(4)23
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव की सूचना	(4)25
नियम 121 के अधीन प्रस्ताव	(4)25
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)25
वाक आउट	(4)35
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)36

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार, 11 मार्च, 1997

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्ड़ीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (प्रोफैसर छतर सिंह चौहान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः मैम्बर, साहेबान, अब सवाल होगे।

Construction of a By Pass in Rewari

206. Capt Ajay Singh Yadav: Will the Minister for PWD (B&R) be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to consturct a By- Pass for Rewari city; and

(b) if so, the time by which the aforesaid By-Pass is likely to be constructed?

Publice Worksh Minister (Shri Dharamvir Yadav):

(a) Yes, Sir

(b) Mode of financing the scheme is yet to be finalised. As such likely date of completion cannot be indicated.

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री जी से जानना चाहता हू कि उस बाई पास को बनाने के लिये कितना समय लगेगा?

श्री धर्मबीर यादवः स्पीकर साहब, रिवाडी भाहर के बाई पास का निर्माण करने की स्कीम सरकार के विचारधीन है, लेकिन कुछ समय लगेगा। यह चार किलोमीटर की लम्बाई का बाई पास बनना है। उसको बनाने के बारे मे रेलवे विभाग और डिस्ट्रिक्ट टाउन प्लानर को बोल दिया गया है। इस बारे मे बातचीत चल रही है। उस बाई पास को बनाने की कार्यवाही भीघ्र होगी।

कैप्टन अजय सिंहः अध्यक्ष महोदय, पिछले सै ान मे मुख्यमंत्री जी ने आन दि फलौर औफ दि हाउस यह कहा था कि वहा पर ओवर ब्रिज जल्दी ही बन जाएगा।

मुख्यमंत्री (श्री बंसी लाल): मैने उस समय यह तो नही कहा था कि आज ही बन जाएगा।

कैप्टन अजय सिंहः अध्यक्ष महोदय, उस बात को एक साल के करीब हो गया है। मै आपके माध्यम से मंत्री से जानना चाहूगा कि उस बाई पास के बनाने के मामले मे क्या इससे पहले कोई सर्वे हुआ था और क्या उसके लिये जमीन एक्वायर करने के लिए सैक ान 4 या 6 का नोटिफिके ान हुआ था या नही? बाई पास बनाने का सरकार का क्या क्राइटेरिया है। छोटे छोटे टाउज मे बाई पास बन गये है लेकिन रिवाडी बहुत बडा भाहर होन के

बावजूद भी वहा पर बाई पास बनाया गया है। वहां पर जब से इडियन ओयल कारपोरे ान का तेल का डिपो बना है। उस समय से बहुत भारी सख्ंया मे ट्रैफिक भाहर के अंदर से हो कर आता जाता है जिसके कारण एक्सीडैटस बहुत होते है। मै मंत्री से जानना चाहूगा कि क्या उस बाई पास के लिए जमीन एक्वायर करने के लिए सैक ान 4 या 6 का नोटिफिके ान हआ है, और क्या सरकार ने इस बारे मे कोई सर्वे करवाया है?

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय, उसके लिये लगभग 60 एकड जमीन चाहिए जिसको एक्वायर करने मे एक या डेढ साल लग सकता है।

कैप्टन अजय सिंहः अध्यक्ष महोदय मंत्री जी यह बताए कि बाई पास बनाने का क्राइटेरिया क्या है? क्या बाई पास बनाने के लिए हुडा के साथ आपका कोई तालमेल है या कोई दूसरी ऐंजेसी से वह बाई पास बनाएंगे?

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय, क्राइटेरिया तो यह है कि ट्रास्पोर्ट फ्रिक्वंसी असैस की जाती है और वहा की जा रही है। उसी के तहत इस बाई पास को बनवाया जाएगा।

श्री धर्मबीर गाबाः स्पीकर साहब, बाई पास बनाना बहुत ही जरूरी होता है। मै आपके माध्यम से मंत्री से जानना चाहूगा कि क्या चन्दू गावं से सुलतानपुर लेक तक जहां पर एक बहुत

बडा टूरिस्ट कम्पलैक्स भी है, बाई पास बनाने का प्रस्ताव सरकार के विचारधीन है।

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय, वह बाई पास बनाना भी अडर कसड्रि ान है।

तारकित प्र न सखया 212

यह प्र ान पूछा नही गया क्योकि इस समय माननीय सदस्य, श्री सत नारायण लाठर सदन मे उपस्थित नही थे।

Civil Hospital, Bahadurgarh

247. Shri Nafe Singh Rathee: Will the Minister for Health be pleased to state the time by which the construction work of civil Hospital Bahadurgarh is likely to be completed?

स्वास्थय मंत्री (श्री ओम प्रका ा महाजन): निर्माण कार्य 1998–99 तक पूर्ण हो जाने की संभावना है।

श्री नफे सिंह राठीः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहता हू कि उस होस्पीटल की बिल्डिंग बनाने के लिये अनुमानित लागत कितनी है और वहां पर कौन कौन से रोगी का ईलाज होगा ओर उस होस्पीटल का क्या स्तर होगा?

श्री औमप्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय, उसकी अनुमानित लागत 1 करोड 24 लाख रूपये है । इस समय वहां

होस्पीटल की जो बिल्डिंग बनी हुई है वह जगह बहुत कम है। इस समय उस होस्पीटल की चार एकड जमीन है लेकिन हमे उसके लिये 8 एकड जमीन चाहिए। वह जमीन उधोग विभाग ने हमे दे दी है। हम उसका बहुत जल्दी ही निर्माण कार्य भुरू करने जा रहे है।

श्री नफे सिंह राठीः स्पीकर साहब, उस होस्पीटल मे कौन कौन से रोगो का ईलाज किया जाएगा और वह होस्टीपल कितने बिस्तरो का होगा और उसका क्या स्तर होगा?

श्री औम प्रका I महाजनः इस अस्पताल मे 30 बैडज की व्यवस्था होगी। यह हस्पताल जी0टी0 रोड पर पडता है इसलिये यहां पर लैब, एक्सरे व दूसरी सभी सुविधाए होगी।

श्री दिलू रामः अध्यक्ष महोदय, हमारे यहा पर गुन्हा मे हस्पताल बनाने के लिये 20 एकड जमीन 1982 से फ्री आफ कोस्ट ले रखी है। यह हस्पताल 30 बैडज का बनना था लेनिक उस पर आज तक कोई कार्यवाही नही हुई है। वहा पर कैवल फोरैस्ट के सफेदे आदि के पेड लगे हुए है। मै मंत्री महोदय, से जानना चाहता हू कि यह हस्पताल कब तक बन जायेगा?

श्री औमप्रका I महाजनः इस हस्पताल बारे मुझे इस वक्त कोई ईलम नही है। अब इन्होने यह सवाल किया है तो इनको मै इस बारे मे बाद मे बता दूंगा।

राव नरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, सिविल हस्पताल नारनौल की बहुत हालत खस्ता है। वहां की जो बिल्डिंग है वह भी बहुत खराब है। मै जानना चाहूगा कि उस बिल्डिंग की मुरम्मत कब तक करा दी जायेगी? दूसरे वंहा पर पोस्टमार्टम रूम की व्यवस्था नही है, उसको कब तक बना दिया जायेगा?

श्री ओम प्रका ा महाजनः जो जो बिल्डिंग क्षतिग्रस्त है, चाहे वे बाढ के कारण है या वैसे खराब है, उनकी मुरम्मत सरकार कर रही है। इस प्रकार के 10 होस्पिटलज है, 9 सी0एच0सी0 और 25 पी एच सी है। अगर उसमे यह बिल्डिंग आती होगी तो जरूर मुरम्मत होगी।

श्री अध्यक्षः माननीय मंत्री जी, परसो मैने आप से एक प्रार्थना की थी कि 22 दिस्मबर, 1995 को उस समय मुख्यमंत्री जी जब मेरे गाव मे गये थे तो उनके साथ उस वक्त की स्वास्थय मंत्री महोदय भी साथ थी। उस समय उन्होने बौंद मे सी.एच.सी. बनाने के लिये 1 करोड 45 लाख रूपया बौंद की सी एच सी के लिये देने को कहा था। मै जानना चाहता हू कि क्या वह पैसा किसी खाते मे वहां के लिये है?

श्री ओमप्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय, पुरानी सरकार का तो मुझे पता नही। हां नई सरकार आपको एक वि वास दिला सकती है आप साथ लगती जमीन का रैज्योलू ान विभाग को भिजवा दे, फौरी काम भाुरू करवा दिया जायेगा।

श्री कैला ा चन्द्र भार्मा: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री के नोटिस मे लाना चाहता हू कि नारनौल हस्पताल बहुत खराब है। वहा पर जो पोस्टमार्टम रूम है। वह बहुत खस्ता हालत मे है और दूसरे वह काफी नीचे जा कर है। वर्शा मे वहा पर पानी खडा हो जाता है वहा पर चार दिवारी न होने के कारण भी पोस्टमार्टम ठीक प्रकार से नही हो पाता। मै मंत्री से जानना चाहूगा कि या तो उसको ठीक करवाया जाये या उसको गिरा कर और उसे ऊपर उठा कर नये सिरे से बनाया जाये ताकि पोस्टमार्टम ठीक प्रकार से वहां पर हो सके।

श्री ओम प्रका ा महाजन: अध्यक्ष महोदय, आदरीणय साथी ने बहुत अच्छी बात कही है। हम उसकी जल्दी ही जांच करके फौरी तौर पर ठीक करवा देगे।

श्री भागी राम: मै मंत्री महोदय से जानना चाहूगा कि हस्पताल की ईमारत बनाये जाने का क्या क्राइटेरिया है? दूसरे मै यह जानना चाहूगा कि पिछली सरकारो के समय चाहे वह किसी की भी सरकार रही हो, उसमे जो हस्पताल बनाये जाने की घोशणा की गई थी, उनको बाद मे कैसिंल कर दिया गया जब कि वहां पर कुछ धनरा ि ा भी खर्च की जा चुकी है तो उस हालत मे जबकि जमीन भी एक्वायर हो चुकी हो और कुछ पैसा खर्च हो चुका है क्या उसको कैसिंल किया जा सकता है? यदि कैसिल किया जा सकता है तो उसका क्या क्राइटेरिया है?

श्री ओमप्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय, यह इस सवाल से सबंधित नही है। ये अलग से नोटिस देकर पूछ ले, इनको उतर दे दिया जायेगा।

तारकित प्र ान सखया 217

यह प्र ान पूछा नही गया क्योकि इस समय माननीय सदस्य, श्री सतपाल सदन मे उपस्थित नही थे।

Repair of Roads

247. Shri Balwant Singh: Will the Minister for PWD (B&R) be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to repair the damaged road from village Kherwar to Narnaund in Rohtak Distircit; and

(b) if so, the time by which the said road is likely to be repaird?

लोंक निर्माण मंत्री (श्री धर्मबीर यादव): स्पीकर साहब, खेरवार से नारनौंद सडक पर भारी पैच वर्क किया जाना है। इस पर करीब 3 लाख रूपये लागत आएगी। इस कार्य के अप्रैल, 1997 तक पूर्ण होने की सभांवना है। राश्ट्रीय उच्च मार्ग पर हाल ही मे बनाया गया खेरावर बाई पास नारानौद सडक को भी पार करता है।

श्री बलवन्त सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से यह अनुरोध करूंगा कि वे इस सभावना को थोडा क्लीयर करे कि ये सडके निधार्रित समय पर पूरी हो जाएगी। अध्यक्ष महोदय, खेरवार से नोनौंद हो कर पाकसमा तक रोड जा रहा है जिसकी हालत काफी खस्ता है और रोड पर काफी खडडे पडे हुये है क्या इस पैस वर्क के लिए सरकार विचार करेगीत्र

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय, 800 मीटर का यह टुकडा है, इस पर प्रिएमपटिंग और कारपैटिग दो महीने तक हो जाएगी और रैम्पिंग का काम तक कम्पलीट हो जाएगा।

श्री जसविन्द्र सिंह सन्धुः स्पीकर साहब, मै इस बारे मे आपके माध्यम से मंत्री जी से एक आ वासन चाहूगा । अध्यक्ष महोदय, 1993 मे सारे हरियाणा मे जबरदस्त बाढ आई थी जिससे गांव की फसल तबाह हो गई थी। गुहाना कास्टीच्यूएंसी के फजल गांव से गांव अधोया तक सडक जाती है जो कि बिल्कुल टूट गई थी। पिछले सै ान के दौरान भी मैने यह बात उठाई थी और उस वक्त के मुख्यमंत्री जी और पिछली सरकार मे मंत्री जी से भी कहा था। अब सरकार के जो मंत्री है मे उनसे हाउस मे यह आ वा ान चाहूगा। क्योकि पिछले चार साल से यह सडक टूटी पडी है इसको कब तक बनने की कोि ा ा करेगे?

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूगा कि इनकी कास्टीच्यूऐंसी मे और

दूसरी कास्टीच्यूऐंसी मे बाढ की वजह से जो भी सडके क्षतिग्रस्त हुई है हम उनकी मुरम्मत प्रायोरिटी पर करवा देगे।

श्रीमती करतार देवीः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री से जानना चाहूगी कि गांव पिलाना से कलानौर तक सडक का टैडर हो चुका है और उस पर मैटीरियल भी आ चुका था लेकिन अब वहां पर न तो मैटीरियल है और न ही कोई काम भुरू हुआ है कया मंत्री महोदय बताएगे कि इस सडक की रिपेयर का काम कब तक हो जाएगा?

श्री धर्मबीर गाबाः अध्यक्ष महोदय, यह सप्लीमैटरी सवाल इस सवाल से एराईज नही होता है, ये इस बारे मे लिखप कर भेजे या इसके लिये सैप्रेट नोटिस दे तो जवाब दे दिया जाएगा। (विघ्न)

श्री रमे ा कुमारः अध्यक्ष महोदय, पिछले सै ान मे माननीय मुख्यमंत्री ने यहा पर हाउस मे यह आ वासन दिलाया था कि जिस हल्के की सडके टूट गई है। उनको रिपेयर 31.12.1996 तक करवा देगे। परन्तु अभी तक सडको की रिपेयर नही हो पाई है।(विघ्न)

मुख्यमंत्री श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, मैने कोई भी ऐसा आ वासन नही दिया था। (विघ्न) ये अपने मन से ही इस प्रकार की बात कर रहे है।

श्री बलवन्त सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै उस रोड के बारे मे एक और जानकारी मंत्री जी से चाहूगा कि वह रोउ कारोर से खरावड तक जाता है इस रोड पर गांव भरत माया पडता है जंहा पर जो पुल है वह काफी खस्ता हालत मे है। कारोर के लोग यहां से गन्ना ले कर आते है और वहां पर रेलवे फाटक पडता है तथा उसके साथ ही एक रजबाहा भी पडता है जिसका पुल टूटा हुआ है। मै मंत्री जी का ध्यान उस पुल की और दिलाते हुये उनके यह आ वासन चाहूगा कि वे उस को कब तक कम्पीलट करवा देगे?

श्री धर्मबीर गांबाः अध्यक्ष महोदय, मै अपने माननीय साथी को बताना चाहूगा कि यह पुल पी0डब्लयू0डी0 के अधीन नही है बल्कि यह इरीगे ान विभाग के अन्डर आता है इसलिये ये उनसे बात कर ले।

Construction of Bus Stand at Ambala Cantt.

268. Shri Anil Vij: Will the Minister for Transport be pleased to state-

(a) whether there is any prposal under consideration of the Government to construct a new Bus Stand at Ambala Cantt; and

(b) if so, the time by which the said Bus Stand is likely to be constructed?

परिवहन मंत्री (श्री कृश्णपाल गुर्जर):

(क) जी, हां।

(ख) निर्माण कार्य वर्श 1998 के अन्त तक पूर्ण होने की सभावना है।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, सबस पहले मै मंत्री जी को अम्बाला छावनी के बहुत समय से पैडिंग पडे मामले के बारे मे हां जवाब देने के लिये धन्यवाद करता हू कि इस बस स्टैण्ड का निर्माण कार्य आरम्भ हो चुका है। मंत्री जी बताऐ कि इस बस स्टैण्ड क्या क्या सुविधाए दी जाएगी और वंहा कितनी बसे खडी करने का प्रवाधान होगा?

मुख्यमंत्री श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, आनरेबल मैम्बर को मै इस बात का जवाब दे देता हू। इनकी बात ठीक है। अम्बाला कैट का बस स्टैण्ड एक समस्या बनी हुई है और इस बारे मे गम्भीरता से विचार करने के लिये मै खुद ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर और वहां के लोकल एस0एल0एज0 को लेकर जाऊंगा और वहां की प्रोब्लम के बारे मे देखेगे ताकि वहा से ट्रैफिक आसानी से आ जा सके।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मै मंत्री से जानना चाहूगा कि अम्बाला भाहर मे बस स्टैण्ड के निर्माण मे जो अनियमिततांए पाई गई है और हाउस की भिन्न भिन्न कमेटिज ने इस बारे मे अपनी कार्यवाही मे आपजियो दर्ज की है तो क्या सरकार ऐसा कोई विचार रखती है कि जिस अधिकारी द्वारा ये अनियमिततांए बर्ती गई है उसको दण्डित करेगी?

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो अनियमितताओ के बारे मे सवाल किया है यह सैपरेट है लेनिक मै फिर भी इसका जवाब इनको दे देता हू कि अगर ऐसी कोई रिपोर्ट आई तो इस बारे मे हम कानूनी कार्यवाही करेगे।

श्री रण्दीप सिंह सरुजेवालाः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा सरकार ने बेरोजगार नौजवानो को बसो के परमिट देने की बात कही है।

श्री अध्यक्षः यह इर रैलेवैंट प्र न है। आप बैठ जांए।

Repair of Roads

247. Shri Dhir Pal Singh: Will the Minister for Agriculture be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to repair/reconstruct the following damaged roads of district Rohtak by Haryana Statge Agriucltural Marketing Boadr

(i). Badil to Kheri Jat;

(ii) Kukraula to Toe Dadri;

(iii) Sodhi to Munda Khera; and

(iv) Dulhera to Bhpania?

Agruicultural Minister (Shri Karan Singh Dalal): Yes, the repair of all these roads is likely to be carried out by 30-6-1997.

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, कृशि मंत्री ने जो आ वासन दिया है उसके लिये मै उनका धन्यवाद करता हू। लेकिन मै अध्यक्ष महोदय, आपके द्वारा कृशि मंत्री जी से अनुरोध करता हू कि बादली से खेडी जाट की सडक का निर्माण 1991–1992 मे हो गया था और निर्माण पूरा होने के दो महीने के दौरान ही वह सडक पूर्ण रूप से टूट गई थी। इस सडक के निर्माण मे उस कान्ट्रेक्टर ने बडी भारी अनियमितांए की है। मेरा मंत्री जी से यह निवेदन है इस चाहे आप लिखित नोटिस भी कह लिजीए कि क्या ये उस ठेकेदार के खिलाफ जांच करवाएगे और क्या यह इन सारी सडको की रिपेयर भी उसी ठेकेदार से करायी जाएगी या फिर कृशि मार्केटिंग बोर्ड के द्वारा इनकी रिपेयर की जाएगी। (विघ्न) हमने तो पहले भी कहा है कि जो इनको बनाने वाले थे उन पर उनकी मेहरबानी थी इसलिये उसके खिलाफ कोई इक्वायरी नही हुई। आज हमारे कृशि मंत्री बडे योग्य है एवम नौजवान है इसलिये मुझे उम्मीद है कि ये बडी गहराई से सोचते हुए और लाभ हानि को देखते हुए इसकी जांच करवा लेगे।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, माननीय चौधरी धीरपाल सिंह जी ने कहा कि बादली से खेडा जाट तक की सडक 1991–92 मे बनी थी लेकिन मै इनको बताना चाहूगा कि यह सडक 1993 मे बनाायी गयी थी और उस वक्त इस सडक की जो अनुमानित लागत थी या जो पैसा इसकी रिपेयर पर खर्च किया जाता था वह किन्ही कारणो से पिछली सरकार ने नही किया। उस

समय इसकी अनुमानित लागत आज की तुलना मे काफी कम थी। लेकिन अब इस सडक की रिपेयर पर 328500 रूपये खर्च किये जाएगे। जंहा तक इन्होने ठेकेदार के बारे मे ि ाकायत करते हुये कहा कि क्या उसके खिलाफ जांच करवाएगे। मै इनसे कहना चाहूगा कि अगर इनको उससे कोई ि ाकायत है और अगर उसने वहां पर कोई गलत तरीके से काम किया है तो मै सदन को आ वासन देता हू कि यह हमे उस के बारे मे लिखकर बताए कि उसने क्या अनियमिताए की है, हम उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही करेगे।

श्री जसंवीन्द्र सिंह सन्धुः अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार मे जब डांगी जी पी0डबलयू0डी0 मिनिस्टर थे तो उस समय वे मेरी कांस्टीव्यूएंसी मे गये थे और उस समय वे करहा से दोहवा तक की सडक को बनाने के बारे मे कहकर आये थे। उन्होने कहा था कि 6 महीने मे यह सडक बन जाएगी। सर, वहां पर पुलिया बगैरहा बन गयी है लेकिन बाकी काम अभी तक नही हुआ। अब उस पर तारकोल एंवम बाजरी बिछाने का काम बाकी है तो मै मंत्री जी से जानना चाहूगा कि यह सडक कब तक बन जाएगी? गांव तिहाना से भूचला तक यह सडक काफी क्षतिग्रस्त हो गयी थी तो क्या मंत्री जी इसके जल्दी से जल्दी बनवाने की कृपा करेगे?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो सवाल किया है वह पी0डबलयू0डी0 महकमे से संबधित है

लेकिन मै सभी माननीय सदस्यो को वह आ वासन देना चाहूगा जैसा कि हमने पिछले सै ान मे भी कहा था जो सडके हरियाणा मार्केटिंग बोर्ड ने बनायी थी और अगर आज उन सडको की हालत खराब है तो हम उन सभी सडको की मुरम्मत इसी वर्श मे करा देगे। माननीय सदस्य अपनी सडक बनवाने के बारे मे पी0डबलयू0डी0 मिनिस्टर को लिखकर दे दें क्योकि वही इसका जवाब देगें।

श्री धीरपाल सिहः अध्यक्ष महोदय, जो बाते मंत्री जी ने मेरे सवाल के जवाब मे कही है वह मेरी बातो की पृश्टि करती है। इसके पास भाायद आकडे होगे और तभी इन्होने बताया कि वह सडक 1993 मे बनायी गयी थी और जिसकी अनुमानित लागत रा ि ा उस समय करीब 12 लाख रूपये थी। लेकिन सर, 12 लाख रूपये मे सिर्फ इस सडक का निर्माण हुआ और अगर रिपेयर तीन लाख रूपये मे हो तो यह इस बात को द ार्ाता है कि इसमे भारी अनियमिततांए हुई है। मंत्री जी ने लिखिल ि ाकायत देने के बारे कहा है तो मै लिखित रूप से भी इस बारे मे इनके पास ि ाकायत भेज दूंगा फिर ये उस पर कार्यवाही करे।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, इन्होने जो बात कही है इस बारे मे मेरा यही कहना है कि अगर पिछली सरकार इस सडको की मरम्मत कर देती तो जो पैसा आज हम इन सडको की मरम्मत पर खर्च करने जा रहे है, उससे कही कम पर यह मरम्मत उस समय हो सकती थी लेकिन पिछली सरकार ने जाने

क्यो नही इनकी मरम्म्त करवायी । जिन सडको का इन्होनें अपने प्र ान मे जिकर किया है उनके लिये जितना भी पैसा खर्च होगा वह हम करेगे और इनकी मरम्मत कराएगें । जहां तक ठेकेदार के खिलाफ जांच कराने की बात है, हमे लिखकर दे दे और अगर उसने वहा पर गलती की है तो उसके खिलाफ हम जरूर कार्यवाही करेगे।

श्री रामपाल माजराः अध्यक्ष महोदय, मे आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हू कि हरियाणा एग्रीकल्चर मार्किटिंग बोर्ड के बजट का कितना हिस्सा ग्रामीण सडको पर और कितना हिस्सा भाहरी क्षेत्रो पर खर्च होगा। इसके अलावा पिछली सरकार मे हुई अनियमितताओ का और पूरे प्रदे ा की सडको के बारे मे जो इमबैजलमैट हुये है क्या उनकी जांच करवाएगे?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, चौधरी राम पाल जी ने जो सवाल किया है इसके बारे मे मै बताना चाहता हू कि पूरे प्रदे ा मे सडको की रिपेयर के लिए जो पैसा ईयरमार्क किया गया है वह साढे दस करोड रूपया राज्य सरकार ने एग्रीकल्चर मार्किटिंग बोर्ड के थ्रू इन सडको की रिपेयर के लिए दिया है और अगर आप सारे प्रदे ा की सडको की लम्बाई जानना चाहते है तो मै बता देता हू कि 2600 किलोमीटर के करीब राज्य मार्किटिंग बोर्ड ने सडके बनाई है और अगर ऐस्टीमैटस को रिवाईज करने की जरूरत पडी तो हम उनको रिवाईज भी करेगे।

श्रीमती करतार देवीः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहती हू कि मेरे कलानौर क्षेत्र के कुछ छोटे छोटे लिंक किसानो की सुविधा के लिये मार्किटिंग बोर्ड ने क्लीयर किये थे क्या इस वर्श उन सडको पर काम होगा और अगर होगा तो कब तक होगा?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से बहन जी को बताना चाहता हू कि पिछले दिनो जब इनका अपना राज था तक ऐग्रीकल्चर मार्किटिंग बोर्ड ने अपनी मर्जी के मुताबिक जंहा जहा मुख्यमंत्री जी ने चाहा कई हल्को मे तो उन्होने कई किलोमीटर सडके बनाई और इस हल्को मे बिल्कुल ने के बराबर सडके बनाई। जंहा तक इन्होने अपने हल्के के बारे मे कहा है तो फिलहाल कोई नयी सडके बनाने का प्रस्ताव प्रदे । सरकार के विचारधीन नही है। इनके अपने राज मे चौधरी भजन लाल जी ने अपने हल्के मे 70 किलोमीटर सडके व कृशि ने 90 किलोमीटर सडके बनाई थी और इनके हल्के मे केवल साढे तीन किलोमीटर सडके उस समय बनी थी। जंहा तक इनका इस वर्श के बारे मे सवाल है मै इन्हे बताना चाहता हू कि अगर इनके हल्के मे कोई ऐसा गांव है जो गांव किसी लिक से नही जुडा हुआ है और गंाव के लोग उसकी वजह से दिक्कत महसूस करते है और उस लिंक रोड के बन जाने से उन्हे मंडियो मे जाने मे सुविधा होगी तो इस बारे मे बहन जी लिखकर दे दे, हम विचार करेगे। लेकिन इस बारे मे मै कोई आ वासन नही दे सकता।

श्रीमती करतार देवीः अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के मे मंत्री के आने का टाईम भी निि चत हो चुका था। (विघ्न) लेकिन चुनाव की घोशणा हो चुकी थी इसलिये वह काम नही हो सका। आप मेहरबानी करके इस वर्श मे यह काम भाुरू करवाइए।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, उन दिनो जो मंत्री साहब इनके हल्के मे जाने वाले थे वह रिकार्ड पर नही है (विघ्न)

श्रीमती करतार देवीः सडको की जो ऐडमिनिस्ट्रेटिव ऐप्रूवल दर्ज की गई होगी, वह तो आपके रिकार्ड मे दर्ज होगी।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से बहन जी को बताना चाहता हू कि पिछली सरकार ने अगर कोई ऐसी ऐप्रूवल दर्ज की होगी तो वह हवा मे दर्ज की होगी।

श्रीमती करतार देवीः ये तो हो नही सकता। अध्यक्ष महोदय, मै आ वासन चाहती हू कि अगर बोर्ड ने जो सडके क्लीयर कर रखी है तो क्या वे इस वर्श मे बन जाएगी?

श्री कर्ण सिंह दलालः ऐसा कोई प्रस्ताव सरकार के विचारधीन नही है। हम नये सिरे से नीति निर्धारित करके उसके बाद इस बारे मे कोई फेसला लेगे।

10.00 बजे।

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, दादरी भाहर मे फव्वारा चौक से बस स्टैण्ड की और जो सडक जाती है उसकी हालत बहुत खराब है। उस सडक की मरम्मत के लिये हम जिस भी विभाग के पास जाते है वह विभाग इंकार कर जाता है कि यह हमारा काम नही है चाहे वह मार्केटिंग बोर्ड हो या लोक निर्माण विभाग हो या दूसरा कोई विभाग हो। मै मंत्री से पूछना चाहता हू कि क्या वे उस सडक को ठीक करने का काम करवायेगे?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार ने यह निर्णय लिया था कि बाढ से जो सडके क्षतिग्रस्त हो गई है, चाहे वे भाहर के अन्दर की सडके हो या बाहर की, उनको ठीक करने की नीति सरकार ने बनाई थी। जंहा तक दादरी का भाहर का जिकर है, अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहता हू कि जहां और मामलो मे तो भदेभाव किया ही उसके साथ साथ सडको के मामले मे भी भिवानी जिले के साथ भेदभाव किया था। अध्यक्ष महोदय, हमारे विपणन बोर्ड के द्वारा जिन भी सडको को ठीक करने की व्यवस्था है उनको जरूर ठीक किया जायेगा। (विघ्न) हम एक नीति निर्धारित करने जा रहे है जिन भाहरो मे सडको की हालत ज्यादा खराब है और जो मण्डी तक जाती है उनके बारे मे हमे लिखकर दे दे इसके बाद हम जरूर उन सडको की मरम्मत कर देगे।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी आपने खुद यह बात बताई है कि पिछली सरकार ने भिवानी जिले के साथ भेदभाव किया है क्या उस पूर्ति के बारे मे आप विचार करेंगे?

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, मैने यह माना नही है जो हमारे रिकार्ड की बात है उससे ही जानकारी होती है पिछली सरकार ने जिस जिले मे सडको की जरूरत नही थी वहां तो जबरदस्त सडकें बनाई, केवल अपनी औपचारिकता पूरी करने के लिये। जहां तक भिवानी जिले का प्र ान है यह सरकार भिवानी जिले ही नही बल्कि हरियाणा के किसी भी जिले मे जंहा सडको की हालत खराब है और जो विपणन बोर्ड द्वारा बननी है उन सडको को बनाने के बारे मे अव य विचार करेगी।

श्री सूरजमलः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हू कि मेरे हल्के के गांव मुरथल मे जिसमे मंत्री जी खुद जाकर आये है और लोगो ने वहा की सडके बनाने के बारे मे इनको रिक्वैस्ट की थी और मार्केटिंग बोर्ड का चेयरमैन भी खुद वहा पर जाकर आया है क्या मंत्री जी उस सडक को बनाने के बारे मे विचार करेगे क्योकि उस सडक को बनाने के लिये कई बार मैटीरियल भी पड चुका है और फिर उठा लिया जाता है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मै आदरणीय श्री सूरजमल जी को बताना चाहता हू कि मै उस गांव मे गया था

और लोगो ने मेरे से भी सडके बनाने के बारे मे कहा था। हमारी सरकार ने किसी भी सडक पर पडा हुआ पत्थर और सीमेट नही उठाया है। जहा तक मुरथल की सडके बनाने का सवाल है मैने वहा से आते ही विभाग के अधिकारियो को निर्दे ा दे दिये है और कल भी इस बारे दोबारा कहा गया है कि मुरथल की सडक को बनाने का इतंजाम किया जाये।

श्री दिलूरामः अध्यक्ष महोदय, हल्का गुलाब मे उरलाना मे खरका सडक को बनाने के बारे मे चुनाव से पहले 23 तारीख को टैडर हुआ उसके बाद काम भ्ारू हुआ लेकिन आधा काम भी नही हुआ था कि यह सरकार आने के बाद पता नही किस कारणव ा काम बीच मे ही बंद कर दिया गया। मै मंत्री जी से पूछना चाहता हू कि उस सडक का काम कब तक पूरा कर दैगे? कृपया उस सडक का काम जल्दी पूरा करवाने की कृपा करे।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने जिस सडक के बारे मे बात पूछी है मै बताना चाहता हू कि इस सडक का काम जल्दी ही भ्ारू करवाने जा रहे है।

ि ाक्षा मंत्री श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, चौधरी भागी राम जी ने ठीक ही कहा है। इन्होने अपना अलग मोहल्ला बना रखा है। वे एक वरिश्ठ नेता हैं ये जितने भी हरिजन नेता है, जैसे कि श्री सुरे ा कुमार जी, श्री भागी राम जी, व श्री बंता राम जी इत्यादी इन सभी ने अपनी यहा पर ढाणी अलग से

बना रखी है। अध्यक्ष महोदय, भागी राम जी की ि ाकायत बिल्कुल जायत है। (हंसी)

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, इनकी बात बिल्कुल ठीक है इन पडितो की मेहरबानी से ही हम अलग हुये हैं। (हंसी)

श्री राम बिलास भार्माः ठीक है, आपके नेताओ ने ही आपको अलग से बिठाया है। इस स्थिति पर किसी का जोर नही। (हंसी)

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय से आपके माध्यम से जानना चाहता हू कि जैसे कि इन्होने अपने जवाब मे भी कहा है कि पिछली सरकार ने कृशि मंत्री, मुख्यमंत्री और अध्यक्ष महोदय, भाायद आपको सुनाई दिया या नही सुनाई दिया, स्पीकर साहब, का भी नाम लिया गया है। इन सभी ने अपने हल्को मे कही 70 किलोमीटर, कही 80 कि0मी0 व कही 90 कि0मी0 ज्यादा सडके बनवाई। मै पूछना चाहता हू कि जो गलतियां पिछली सरकार ने की है क्या यह सरकार भी इन गलतियों को दोहराएगी। मेरा दूसरा सवाल यह है कि क्या मंत्री महोदय, और मुख्य मंत्री महोदय और मुख्यमंत्री महोदय हाउस को यह आ वासन देगे कि पिछली सरकार ने जो गलतियां की थी, क्या वह गलतियां यह सरकार नही दोहराएगी तथा सभ एम0एल0ए0 को बराबर का कोटा मिलेगा अर्थात 2,3,4, व 5 किलोमीटर की सडके हर एम0एल.0ए0 के हल्के मे बनाई जाएगी।

मुख्यमंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, मै आ वासन देता हू कि मेरे हल्के मे कोई ज्यादा सडके नही बनाई जाएगी।

श्री सतनारायण लाठर: स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हू कि मेरे जुलाना विधान सभा क्षेत्र मे करसौला से रामकली से डिगाना सडके मजूर हुई है। उनका काम कब तक भ्रारू हो जाएगा? जैसे कि सजपा के साथी कह कहे है, मै इन्हे बताना चाहता हू कि चाहे चौधरी देवी लाल की सरकार रही हो या चौधरी भजन लाल जी की सरकार रही हो, इनके समय मे खासकर मेरे हल्के के साथ वि वाधात हुआ है। (विघ्न) मै मंत्री जी ने पूछना चाहता हू कि परोपर जुलाना मे जो कि अर्बन एरिया कहा जाता है, वैसे तो उसकी सारी 15 फुट की गलिया थी, उनको मार्किटिंग बोर्ड द्वारा पक्का किया जाना है, यह कार्य कब तक हो जाएगा?

श्री कर्ण सिंह दलाल: अध्यक्ष महोदय, मै आदरीणण लाठर साहब को यह बताना चाहता हू कि जहां तक जुलाना की सडको का सवाल है वे मार्किटिंग बोर्ड से बनानी है। भाहरो के बारे मे मैने पहले भी बताया है कि ऐसे किसी नीति का निर्धारण हमने नही किया है जहा पर भाहरी सडको का निर्माण राज्य विपणन बोर्ड द्वारा किया जा सकता है लेकिन अध्यक्ष महोदय, अगर कही पर राज्य विपणन बोर्ड यह महसूस करेगा कि यहा पर सडको का निर्माण किया जाना उचित है तो हम कराएगे। जहा

तक इनके हल्के की सडको का सवाल है कि पिछली सरकार ने क्या किया है अथवा क्या नही किया है, हम इस बारे मे कुछ नही सकते है। हां, ये अलग से हमे लिख कर दै दे हम उसका जवाब दे देगे।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हू कि इस वितीय वर्श मे अम्बाला छावनी मे कुछ सडके बनाने का काम किया गया और कुछ अमांऊट भी एलोकेट किया गया है लेकिन कुछ काम अभी अधुरा पडा है। इसलिये मे जानना चाहता हू कि 31 मार्च तक यानि इस वितीय वर्श तक क्या यह अधूरा कार्य पूरा कर लिया जाएगा तथा जो अमांऊट एलोकेट किया गया है, क्या वह इसी वितीय वर्श मे खर्च कर लिया जाएगा या वर्श खत्म होने के बाद यह रा ि ा लैप्स हो जाएगी?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, जिस सडक के बारे मे विज साहब ने कहा है, हमने उसका एस्टिमेट मजूर कर दिया है। उस सडक को तुरन्त तौर पर पूरा करने की को ि ा ा करेगे।

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, पिछले मार्च महीने मे जो बाढ से इफैक्टिड एरिया था उनकी सडके अभी तक नही बनाई गई है। नरवाना क्षेत्र गांव डबलान से गांव राजगढ डोबी सडक बनाने के लिये टैडर काल कर लिये गये थे लेकिन

पिछले 9 महीने से उस सडक का काम बीच मे ही रूका पडा है यानि अप्रैल, 1996 से उसका काम रूका पडा है। मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूगा कि उस सडक को कब तक पूरा करवा दिया जाएगा?

श्री कर्ण सिह दलालः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य श्री सुरजेवाला जी को बताना चाहूगा कि जिस पार्टी के लैवल पर उन्होने चुनाव लडा है और जिस पार्टी का पिछले दिनो राज था वह इनकी आनी पार्टी की सरकार थी इनके पिताश्री उस सरकार के वजीर थे। उस समय उस सरकार ने नरवाना क्षेत्र के लिये आधा किलोमीटर लम्बी सडक बनाने के लिये मजूरी नही दी। यह मेरे पास रिकार्ड है। मुझे इस बात की हैरानी है कि इनको पिछले जो मुख्यमंत्री थे, उनकी कार्य ौली का पता नही लगा। बहन करतार देवी ने जब इनकी अपनी सरकार थी उस समय इन्होने सडको के बारे मे कोई सवाल नही पूछा अब पूछ रही है। बहन जी, दूसरे नम्बर की कुर्सी पर बैठी है उस कुर्सी पर चौधरी खु ीिंद जी को बैठना चाहिए था जेा कि पीछे बैठे है।

श्री खु ीिंद जीः मुझे कोई प्रोटैस्ट नही है।

डा0 वीरेन्द्र पाल अहलावतः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से और खास करके मुख्यमंत्री जी से जानना चाहूगा कि गांव भोरिया से बेरी तक एक किलोमीटर लम्बा सडक का टुकडा बनना था औ वह मार्कटिंग बोर्ड द्वारा बनाया जाना था

लेकिन वह नही बन सका। जिस अडचन के कारण वह सडक का टुकडा नही बन सका थ अब वह अडचन दूर हो गई है। गांव की पचायत उस सडक को बनाने के लिये मंत्री जी से मिली थी और मंत्री जी ने यह कहा था कि वह रास्ता केवल 3 कर्म का है जबकि 5 कर्म चाहिए। मै मंत्री जी से जानना चाहूगा कि क्या वह सडक का टुकडा बनेगा या नही। यदि उस सडक की मार्किटिग बोर्ड नही बना सकता तो उसको पी0डब्लयू0डी0 को सौपा दिया जाए। मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से कहना चाहूगा कि उस सडक के टुकडे को मार्किटिग बोर्ड के परव्यू से निकाल कर लोक निर्माण विभाग को सौप कर उस सडक को बनाए।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, चाहे माननीय सदस्य मुझे उस सडक के बारे मे लिख कर दे दे और चाहे मुख्यमंत्री जी को दे दे और चाहे लोक निर्माण मंत्री जी को दे दै उसके बाद उस पर विचार किया जाएगा।

श्री देवराज दीवानः स्पीकर साहब, हल्का सोनीपत मे पिछले कई सालो मे मार्किटिंग बोर्ड द्वारा बनाई गई सडके टूटी पडी है। सोनीपत हल्के के गावो मे, भाहरो मे मार्किटिंग बोर्ड द्वारा जितनी भी सडके बनाई हुई है उनके अन्दर तीन तीन फुट गहरे गडडे पडे हुये है। पिछले महीने उन सडको की मुरम्म्त का काम रोक दिया गया। उनकी मुरम्मत के काम को रोकने के बाद मे जब पूछा गया तो बताया गया कि उन्हे पैसा नही मिला इसलिए काम रोक दिया गया। सोनीपत जिले से तीन तीन एस0पी0 और तीन

तीन मंत्री रहे चुके है लेकिन सोनीपत की तरफ कोंई ध्यान नही दिया गया क्या मंत्री जी सोनीपत की तरफ अब ध्यान देगे?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने सोनीपत कें बारे मे सही कहा है। पिछली सरकार मे सोनीपत हल्के जो माननीय सदस्य प्रतिनिधित्व करते थे वे उसी पार्टी के और उस सरकार मे वजीर भी थे। माननीय सदस्य ने यह बात सही कही है कि पिछली सरकार ने सोनीपत हल्के की सडको के लिये कोई पैसा नही दिया। जंहा तक दीवान साहब ने कहा उस बारे मै इनको बताना चाहूगा कि ये जिन जिन सडको को बनवाना चाहते है, लिख कर दे दे, उनको अव य बनवा दिया जायेगा।

श्री रामफल कुण्डुः अध्यक्ष महोदय, पिछले साल बाढ के समय मे जो रिंग बांध बाधे गये थे वे टूट गये थे। इसी प्रकार से बहुत सारी सडके टूटी हुई है। कलावती से होि ायारपुर जो सडक है उस पर मिटटी डाली गई थी, वह रास्ता कच्चा है और जो रिपेयर की गई थी, वह ना के बराबर है। मै मंत्री जी से जानना चाहूगा कि इस सडक की ठीक तरह से मुरम्मत कब तक कर दी जायेगी?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, यह कह रहे है कि रिपेयर न के बराबर हुई है ये कहा कहा की रिपेयर करवाना

चाहते है, लिख कर दै दे, इनकी प्रार्थना पर विचार कर लिया जायेगा।

Degradation of School of Sanfhour Village

287. Shri Banta Ram Balmiki: Wil the Minister for Education be pleased to state whether it is a fact that the Middle School of Village Sanghour, District Kurukshetra has been degraded, if so, the reasons thereof?

ि ाक्षा मंत्री श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, चौधरी बंता राम जी ने अपने सवाल मे पूछा है कि कुरूक्षेत्र जिले के गांव संघौर के स्कूल का दर्जा घटाया गया है तो हमने यानि इस सरकार ने अपने 8 महीने के भाासन मे किसी स्कूल का दर्जा नही घटाया, यह मै इनको बताना चाहता हू।

श्री बंता राम बल्मीकि: अध्यक्ष महोदय, मै आपसे और सभी सदस्यो से प्रार्थना करूंगा कि वे मेरी बात को ध्यान से सुने। मै सदन की जानकारी के लिये बताना चाहूगा कि 1935 मे सगौर मे छः कलासे लगती थी। वहां पर 10 हजार की आबादी है किसी भी सरकार ने आज तक उस तरफ ध्यान नही दिया। वहां पर स्कूल अपग्रेड न होने के कारण लडकियो अनपढ रह जाती है जिस कारण वहां की लडकियो के रि ते भी नही हो पाते। निर्मल सिंह जी उस गांव से अच्छी तरह से परीचित है मै मंत्री जी से जानना चाहूगा कि उसका दर्जा कब तक बढा दिया जायेगा ?

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, बंता राम जी ने जो सवाल पूछा था, वह पूछा कि क्या यह तथ्य है कि गांव संघौर, जिला कुरूक्षेत्र के मिडल स्कूल का दर्जा घटाया गया है, यदि हां तो उसके क्या कारण है। उसके जवाब मे मैने बताया है कि इसका दर्जा घटाया नही गया। जब किसी सदस्य का हमारे पास नोटिस आता है तो उस पर अच्छी तरह से जांच पडताल करते है। मै इनको बताना चाहता हू कि इस स्कूल मे 256 छात्र छात्राएं है। इन गावो की आबादी 3021 है। कमरो की संख्या छ है। एक एकड जमीन इसके पास है। इस स्कूल मे महबा खेडी व दो तीन साथ लगते गावो से बच्चे आते है। इस बारे मे मैने 10.3.1997 को भी जिला ि ाक्षा अधिकारी से लेटैस्ट रिपोर्ट मांगी है। वहा पर प्राईमरी स्कूल है। हमने उसका दर्जा घटाया नही है। स्कूल अपग्रेड करने के ये नार्म्ज पूरे कर देगे तो हम इसको अपग्रेड कर देगे।

श्री निर्मल सिंहः क्या मंत्री महोदय, इसको अपग्रेड करने का इरादा रखते है।

श्री राम बिलास भार्माः एक स्कूल को अपग्रेड करने की जो नार्मज है उनको पूरा कर दे। इसमे छात्रो की संख्या गांव की आबादी और भवन तथ मैदान आदि की बात आती है। विधालय खोलने के लिये इस प्रकार से नार्म पर विचार करते है। अध्यक्ष महोदय, अगर नार्म के मुताबिक बच्चो के बैठने का स्थान अगर ये उलब्ध करवा देगे तो वहा हम विचार करेगे।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से अपने लायक मंत्री जी से एक बात कहना चाहूगा कि हमारे साथी श्री बंता राम विधायक जी ने स्कूल का दर्जा घटाने की बात की है। हमारे ि ाक्षा मंत्री जी तथा गृह मंत्री जी को मालूम होगा कि पहले लोवर मिडल और अपर मिडल स्कूलो का दर्जा हुआ करता था। लोवर मिडल मे छठी क्लास तक दर्जा था जिसे बाद मे घटा कर प्राईमरी कर दिया गया था। ऐसा 1935 मे था। साथी विधायक को जिस प्रकार की जानकारी मिल पाई होगी उसके आधार पर उन्होने सवाल पूछ लिया। मै माननीय ि ाक्षा मंत्री जी से जानना चाहूगा कि क्या उस स्कूल का दर्जा बढाने बारे विचार करेगे?

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, बात घूम फिर कर वही आ जाती है। मै इस सवाल का जवाब दे चुका हू। जहां तक चौधरी धीरपाल सिंह जी, निर्मल जी तथ बंता राम जी को विधालय के बारे मै चिन्ता है, ये भवन उपलब्ध करवा दे तो उस पर जरूर विचार करेगे।

श्री बंलवत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से बताना चाहूगा कि समचाना गांव मे 18 कमरे बने हुये है तथा एक हाल भी बना हुआ है तथा यह स्कूल का नार्म भी पूरा करता है। वहां पर लडकियो के स्कूल के लिये भी लोगो ने 8 कमरे तैयार कर दिय है। दो और कमरे बनने भाुरू हो चुके है, मै ि ाक्षा मंत्री

महोदय से यह जानना चाहूगा कि क्या इस स्कूल को दस जमा दो मे अपग्रेड करने की कृपा करेगे?

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, 6 तारीख को मायना गांव के स्कूल के बारे मे इनका एक सवाल था जिसके बारे मे मैने विस्तृत जानकारी दी थी। इसमे केवल नार्म की ही बात नही। स्पीकर सर, विधालय का दर्जा बढाने पर जो खर्च आता है उसका ब्यौरा मै फिर से अपने माननीय साथी को उपलब्ध करवाना चाहूगा। अगर एक विधालय प्राईमरी से मिडल अपग्रेड करते है तो एक लाख 49 हजार रूपये का सरकार पर अतिरिक्त बोझ पडता है मिडल से हाई स्कूल करते है तो साढे तीन लाख रूपए का अतिरिक्त व्यय करना पडता है और अगर मैट्रिक को दस जमा दो मे अपग्रेड करते है तो साढे दस लाख रूपये का अतिरिक्त खर्च का बोझ सरकार पर पडता है। अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार ने अन्धाधुंध 245 स्कूलो की लिस्ट निकाल कर उन्हे अपग्रेड कर दिया था। टिक्करताल हरियाणा की लास्ट सीमा पर एंक गांव पडता है जिसमे 9 टीचर्ज लगे हुये थे और वहां दस जमा एक तथा दस जमा दो की कक्षा मे पढने वाला एक भी विधार्थी नही था और नो टीचर्ज वहा पर आईडल ही लगे हुये थे। अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार से जो बिना योजना के काम हुये है उन पर हमने पुनर्विचार किया है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूगा कि जिन विधालय का नार्म पूरा हो जाएगा यानि उचित भवन, खेल का मैदान, छात्रो की संख्या

और जो छात्र पढने आते है उनसे कितनी दूरी पर दूसरा विधालय है। इन बातो पर विचार कर के ही हम किसी स्कूल का दर्जा बढाने बारे विचार करेगे।

Upgradation of Schools

310. Shri Mani Ram: Will the Minister for Eduaction be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade the school in the State during the year 1997; and

(b) if so, the criteria adopted for the purpose?

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा):

(क) जी, हां।

(ख) मापदण्ड सदन के पटल पर रखा जाता है।

मापदण्ड

क्रमाक	आव यकता का नार्म	प्राथमिक से माध्यमिक	माध्यमिक से उच्च	उच्च से वरिश्ठ माध्यमिक
1.	गांव की आबादी	500	1000	5000
2.	भूमि	3 एकड	5 एकड	6 एकड

3.	निकटमत स्कूल मे दूरी	3 किलोमीटर	5 कि0.मी0	8 कि0मी0
4.	छात्रा संख्या	150	250	150
		(कक्षा 1–5)	(कक्षा 1–8)	(कक्षा 9–10)
5.	कक्षा कक्ष	8	10	14
6.	विज्ञान कक्ष	1	2	3
7.	कार्यालय पक्ष	1	1	1
8.	स्टाफ रूम	.	1	1
9.	हाल	.	.	1
10.	अन्य कक्ष	1	1	2
11.	चार दीवरी	.	.	हो

विधालय का स्तर बढने पर आने वाल व्यय

विभिन्न स्तरों के स्कूलो को अपग्रेड करने पर जो खर्चा आता है उसका विवरण इस प्रकार है:–

क्रमाक	**आईटम**	**आने वाले खर्चा प्राथमिक**	**माध्यमिक से उच्च**	**एक विधालय के लिए**	

		से माध्यमिक		उच्च से वरिश्ठ माध्यमिक	
				प्लान	नान प्लान
1.	वेतन	1.30	2.64	9.42	0.134
2.	फर्नीचर ग्रान्ट	0.08	0-10	0.50	....
3.	साईस ग्रान्ट	0.05	0.08	0.30	....
4.	लाईब्रेरी	0.02	0.04	0.05	....
5.	टीचिंग एडस	0.007	.	0.08	.
6.	सैफ	.	0.03	.	.
7.	कोम र्ा ग्रान्ट	.	.	0.20	.
8.	स्पोर्ट ा ग्रान्ट	.	.	0.05	.
9.	अन्य ग्रान्ट (वास्तविक	0.003	0.003	0.02	.

	रा ि ा)				
10.	एल0टी0सी0	0.03	0.06	0.12	0.005
11.	टी0ए0 ग्रान्ट	.	.	.	0.02
		1.49	2.953	10.74	0.159

श्री मनी रामः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने दर्जा बढाने के लिये जो नार्मज दिए है वे हमारे पास पहुच गए है। मेरे हल्के डबवाली मे फूलो तिगडी और पटठा गांव है, क्या इनके जो प्राईमरी स्कूल्ज है उनका मिडल तक दर्जा बढाने के लिये सरकार कुछ करेगी? इसके जो नार्मज है आबादी के हिसाब से तो वे पूरे करते है और जंहा तक तीन एकड की जमीन के बारे मे लिखा है, उस बारे मे तो मुझे पता नही है कि वह नार्मज के अनुसार जमीन है कि नही है। आप यह बताए कि आप इन स्कूलो का दर्जा बढाने जा रहे है या नही।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, इन्होने जो सवाल पूछा था हमने उसका विस्तार से जवाब दे दिया है। यह जो अब गावो के नाम ले रहे है इस बारे मे अलग से प्र ान पूछ ले।

Construction of the Building of Primary Health Centre, Kiloi

331. Shri Sri Krishan Hoods: Will the Minister for Health be please to state-

(a) whether it is a fact that the builidng of Primary Health Center, Kiloi has been damaged completely; and

(b) if so, whether there is any poropsal under conisederation of the Govternment to construct a new building of the aforesaid Primary Health Centre?

स्वास्थय मंत्री (श्री औमप्रका ा महाजन):

(क) जीं हा।

(ख) वर्तमान साईट पर नव भवन निर्माण किये जाने का प्रस्ताव सरकार के सक्रिय विचारधीन है तथा निर्माण कार्य आगामी वित्त वर्श मे टेक अप किये जाने की संभावना है।

श्री सिरी कृश्ण हुडडा: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूगा कि रिप्लाई मे हां कहा गया और उसके बाद उसको काटा गया है। कहीं यह हविपा का सजपा से भेदभाव तो नही किया गया है । यहा हां लिखकर क्यों काटा गया है?

श्री औमप्रका ा महाजन: अध्यक्ष महोदय, जो जवाब है मैने वही जवाब दिया है। यह जो काटा है प्रिन्टिंग मे हां कहा गया है हम तो आपके यहा पर दर्जा बढाने जा रहे है हम आपका काम कर रहे है और आप भेद भाव वाली बात कर रहे है। ऐसी कोई बात नही है।

श्री सिरी कृश्ण हुडडा: इसके लिए मै आपका बहुत धन्यवादी हू। आप यह बताए कि यह कब तक बन जाएगा। पांच साल से वहा के लोगो इसकी फेसेलिटी से वचित है। वहा पर स्टाफ भी कम है।

श्री ओम प्रका ा महाजन: अध्यक्ष महोदय, वहां पर 10 स्टाफ है और उसमे दो की कमी है। इस कमी को भी हम जल्दी पूरा करने जा रहे है। आपको हमारे काम के बारे मे कोई ि ाकायत नही मिलेगी।

श्री वीरेन्द्र सिंह: अध्यक्ष महोदय, एक फार्मूला है ''माईनस प्लस'' होता है। इसी प्रकार से मनफी से मिलकर मनफी बनते है मुसरते तो खुदा के वास्ते कह दो नही तो इसका मतलब है हां। इन्होने तो इनकी फिर भी रियासत दी है कि एक बार बोला है। अगर दो बार हां कह दी होती तो उसका मतलब न था। (हंसी)

श्री अध्यक्ष: आनरेबल मैम्बर्ज, अब प्र ान काल समाप्त होता है।

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये ताराकित प्र ानो के लिखित उतर

Consturction of Roads

339. Shri Kailash Chander Sharma: Will the Minister for Development & Panchayats be pleased to state the

consturction work of the following roads of District Mohindergarh are likely to be completed:-

(i)	Masand rai Rai Malikpur,
(ii)	Dhanwas Sainion Ki Dhani to Rajashan Border, and
(iii)	Panchnota to Sarai?

Development Minister (Shri Kanwal Singh):

(i)	The Road Rai Malikpur to Niyamtpur Moround (Correct name) being constrcted by the Haryana State Agricultural Marketing Board, is likely to be completed during 1997-98.
(ii)	The Road from Thanwas Sainion Ki Dhani to Rajasthan Border, being constructed under Employment Assurance Shemes (EAS) is likely to be completed within the next three months.
(iii)	The remaining work on road form Panchnota to Sarai is likely to be taken up in the next financial year subject to availability of funds under E.A.S

Construction of Gochhi to Bisan Road

367. Dr. Virender Pal Ahlawat: Will the Minister for P.W.D (B&R) be pleased to state whether it is a fact that the construction work of Gochhi to Bisan Road, district Rohtak has been discontiuned; if so, the reasons thereof, togehterwith the time by which the said work is likely to be re started/completed?

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): गोच्छी से बीसान सडक के निर्माण का कार्य ठेकेदार द्वारा आरम्भ नही किया गया और उसकी अग्रिम धन रा ि ा जब्त कर ली गई है। अब मामला सरकार के आगामी उचित कार्यवाही हेतू विचारधीन है।

Setting up of Fodder, Wooden and Iron Mandi at Bhiwani

304. Shri Ram Bhajan Aggarwal: Will the Minister for Town & Country Planning be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Govt. to set up a Fodder, Wooden and Iron Mandi in Bhiwani City?

नगर तथा ग्राम आयोजन मंत्री (सेठ सिरी कि ान दास): श्रीमान जी, भिवानी भाहर मे पहले ही चारा, लक्कड तथा लोहास मण्डी कार्यरत है।

Setting up of 132 K.V Power House at Pai and 33. K.V at Jakoli

201. Shri Ram Pal Majra: Will the Chif Minister be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to set up 132 K.V Power House at Pai and 33. K.V at Jakoli in Distirct Kaithal; and

(b) if so, the time by which the aforesaid Power Houses are likely to be set up?

मुख्यमंत्री (श्री बंसी लाल):

(क) तथा (ख) हा जी, पाई मे, कुरूक्षेत्र जिल की एकीकरण सुधार योजना के अन्तर्गत जापाल सरकारर द्वारा ओवरसीज इकोनोमिक को ओप्रे ान फंड मे धन जुटाया जाना है के अर्न्तगत एक 132 के0वी0 उप केन्द्र के निर्माण किये जाने की योजना है। वर्तमान समय मे इस कार्य के नियतन के लिये निविदांए मांगी जा चुकी है और जिन्हे अन्तिम रूप दिया जा रहा है। कार्य भाुरू होने की तिथि से इस उप केन्द्र को पूरा होने मे लगभग 2 वर्श का समय लगेगा।

ग्राम जखोली मे एक 33 के0वी0 उप केन्द्र का निर्माण करने की योजना है जो कि प्रस्तावित 132 के0वी0 उपकेन्द्र पाई से बिजली प्राप्त करेगा। इस उप केन्द्र के लिये भूमि उपलब्ध है। यह उप केन्द्र 132 के0वी0 उप केन्द्र पाई कि निर्माण अनुसूचि के अनुसार पूर्ण होना लक्षित है।

Road Accidents in the State

345. Shri Birender Singh: Will the Minister for Home be pleased to state-

(a) the number of road accidents in the Stante during the period Ist June, 1996 to 31st January, 1997; and

(b) the total number of persons who died in the accidents as referred to in part (a) above?

गृह मंत्री श्री मनी राम गोदाराः

1.6.1996 से 31.1.1997

(क) सडक दुर्घटनाओ की संख्या 4275

(ख) मृतको की संख्या 1735

Electricity Connections to Tubewells

226. Shri Krishan lal: Will the Chief Minister be pleased to state the total number of test reports for prodidings of electicity connection to tubewells pending with the H.S.E.B in State at present; togetherwith the districtwise number of conncetion released during the period September, 1996 to March, 1997?

श्री बंसी लालः एक विवरण सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

विवरण

दिनांक 31.12.1996 तक बोर्ड के पास टयूबवैल कनैक ान देने के लिये 23581 टैस्ट रिपोर्ट बकाया था। बोर्ड मे आकडे परिमण्डल के अनुसार रखे जाते है न कि जिलानुसार 1 प्रथम सितम्बर, 1996 से 31 दिसम्बर, 1996 तक परिमण्डल अनुसार जारी किए गए कनैक ानो की संख्या निम्नानुसार थीः–

क्र0 स0	परिमण्डल का नाम	जारी किय गये कनैक ानो की संख्या
1.	अम्बाला	28

2.	यमुनानगर	10
3.	कुरूक्षेत्र	32
4.	करनाल	30
5.	फरीदाबाद	26
6.	सोनीपत	21
7.	गुडगांव	35
8.	नारनौल	193
9.	सिरसा	9
10.	भिवानी	1984
11.	जीन्द	19
12.	रोहतक	9
13.	हिसार	25
	योग	**621**

Number of Government Colleges in the State

313. Shri Ashok Kumar: Will the Minister for Education be pleased to state the district wise number of Government Colleges in the State?

ि ाक्ष मंत्री श्री राम बिलास भार्माः सूची अनुबन्ध ''ए'' पर संलग्न है।

अनुबन्ध ए

राजकीय कालेजो की सूची

अम्बाला	
1	नारायणगढ
पचकूला	
2.	बरवाला
3.	पचकूला
4.	कालका
भिवानी	
5.	भिवानी
6.	भिवानी ि ाक्षण
7.	लोहारू
फरीदाबाद	
8.	फरीदाबाद

9.	फरीदाबाद महिला
10.	होडल
11.	तिगांव
गुडगांव	
12.	द्रोणाचार्य रा0 महा गुडगांव
13.	गुडगांव
14.	जटौली
15.	नगीना
16.	सिधरावली
17.	तावडू
हिसार	
18.	आदमपूर
19.	भटटू कलां
20.	हांसी
21.	हिसार

22.	टोहाना
23.	नलवा
जींद	
24.	जींद
25.	नरवाना
26.	सफीदो
करनाल	
27.	करनाल
28.	घरौडा
महेन्द्रगढ	
29.	महेन्द्रगढ
30.	नारनौल
31.	रा0 महा0 नारनौल महिला
32	अटेली
रिवाडी	

33.	बावल
34.	कवांली
35.	नाहड
रोहतक	
36.	रा0महा0 रोहतक महिला
37.	बहादुगढ
38.	दुबलधन
39.	दुजाना
40.	महम
41.	झज्जर
सिरसा	
42	नाथूसरी चौपटा
43.	सिरसा
सोनीपत	
44.	गोहाना

Providing of Free Electirctiy and Canal Water

***320. Shri Om Parkash Chatutala:** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to provide free electirctiy and water for irrigation to the farmers in the State?

मुख्यमंमत्री (श्रीं बंसी लाल): नही श्रीमान जी।

Drain in out of Flood Water

***320. Shri Balbir Singh:** Will the Minister Plesed to state-

(a) whether it is a fact that the flood water have still not been drained out form Morkhra, Ajaib Madina, Bharan, Nidana, Bhainsi, Girawar, Nindana and Bhaisi villages of Meham constituency; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to give compensation to the farmers for their damaged crpos in such cases?

मुख्यमंत्री (श्री बंसी लाल)

(क) गांव अजैब की केवल 35 एकड जमीन और गांव मोखरा की 125 एकड के अतिरिक्त भोश बढाग्रस्त क्षेत्र बढाने का पानी निकाल दिया गया है।

(ख) सरकार के पास किसानो को उनकी क्षतिग्रस्त फसलो का मुआवजा देने के लिये कोई ऐसी योजना विचाराधीन नही है क्योकि बाढग्रस्त क्षेत्र मे फसलो की बिजाई का कार्य बाढ के समय नही हुआ था।

Allotment of Sheds and Platform

315. Shri Jagbir Singh: Will the Minister for Agriculture be pleased to state-

(a) whether the construction of the Sheds & Platforms of Grain Market/ Anaj Mandi, Gohana has been completed; and

(b) if so, the time by which the aforesaid platforms/sheds are likely to be allotted/auctioned?

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह):

(क) नई अनाज मंडी गोहाना मे एक कवर्ड भौड को छोडकर बाकी प्लेटफार्मो व भौडो का काम पूरा हो चुका है।

(ख) नई विकसित मंडियो मे प्लाटो के अलाट करने की नीति सं ाोधित की जा रही है। जैसे ही नई नीति निर्धारित हो जाएगी, प्लाटो के अलाट करने की प्रक्रिया भ्ारू कर दी जाएगी।

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, आन ए प्वायट आफ आर्डर। सर, मैने क्वै चन न0 345 आपकी असैम्बली के सैक्रेट्रेरियेट मे दिया था। जो सवाल मैने आपको औफिज को रिसीव कराया था। उसका आधा क्वै चन तो गायब हो गया है और जो रिप्लाई इस बारे मे मिलता है उससे न तो मै कोई सवाल पूछ सकता हू और न ही मुझे इस बारे मे कोई इंफर्मे ान मिली है। इसलिये यह बात मै आपके नोटिस मे लाना चाहता हू।

श्री अध्यक्षः आप इस बारे मे हाउस खत्म होने के बाद मेरे चैम्बर मे मिले ले। हम आपको बता देगे।

श्री बीरेन्द्र सिंहः सर, मै आपको यह क्वै चन दे देता हू।

श्री जसवन्द सिंह विधायक का बिजली मंत्री के रूप मे त्याग पत्र से संबधित मामला उठाना।

श्री औमप्रका ा चौटालाः स्पीकर साहब, हरियाणा सरकार की काबीना के एक मंत्री यानी बिजली मंत्री ने अपना इस्तीफा दिया है, जिसके बारे मे अखबारो मे अनेक प्रकार की भ्रान्तियां है। इस बारे मे एक पुरानी ट्रेडी ान भी यही रही है कि जब पार्लियामैट या विधानसभाओ मे कोई मंत्री किन्ही कारणो से अपना इस्तीफा देता है तो उसे अवसर दिया जाता है कि वह सदन को बताए कि उसका इस्तीफा देने का कारण क्या था। आया उससे इस्तीफा मांगा गया या उसने स्वय इस्तीफा दिया। (विघ्न) यह केवल मात्र मंत्री से जुडी हुई बात नही है।

श्री अध्यक्षः आप इस बारे मे रूल देख ले। इसके बाद आपको इस बारे मे पूछने की कोई जरूतर नही रहेगी।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः स्पीकर साहब, हरियाणा प्रदे ा के लोग इस बात को लेकर चिन्ता ग्रस्त है कि उनका इस्तीफा देने की क्या वजह है, क्या कारण है, सर, यह बहुत अहम मुददा है। (विघ्न)

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): स्पीकर साहब, चौधरी जसवन्त सिंह इस हाउस के मैम्बर है और वे यहां बैठे है। वे हरियाणा विकास पार्टी के माननीय विधायक है। वे इस सदन के मंत्री थे और वे इस सदन मे मौजूद है।

श्री ओमप्रका ा चौटाला: कहां है?

श्री राम बिलास भार्मा: कल वे यहा पर मौजूद थे और आज भी वे सदन मे ही है। वे लौबी मे हो सकते हैं। लेकिन उनकी मौजूदगी मे इनको ऐसा नही कहना चाहिए।(विघ्न) मेरी आपसे यही अर्ज है कि इसमे राजनीति नही आनी चाहिए।(विघ्न)

श्री अध्यक्ष: चौटाल साहब, पहले अपने साथियो को कंट्रोल करे।

I Will not allow them to act in such a way.

श्री ओमप्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, आपकी हालत से हम परिचित है और हमे आपका पूरा ध्यान है। हम पूरी तरह से सतर्क है। हमे आपका ज्ञान है और हमे आपकी सारी योजनाओ का भी ज्ञान है।

श्री रामबिलास भार्मा: स्पीकर साहब, चौधरी औमप्रका ा चौटाला साहब ऐसी बाते न करे कि न हम किसी के और न कोई हमारा। सर, हम जसवन्त सिह के है और जसवंत सिंह हमारे है।

श्री औमप्रका ा चौटलाः आपका क्या पता कि कब किसी को छोड जाओ और कब किसी को पकड लो।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, भारीतय जनता पार्टी किसी को मंझधार मे नही छोडती है। रास्ते मे दोस्त बदलना आपकी आदत हो सकती है लेनिक बी0जे0पी0 तो सिरे तक ले जाती है और हम अंत तक साथ निभाते है (विघ्न)

श्री ओमप्रका ा चौटालाः स्पीकर साहब, ये तीन बांस गहरे पानी मे डुबाने के लिए तैयार बैठे है।

मुख्यमंत्री श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, चौटाला साहब ने कहा है कि ये तीन बांस डुबाकर मारते है। चौटाला साहब तीन बांस डुबाए हुए ही है।

श्री ओंमप्रका ा चौटालाः मै तो डूब लिया लेकिन हमे आपकी चिता है क्योकि यह काम बहुत जल्दी होने जा रहा हैं।

श्री रामबिलास भार्माः स्पीकर साहब, चौटाला साहब, को भारतीय जनता पार्टी से तो कोई गिला नही होना चाहिए। यह सदन और हरियाणा की महान जनता इस बात की च मदीद गवाहहै कि दो दिसम्बर, 1989 को जब चौधरी देवी लाल जी उप प्रधानमंत्री बने और चौटाला साहब के सिर पर मुख्यमंत्री की टोपी रखी गयी और दिल्ली हरियाणा भवन मे भापथ ग्रहण समारोह हुआ तो उस समय हम 6 लोग चौधरी देवीलाल के मंत्रिमंडल मे थे। आज स्वर्गीय मंगल सैन नही है। हमने उसी दिन यह फेसला

ले लिया था कि हम सैद्धांतिक तौर पर इस मंत्रिमंडल मे भाामिल नही है और हमारा मत्रिमडल से कोई मतलब नही है। स्पीकर साहब, अपनी कुछ बाते ऐसी रही होगी। इनका तो वह हाल है कि जब रंज बूतो ने दिया तो खुदा याद आया। इनको हमसे कोई गिना नही होना चाहिए।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मुझे इनसे और इनकी पार्टी से कोई गिला नही है और मुझे इनकी बात का वि ोश रूप से उल्लेख करने की जरूरत नही है ये तो आज उस काबीना मे भाामिल है जिसके बारे मे ये न जाने क्या क्या कहा करते थे। यह तो इन की मजबूरी है, खैर मै इस बात मे नही पडना चाहूगा। (विघ्न) स्पीकर साहब, मेरे नोटिस मे यह बात आई है कि चौधरी जसवंत सिह जी के परिवार के सदस्य उनकी किडनैपिंग का पर्चा दर्ज कराने जा रहे है। (ाोर एवम विघ्न)

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, वे पर्चा दर्ज कराने जा नही रहे है। ओमप्रका ा जी उन्हे पर्चा दर्ज कराने के लिए उकसा रहे है। चौाधरी ओमप्रका ा चौटाला का तो एक ही काम रह गया है। कभी सफाई कर्मचारियो से पर्चे दर्ज करवाना, कभी बिजली कर्मचारियो से पर्चे दर्ज करवाना। चौधरी जसवन्त सिह जी हिसार के भोले भाले आदमी है।(ाोर एवम विघ्न)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, वे भोले भाले आदमी नही है ला ग्रेजुएट है। राम बिलास जी तो उनके

वकालत के पे ो को अपमानित करने जा रहे है। अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्र न है लोक सभा मे और विधान सभा मे यह पुरानी ट्रेडी ान है कि जब कोई मत्री किसी कारण व ा इस्तीफा देता है लोक सभा मे (ाोर)

श्री अध्यक्षः यह जो राईट है वह उस आदमी का है, You have no right to ask for such things.

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, यह हरियाणा प्रदे ा की जनता के हितो से जुडा हुआ मुददा है। (विघ्न) एक वि ोश बात को लेकन इस्तीफा दिया गया है। हरियाणा प्रदे ा मे बिजली का निजीकरण हो या न हो (विघ्न) यह मुददा हरियाणा प्रदे ा के हितो से जुडा हुआ है। अध्यक्ष महोदय, ...

श्री अध्यक्षः ओमप्रका ा चौटाला जी जो कुछ कह रहे है उसे रिकार्ड न किया जाए।

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव की सूचना

कैप्टन अजय सिह यादवः अध्यक्ष महोदय, बिजली के निजीकरण के मुददे पर हमारी पार्टी ने भी एक मो ान दिया हुआ है उसका क्या हुआ?

Mr. Speaker: That has been disallowed. Please take your seat.

कैप्टन अजय सिह यादवः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः ये जो कुछ कर रहे है उसे रिकार्ड न किया जाए। अजय सिंह जी, आप दूसरी तीसरी बार हाउस मे चुनकर आए है, Please take your seat.

कैप्टन अजय सिह यादवः अध्यक्ष महोदय, जीरो आवर चल रहा है इसमे हमे अपनी बात करने का अधिकार है.....

Mr. Speaker: I will not allow you to make this House a fish a market. Please take your seat. (Noise & Interruptions)

नियम 121 के अधीन प्रस्ताव

कमेटियो के सदस्यो को नामजद करने के लिए अध्यक्ष महोदय, को प्राधिकार देने सम्बन्धी

Mr. Speaker: Now the Parliamentary Affairs Minister Will move the motion undr Rule 121 regarding nominations of various committees.

Agriculture Minister (Shri Karan Singh Dalal): Sir, I beg to move

That the provisions of Rules 228,230, 230-B and 260A of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assemble in so far as they relate to the constitution of the-

(i)	Committee of Public Accouts;
(ii)	Committee on Estimates;

(iii)	Committee on Public Undertakings; and
(iv)	Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes, for the year 1997-98 be suspended.

Sir, I also move-

That this House authorises, the Speaker, Haryana Vidhan Sabha, to nominate the memebers of the aforesaid Committees for the year 1997-98 keeping in view the proportionate strength of various parties/group in the House.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the provisions of Rules 228,230, 230-B and 260A of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assemble in so far as they relate to the constitution of the-

(i)	Committee of Public Accouts;
(ii)	Committee on Estimates;
(iii)	Committee on Public Undertakings; and
(iv)	Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes, for the year 1997-98 be suspended.

Mr. Speaker: Question is-

That the provisions of Rules 228,230, 230-B and 260A of the Rules of Procedure and Conduct of Business in

the Haryana Legislative Assemble in so far as they relate to the constitution of the-

(i)	Committee of Public Accouts;
(ii)	Committee on Estimates;
(iii)	Committee on Public Undertakings; and
(iv)	Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes, for the year 1997-98 be suspended.

That this House authorises, the Speaker, Haryana Vidhan Sabha, to nominate the memebers of the aforesaid Committees for the year 1997-98 keeping in view the proportionate strength of various parties/group in the House.

The motion was carried

Mr. Speaker: I also request the leaders of the parties in the House to send the names of their members to be nominated on the above committees by 30th March, 1997.

राज्य के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: Now the discussion on Governor's address wil resume Shri Dhir Pal Singh will conslude has speech withing five minutes.

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा माननीय मुख्यमंत्री जी से जानना चाहता हू कि किसानो पर गन्ने की ढूलाई का दोहरा खर्चा यानि लौडिंग और अन लौडिंग का

खर्चा डाला जा रहा है और किसानो मे बडी निरा ाा फैली हुई है। क्या मुंख्यमंत्री जी उन आदे ाो को वापस लेगे? दूसरी बात मै यह जानना चाहता हू कि जो चाईना से मीटर आये है उनके लिये किसानो को जबरदस्ती 500 रूपये भरने पडे है और यह बात राजस्व मंत्री जी को जब ये रोहतक मे गये थे, तक किसानो ने कही थी कि यह कैसा उपहार दिया जा रहा है। एक बात और मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से जानना चाहता हू कि आज सारी पावर एस0डी0एम0 को दी गई है जिसके लिए लोगो ने सारा सारा दनि इंतजार करना पडता है। अभी इसके बारे मे एक चिटठी मुख्यमंत्री जी को भी मिली होगी कि पजाब केसरी के एक सम्मनित सदस्य नरवाना से है वे जब पजांब से 28.2.1997 को वापस आ रहे थे तो गुहला के एस0डी0एम0 ने उनकी वैन को इम्पाउड कर लिया तो उन्होने एस0डी0एल0 से रिक्वैस्ट की कि मेहरबानी करके अगर आप ने वैन को इम्पाउड कर लिया है तो हमारे जाने के लिए किसी गाडी का प्रबन्ध कर दो हमे उसके लिए किराया भी देगे। उन्होने अपना कार्ड दिखलाया। इस पर उनके साथ ज्यादा मजाक हुआ और कहा गया कि ऐसे कार्ड लेकर तो पता नही कौन कौन घुमता है। केवल उस पत्रकारा साथी के साथ ही ऐसी बात नही हुई बल्कि हमारे इलाके मे भी नायायज चालान हो रहे है। पैट्रोल पम्पस पर खडी हुई गाडियो के चालान कर दिए जाते है। अध्यक्ष महोदय, ठेला गाडी, दुपाहिया वाहनो तथा थ्री व्हीलरो का चालान हो रहा है। मेरे गावो मे एक गाडी रिपेयर के लिए भाहर को जा रही थी तो उसको इम्पाउड किया गया और 5 हजार

रूपये का जुर्माना किया गया क्याकि बादली मे गाडीयो की मरम्मत नही होती है इसलिए बहादुगढ या अन्य भाहरो मे जाना पडता है। अगर सडक पर जाएगे तो चालान हो जाता है। इसलिए मै मुख्यमंत्री जी से यह गुजारि ा करना चाहता हू कि इस कुप्रथा का रोके। इसके अतिरिक्त मै बताना चाहता हू कि पिछले 5 साल से एन0सी0आर0 स्कीम के तहत राजधानी दिल्ली के समीप कितना मिला है, इसके बारे मे तो मुझे ज्ञान नही है। लेकिन हमारे हल्के को वह पैसा नही मिला है। इसलिए मै चाहता हू कि हमारे हल्के का जो हिस्सा बनता है, वह हिस्सा हमे जरूर मिलना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, उस स्कीम के तहत आपके हल्के को भी पैसा मिला होगा। इसके अतिरिक्त हर विधायक को अपने हल्के के लिए 40 लाख रूपये की रा ि ा, जो स्कूलो के लिए, भवनो के लिए, गलियो/नालियो के लिए तथा जोहडो की चारदीवारी इत्यादी के लिए, नि ि चत की गई थी जो कि लोगो की भावनाओ के बिल्कुल अनुरूप थी। जैसा लोग चाहते थे, वैसा ही पंचायत मे बैठकर वहा पर काम की स्वीकृति कर लेते थे, बाद मे सरकार के द्वारा काम पूरा किया जाता था। लेकिन यह भी वापिस ले ली गई। मै चाहता हू कि विधायको के लिए यह रा ि ा लगातार मिलती रहनी चाहिए।

श्री अध्यक्षः क्या आपके यह पैसा मिला था?

श्री धीरपाल सिंहः जी हां, मुझे मिला था।

मुख्यमंत्री श्री बसी लालः अध्यक्ष महोदय, मै बताना चाहता हू कि वह इसलिए वापिस हो गई क्योकि चौटाला साहब ने कहा था कि यह तो सदस्यो को रि वत देने के समाना है।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः लेकिन मैने आपको तो नही कहा था।

श्री बंसी लालः मै तो उस समय चुपचाप बैठा था।

श्री अध्यक्षः श्री धीरपाल जी, आप अपनी बात पूरी करे।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष माहोदय, मै केवल एक मिनट और लूगा। लाटरी के बारे मे कहना चाहता हू कि वाकई आज लाटरी के जरिए हजारो घर बर्बाद हो रहे है। जो भी सामाजिक बुराईयो है वे समाज से दूर होनी चाहिए। भाराबंबंदी की बात आई तो हमने पूरा सहयोग दिया। इसी प्रकार से लाटी भी एक बुराई है। सरकार का यह दायित्व बनता है कि इसको वह बंद करवाए। मै आपके माध्यम से यह जानना चाहता हू कि क्या मेरे इलाके के साथ चाहे सडको की बात है, या पानी की बात है इत्यादि, भेदभाव नही हुआ है। एस0वाई0एल0 नहर के निर्माण की चर्चा हुई। समय निर्धारित हुआ है कि इनते समय मे बनाएगे। (घटी) इस बारे मे मै चाहता हू कि मुख्यमंत्री महोदय अपने व्यक्तिगत रूचि लेकर इसका निर्माण करवाए। अत मे यह जो राज्यपाल का अभिभाशण है यह एक ढकोसला है, खोखला है तथा हरियाणा की जनता के हितो के साथ खिलवाड है, मै उसका विरोध करता हू।

श्रीमती करतार देवी (कलानौर, अनुसूचित जाति): माननीय अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले जो अपने मुझे बोलने का समय दिया मै उसके लिये आपको धन्यवाद देती हू। दूसरे, राज्यपाल के अभिभाशण पर विधान सभा मे एक सवैधानिक प्रक्रिया के अनुसार परचर्चा भाुरू हो गई है। उसमे भाग लेने के लिए मै खडी हुई हू। यहा पर अभिभाशण भाुरू हो से पहले वदे मातरम बजाया गया। यह एक अच्छी भाुरूरात है। इसके बाद अभिभाशण के दो पैरो मे स्वतन्त्रता सेनानियो दे ाभक्तो और उन महापुरूशो को याद किया गया जिनकी वजह से आत हम लोकतंत्र मे अपने दो पदो का और उन द्वारा दी गई अनेक सुविधाओ का लाभ उठा रहे है। इसलिए मै वि ोश तौर से इस बात का और उन द्वारा दी गई अनेक सुविधाओ का लाभ उठा रहे है। इसलिये मै वि ोश तौर से इस बात का स्वागत करती हू। कि नेता जी सुभाश चन्द्र बोस की सरकार की नीतियो को प्रदर् ात किया गया है, वे ये परिलक्षित करती है कि इस मे भी काफी कुछ प्रगति की बात होगी। लेनिक आगे पढने पर ऐसा कुछ नजर नही आयां जनता बडे भौक से बडे साहस से और अपनी हर बात को एक तरफ रख कर, आज की सरकार को इसलिए सत्ता सौप रही थी कि चौधरी बंसी लाल जी का नाम हरियाणा के इतिहास मे एक हरियाणा का निर्माता के नाम से जाना जाता था लोग समझते थे कि वही बसी लाल है जो आदे ा देते थे कि 26 जनवरी तक सारी हरियाणा इलैक्ट्रीफाई हो जाएगा और सारे हरियाणा प्रदे ा मे सउके बन जाएगी। उस समय ऐसा हो जाता था जब उस समय लोग ऐसी

बाते कहा करते थे तो हम यह कहा करते कि किसी एक व्यक्ति की यह नीति नही हो सकती यह उस पार्टी की नीतियां का परिणाम है। जिन दिनो चौधंरी बंसी लाल जी मुख्यमंत्री हुआ करते थे उन दिनो इनके सिर पर श्रीमती इंदिरा गांधी जी का हाथा था। वे इनको पैसा दिया करती थी और हरियाणा मे विकास के कार्य हुआ करते थे। लेकिन लोग समझते थे कि नही यह तो चौधरी बंसी लाल जी का कोई करि मा है इसलिए हरियाणा के विकास मे तेजी आएगी लेकिन चाहरो तरह से माननीय सदस्य जो सवाल कर रहे है उनसे साफ जाहिर होता है कि पिछले 9 महीने के दौरान हरियाणा के विकास की जो आ ा थी उसके अनुसार कोई कार्य नही हुआ। सबसे पहले तो इस सरकार ने यह घोशणा की थी कि हरियाणा की हर नहर का पानी हर टेल पर पहुचाया जाएगा। वि ोश तौर पर मै यह कहना चाहूगी कि क्योकि मेरा क्ष़ेत्र टेल पर है इसलिए वहां के लोगो ने इस सरकार को बनाने मे वि ोश तौर पर रूचि ली, मै यह समझती हू कि भाायद मैने उनके काम करने के लिए कम प्रयत्न किए हो, इसलिए उनकी नहरो से पानी का बहाव आगे नही किया गया। लेकिन आज भी वहा के लोगो को यह महसूस होर रहा है कि आज की सरकार भी नहर के पानी को टेल तक पहुचाने मे सफल नही हुई है। यह बात ठीक है कि कुछ नहरो की सफाई हुई है। लेनिक उसके साथ साथ यह भी सच है कि जितनी भी स्कीमे अब तक यानि 9 महीने तक जिन पर काम हुआ है उनको सैक ान और पैसा पिछली सरकार का दिया हुआ था। मैने बार बार इस तथ्य की तरफ ध्यान

दिलाने की कोि ा ा की है मेरे हल्के मे बांस माइनर काफी समय से बनी हुई है उसकी टेल मेरे हल्के मे है। उस माइनर का मेरे हल्के के किसानो को अज तक मुआवजा नही मिला है। मंत्री जी कहेगे कि बहन जी जब आप मंत्री थी तो उस समय आपने उन लोगो को मुआवाजा क्यो नही मिला है। मंत्री जी कहेगे कि बहन जी जब आप मंत्री थी तो उस आपने उन लोगो को मुआवजा क्यो नही दिलाया। मै कहती हू कि मुआवजा लेने के बारे मे कुछ लोगो मे उस समय विरोध था। सरकार ने मुआवजे का जो पैसा दिया था उन्होने उस समय कहा था कि यह पैसा बहुत थोडा है इसलिये हम यह पैसा नही लेना चाहते । बाद मै उन लोगो को मनाया और उनसे लिखवा कर भी दिलाया था और तत्ताकालीन सरकार ने उनको उस समय पैसा दे दिया था और उस समय के एक्सीयन ने यह कहा था कि परसो आ कर पैसा ले जाना लेकिन आज तक उन लोगो को वह पैसा नही मिला है। मै मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करूगी कि वहा से आपकी पार्टी का विधायक चुनाव नही जीत पाया तो उन लोागो का कोई कसूर नही है। मुझे तो बिल्कुल भी यह अन्दाजा नही था कि हविपा भाजपा गठबंधन के उम्मीदवार को मेरे हल्के से इतने वोट मिल जाएगे, लोगो ने आपकी पार्टी को उम्मीद से ज्यादा वोट दिये है। कम से कम आप उनका तो ख्याल करे। आप उन लोगो को मुआवजा दे और उस माइनर की टेल तक पानी पहुचाए। मै अनुरोध करना चाहूगी कि उस माइनर की टेल पर पानी पहुचाने के लिए जिस प्रकार से पानी की ग्रुपिंग की जो वाराबंदी की गई है उसके कारण कलानौर

और बेरी हल्के जंहा पानी नही है बिल्कुल ड्राई हो जाएगे और उसका नुकसान भिवानी जिले का भी होगा। इसलिये मै अनुरोध करूगी कि चारो ग्रुपो की जो 10/96 से पहले बारा बंदी थी उसको बरकारा रखा जाए। अगर वही बाराबंदी बरकार नही रहेगी तो बेरी और कलानौर हल्को के साथ साथ भिवानी का जो क्षेत्र उनके साथ लगता है जिनमे दादरी फीडर से सिचाई होती है उनको लाभ नही होगा। मुझे पूरा वि वास है कि सरकार मेरा बात की तरफ पूरा ध्यान देगी ताकि उन लोगो के साथ कोई बेइन्साफी न हो। इसके साथ साथ मै सरकार का ध्यान ड्रैन नम्बर 8 की तरफ दिलाना चाहती हू। वह ड्रैन खास करके मेरे क्षेत्र से हो कर गुजरती है और मेरे क्षेत्र के 16 गावो मे उसका पानी लगता है। महम ड्रैन और लाखन माजरा ड्रैन का मिलान मेरे हल्के मे होता है। स्पीकर साहब, जो पानी का नैचुरल बहाव है उसको आपने भी देखा होगा और मुख्यमंत्री जी ने देखा होगा कि नैचुरल फलो से पानी जहां से गया है वहा से आगे निकल जाए तो अच्छा होगा। वरना ये ड्रैन मेरे क्षेत्र को तबाह हो जायेगे। खासतौर मे बहु अकबपुर से जो धनाना ड्रैन भ्रुरू की गई है इसमे जीन्द का पानी भी मिल जायेगा वह बहु अकबरपुर के पस से मुरादपुर टेकना होते हुये लाहली के पास से निकल जाएगी। काहनौर के नजदीक से भी ड्रैन ले जाने की कोि ा ा करेगे। तो स्पीकर साहब, एक ही क्षेत्र से 3–4 ड्रैने ले जाने से उस क्षेंत्र के किसानो का क्या हाल होगा। उनकी आधी जमीन तो इधर होगी और आधी जमीन उधर होगी। इसलिये मै अनुरोध करूगी कि राजनीतिक पक्षपात

इतना तो नही होना चाहिए कि एक क्षेत्र के लोगो को बिल्कुल ही उजाड दिया जाये। जो स्कीमे बनी रही है उससे कलानौर क्षेत्र को नुकसान पहुच रहा है।, इस प्रकार की बाते तो हम तो कम से कम नही करते थे। मेरा आपसे अनुरोध है कि सरकार का ध्यान आप इस तरफ दिलवाये कि ये ड्रैने एक बात बनती है कही ऐसा न हो कि जैसे नालियो को पक्का करने की बात की गई थी कि इससे किसानो को ज्यादा पानी मिलेगा लेनिक लैवल ठीक न होने के कारण बहुत सारी पक्की नालियां है जिस पर सरकार का खर्चा हो चुका है लेकिन फिर भी उन किसानो को पूरा पानी नही मिलता। क्योकि उस वक्त लैवल को ठीक से नही देखा गया। मै यही बात इन ड्रैनो के बारे मे कहू कि इसमे जल्दबाजी की बात न हों इसमे कोई पक्षपात की बात नही होनी चाहिए। पूरे हरियाणा को बाढ से बचाने के लिए जो भी प्रोग्राम बनेगा हरियाणा के सभी विधायक, हरियाणा की जनता उसमे आपके साथ है। जिस प्रकार से बाढ आई थी, भगवान न करे फिर वैसी बाढ आये। तो मेरा कहने का यह है कि पानी को ड्रैन आऊट करने के लिए जो ड्रैन बनाई जाये उनके लैवल का वि ोश तौर से ख्याल रखा जाये और इस मे जरबदस्ती न की जाये। पानी को वहा से मोड कर यहा मोड दे, अगर यदि ऐसा किया जायेगा तो फिर स्थिति ऐसे के ऐस ही रहेगी। खासतौर से जो बहु अकबरपुर के पास मे जो ड्रैन निकाल जा रही है, बहु अकबरपुर के लोग भाायद इस बारे मे मुख्यमंत्री जी से मिले भी है। आज तक बहु अकबरपुर मे किसी भी दूसरे गावं का पानी नही आया। इस गांव के पानी को निकालने के लिए

एक छोटी सी ड्रैन की आव यकता थी जिससे कि गांव का पानी जा सकता था। मेरा आपसे अनुरोध है कि जिन जिन गावो से आप यह ड्रैन निकाल रहे है, आप उन विधायको की बात को सुने, हमारी बात ने सुने लेकिन मेहरबाजी करके जनता की बात सुने ताकि वहा से पानी आसानी से जा सके। आप उन किसानो की बात सुने जो आपसे लाखो अपेक्षा रखते है। उनको पता है कि कहा से पानी ठीक निकल सकता है। उसी हिसाब से आप ड्रैन निकलवाने की कृपा करे ताकि इससे प्रदे ा का भला हो सके और आपका जो सपना है वह साकार हो सकेगा। वरना तो यह सोचा जायेगा कि यह लैबल ठीक नही हुआ, इसके दुबारा बनाने की स्थिति न आये।

श्री अध्यक्षः बहन जी, कटेसरा से गुढाना माइनर हमारी सांझी है। वह आपने बनवाई थी। उस का अब क्या हाल है और पहले क्या हाल था वह बता दे?

श्रीमती करतार देवीः स्पीकर साहब, मै तो वही कर रही हू कि इसको इन्जीनियर देखते है मै तो टेकनीकल हू नही। (विध्न) मेरा काम तो सिर्फ ड्रैन निकलवाने का था। मैने कोई दखल नही दिया। (विघ्न) मै आपसे अनुरोध करती हू कि मै तो उस वक्त भी कहा करती थी कि मेरा इसमे कोई दखल नही है इन्जीनियर को यह देखाना चाहिए कि पानी ठीक तरीके से निकले। मेरा कभी कोई दखल इस प्रकार की स्कीम मे रहा हो तो बता दे। मेरा और आपका साथ का इलकाा है। हमारा काम

किसानो को, लोगो को मुआवाजो दिलवाने का काम तो साझे का है। मै आपसे प्रार्थना करती हू मेहरबानी करके आप सरकार से कह रहे लोगो को मुआवजा दिलवा दे, आपकी मेहरबानी होगी।

मुद्रण तथा लेखन सामग्री राज्य मंत्री (श्रीमती कृश्णा गहलावत): बहन जी अपने समय मे की गई गलतियों को सुधरवाना चाहती है। ये मानती है कि इनसे गलतियो हुई है, इसलिए मै रिक्वैस्ट कर रही है।

श्रीमती करतार देवी: बहन जी, हम तो आपस मे कम से कम न लडे। (विघ्न) कांता तो कभी नही लडेगी।

श्री रामबिलास भार्मा: कृश्णा गहलावत, कांता देवी, कमला वर्मा, यानि सभी बहनो की रा ि ा क से भाुरू होती है इसलिये ये कभी भी आपस मे नही लडेगी।

11.00 बजे

श्रीमती करतार देवी: स्पीकर साहब, बिजली के मुददे की तरफ भी मै आपके माध्यम से सरकार का ध्यान दिलाना चाहूगी। हाउस मे यहां पर काफी सदस्यो की और से इस मुददे पर कांलिग अटै ान मो ान और एडजर्नमैट मो ान भी आए है और अभी इस बात पर एक मंत्री ने मंत्री पद से इस्तीफा भी दिया है। हरियाणा की जनता इस बात को जानना चाहती हू कि जनता से यह वायदा किया गया था कि चौबीस घण्टे बिजली मिलेगी, उस वायदे का क्या हुआ? उनके इस वायदे के पोस्टर्ज आज भी

दीवारो पर लिखे हुए है लेकिन बिजली 6 घण्टे फालतू कही पर भी नही आती है। खाने की थाली सामने आती है तो लायट चली जाती है, यह हालात आज डोमैस्टिक बिजली की सप्लाई की है। अध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का मतलब है यह है कि बिजली की सप्लाई को सुधारने की आव यकता है। स्पीकर साहब, मेरा क्षेत्र जिला रोहतक मे पडता है बिजली की सप्लाई के लिए यह हल्का दादरी से जुडा हुआ है जिस कारण पावर कट कब लगता है और कब पावर कट नही होता इस बाता का पता ही हमे नही चल पाता है।(विघ्न) मेरा निवेदन है कि मेरे हल्के को पानीपत के साथ जोडा जाना चाहिए, ताकि हम लोगो को पावर कट के बारे मे समय पर जानकारी उपलब्ध हो सके (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मै भी अपने हल्के के लिए मुख्यमंत्री जी का ध्यान आकृश्ट करवा कर कुछ हल्के के लोगो की दिक्कत का उल्लेख करके कुछ मांग रही हू इसमे कोई गलत बात नही है, अपने हल्के की बाबत कोई चीज मांगना कोई गुनाह नही है। स्पीकर साहब, मै यह कहना चाहती हू कि बिजली मे सुधान की नितान्त आव यकता है। मै निजी रूप से तथा मेरी पार्टी, निजीकरण के पूर्णत विरोधी नही है। कुछ मुददे ऐसे है जो कि इन्सानी जिन्दगी के साथ जुडे हुए है। जैसे किसान अनाज पैदा करता है और अनाज पैदा करने के लिए किसान को हर प्रकार की सुविधा की आव यकता होती है। चाहे वह खेत के अच्छा बीज डाले, अच्छी खाद डाले और समय पर पूरा पानी खेत मे दे लेकिन किसान को हर प्रकार के नुकसान से अपनी फसल बचाना चाहिए। इसी प्रकार से उपभोक्ता को अनाज सही दाम पर

उपलब्ध हो और उपभोक्ता को सही दाम पर अनाज मुहैया कराना सरकार की जिम्मेदारी है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः बहन जी, आप की पार्टी को एलोटिड टाईम मे से केवल 9 मिनट का समय बचा है। क्या नौ मिनट का समय आप ही बोलना चाहती है या कि आपकी पार्टी के कोई अन्य विधायक भी बोलना चाहेगे?

श्रीमती करतार देवीः स्पीकर साहब, मै अपनी पार्टी का एलोटिड टाईम नही लूगी जो मुझे मरेा अपना टाईम मिला है तो उसी के मुताबिक बोल रही हू। गवर्नर एड्रैस एक ऐसा मौका है जब सभी विधायको को अपने हल्के की बात कहने का मौका मिलता है। अगर हम अपनी बात यहा भी नही कहेगे तो फिर कहा कहेगे। (विघ्न)

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हर विधायक को अपने हलके की बात कहने के लिए यहा पर अवसर मिलता है। अगर किसी विधायक को आप गवर्नन एड्रैस पर भी बोलने का मौका नही देगे तो फिर कोई विधायक कब अपनी बात कर पाएगा। गवर्नर एड्रैस पर भी आप समय का खाता खोल कर न बैठे, मेरी आपसे यही गुजारि ा है।

श्रीमती करतार देवीः अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद एक औधोगिक नगरी है और वहां पर अनेक उधोग लगे हुए है लेकिन उनको पूरी बिजली नही मिलती है। मै आपके माध्यम से सरकार

से यह जरूर कहना चाहूगी कि वे ऐसा कोई फेसला जरूर करवाए जिससे बिजली की सप्लाई को सुनि चत बनाया जा सके। चाहे किसी ज्वायट वैचर से या किसी निजी उधोगपति से कोई फेसला करके थर्मल प्लांट लगाए जो कि बिजली पैदा करके इण्डस्ट्रीजद को दे सके। इस प्रकार का कोई भी थर्मल प्लान पानीपत, यमुनानगर, मे बना भी है और बनने भी है। (विघ्न एवम घण्टी) अध्यक्ष महोदय, दूसरे इस अभिभाशण मे कहा गया है कि सभी को समान अवसर दिये जाएगे और बराबर का हक सभी को मिलेगा। यह बहुत ही अच्छी बात है। परन्तु सामान कैसे? अध्यक्ष महोदय, सैंटर गवर्नमैट द्वारा एक एम0पी0 अपने हल्के की डिवैल्पमैट के लिए एक करोड रूपया अपनी इच्छा से प्रांयरोटी पर खर्च करवा सकता है इसी आधार पर इसी सदन के सभी विधायको के लिए 50–50 लाख रूपये की रािा अपने प्रायोरिटी वर्क्स के लिये दिये जाने की बात भाुरू की गई थी, लेकिन यह ऐरिया डिवैल्पमैट ग्रान्ट को बन्द कर दिया है। सभी को बराबर सम्मान मिलना चाहिए ताकि सभी साथी जनका की आकाक्षाओ पर पूरे उतर सके। एरिया डिवैल्पमैट स्कीम कोई भी विधायक प्रायरिटी पर डी0सी0 से कह कर अपने हल्के की डिवैल्पमैट का काम करवा सकता था। जैसे एम0पी0 को एक करोड रूपया मिलता था उसी प्रकार से हम यह उम्मीद कर रहे थे कि इस बजट मे इस प्रकार का प्रावधान होगा परन्तु इस सरकार ने इस स्कीम को बन्द कर दिया है। क्या सरकार की नजरो मे यही एक विधायकत का सम्मान है?

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, इनकी सरकार ने जो 50 लाख रूपये दिये थे वे इनको मिलते थे। हमे तो पैसा कभी मिला ही नही है। हमने तो अब सबको बराबर ही कर दिया है।

श्रीमती करतार देवीः अध्यक्ष महोदय, बंसी लाल जी बहुत सीनियर मैम्बर है और ये इस तरह की बात कहे तो अच्छी नही लगती है। हम सब जनता के चुने हुए नुमायंदे है और सबका सम्मान रखने के लिए इन्होने जो यह स्कीम बंद की है इसको दुबारा से भाुरू किया जाए। आज पचायती राज मे महिलाओ और हरिजनो के साथ जो व्यवहार किया जा रहा है वह ठीक नही है। उनको सस्पैड किया जा रहा है वह क्यो किया जा रहा है? यह किस की इज्जत से किया जा रहा है? मुख्यमंत्री जी रिकार्ड मंगवा कर देखे कि कितनी महिलाए और कितने हरिजन सस्पैड हो चुके है। चाहिए तो यह था कि ब्योरा क्रेटंस उना साथ देते और उनकी सहायता करते। लेकिन आज उनको सस्पैड किया जा रहा है। वह सस्पैड क्यो किया जा रहा है क्योकि उसने 6 महीने मे एक बात होने वाली मीटिंग नही बुलाई? क्या यही तरीका है सम्मान देने का? आज भाराब बंदी जो की है उसका भी बुरा हाल है।

श्री अध्यक्षः बहन जी, यह जो आपने हरिजनो को सस्पैड करने वाली बात कही है यह बहुत ही अहम मुददा है। आप अपने हल्के मे इस तरह की जो बात हुई है वह बता दे कि कहां पर ऐसा हुआ है।

श्रीमती करतार देवीः अध्यक्ष महोदय, आप रिकार्ड मंगवा कर देख ले। (ाोर एवम व्यवधान) इस बार मे मैने लिखकर दिया हुआ है। भाराब बंदी को लेकर के जिस तरह से हरियाणा मे महिलओ ने इस सरकार का समर्थन किया था, हमने भी आपा इस बात के लिए स्वागत किया था। लेकिन आज हालात खराब है हम तो आपको भाराब से भरा ट्रक पकडवाए और आप अगले दिन ही उस ट्रक को छोड दे, यह बहुत गलत बात है। इस मामले मे तो सरकार पूरी तरह से विफल हो चुकी है। हम यह चाहते है कि इस बारे मे सरकार और सीरियस हो। तस्कारो को सरंक्षण देना बन्द करे और होम डिलीवरी बन्द करवाए वरना तो यह भाराब बन्दी नही बल्कि एक भयानक आर्थिक ाडयन्त्र है।

श्री अध्यक्षः कैप्टन अजय सिंह जी आप बोले और पांच मिनट मे खत्म करे।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, अपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हू। (विघ्न)

डा0 वीरेन्द्र पाल अहलवातः अध्यक्ष महोदय, व्यवस्था का प्र ान है। अध्यक्ष महोदय, आप बार बार समय की दुहाई दे रहे है। हम सब यहा पर अपनी अपनी बाते कहने के लिए इक्ट्ठे हुये है और उस पर आप समय की पाबन्दी लगा रहे है यह ठीक बात नही है। हम सबको यहां पर बोलने का समय देना चाहिए। जो

आदमी बोलना नही चाहता उसको तो आप बिना बोले ही बोलने के लिए खडा कर देते है और जो बोलना चाहता है उसको आप समय की दुहाई देने लग जाते है आपको सबको बोलने का समय देना चाहिए।

श्री अध्यक्षः आप बैठ जांए। मैने पहले भी बता दिया था कि गवर्नर एड्रैस पर डिस्क ान का समय सात घंटे का है। इस बारे मे मैने परर्पोसनेटली बता दिया था। (विघ्न)

श्री जसंवन्त सिंही नारनौंदः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायट आफ आर्डर है।

श्री अध्यक्षः कोई प्चायट आर्डर नही है आप बैठ जांए। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। मेरा आपसे वि ोश रूप से अनुरोध है कि आप प्वायट आफ आर्डर पर मैम्बर की बात सुने और सुनने के बाद आप उसे माने या न माने यह आपकी मर्जी है लेकिन आप मैम्बर को बोलने ही नही देते है। आप बिना सुने ही मैम्बर को कह देते है कि कोई प्वायट आफ आर्डर नही है। यह बात अच्छी नही है। सवाय समय का है और इस हाउस का हर सदस्य यह चाहेगा कि वे मौजूदा बजट अधीवे ान मे गवर्नर के अभिभाशण पर चर्चा करे और अपने क्षेत्र की बात रखे। आपकी सरकार बहुमत मे है उसे माने या न माने लेकिन समय का जंहा तक ताल्लुक है उसमे आप

सात धंटे की बात को ही लेकर बैठ गये है तथा सख्ंया के आधार पर आप कोई बात नही कर रहे है। जब कोई सदस्य बोल रहा होता है तो उसको बार बार बीच मे इट्रस्प किया जाता है लेनिक आप वह टाईम नही गिनते है आप उस टाईम को देखते ही नही है। आपको कल भी आंधा घंटा समय बढाया था। अगर हो सके तो आप आज भी हाउस का समय बढा दे। आप इस बारे मे .... न अपनाए। आपको यह .... छोडना चाहिए। स्पीकर साहब, हम तो आपकी बात मानकर चलते है। आप भी एक विधायक है इसलिये आप इस बात को भी ध्यान मे रखते हुए सदस्यो को बोलने का समय दे। (विघ्न)

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, मै चौटाला साहब से गुजारि ा करूगा कि वे चेयर पर ऐसप र्ान न करे। यह हाउस की डिगनिटी के खिलाफ है। आपको हर मामले पर चेयर पर ऐसप र्ान नही करना चाहिए। मेरी आपसे गुजारि ा है कि आपको अपनी जिम्मेदारी का अहसास करना चाहिए। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप सब बैठिए। (विघ्न) जसविन्द्र सिंह, आप भी बैठे। मैने पहले ही आप सभी को बता दिया था और आज फिर मै आपको बताना चाहता हू कि आप इस बारे मे पिछले दस साल का रिकार्ड निकालकर देख ले। 1986 से 1996 तक अगर आपकी किसी समय भी गवर्नन एड्रैस पर डिस्क ान के लिए सात घंटे का समय दिया गया हो तो आप हमे बता दे। आप अपने समय को भूल गए लेकिन अब आप दूसरो की ि ाकायत करते है।

इस बारे मे पहले से ही जो समय निर्धारित है उसी के अनुसार आपको बोलने का समय दिया जाएगा और वह समय रहेगा। मैने कल भी आपको इस बारे मे बता दिया था कि इतने समय मे चाहे आप अपने अपने लीडर्ज को बुलवा ले या फिर आप बोल ले। इसलिए अब यह मामला खत्म हो गया है।

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, चौटाला साहब ने जो अडियल रवैया भाब्द का प्रयोग किया है उसको कार्यवाही से निकलवाया जाना चाहिए और इनको यह भाब्द विद ड्रा करना चाहिए। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: आप सभी बैठिए। यह टाईम सामुहिक था।

श्री बसी लाल: अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे एक सबमि ान है। चौटाला साहब जितनी बार भी बोलते है चाहे वह प्वायट आफ आर्डर पर बोले या किसी और मामले पर बोले, ये चेयर के ऊपर कोई न कोई ऐसप र्ान कांस्ट कर जाते है। मै समझता हू कि इनकी यह बात हाउस के हर नियम के हर चीज के खिलाफ है। अब अगर ये दोबारा से ऐसा करगे तो हमको भी कुछ करना पडेगा। (विघ्न) अब हम इसको बदा र्ात नही करगे।

श्री जसवीन्द्र सिंह सन्धु: स्पीकर साहब, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। मुझे आपसे कुछ कहना है।

Mr. Speaker: Jaswinder Singh Ji] either you please sit down properly or I will have to name you. This is no way to act like this.

श्री जसवीन्द्र सिंह सन्धुः स्पीकर साहब, मैने ऐसा क्या किया हैं जो आप मुझे नेम कर कहे (विघ्न)

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, ने जो अडियल रवैया वाला भाब्द कहा है उसको कार्यवाही से निकाल दिया जाए। अब कैप्टन अजय सिह बोलेगे।

कैप्टन अजय सिंह यादवः आप मुझे गवर्नर साहब के अभिभाशण पर बोलने के लिये जो समय दिया है इसके लिए मै आपका धन्यवाद सबसे पहले करता हू। चौधरी बंसी लाल जी ने बिजली के मामले मे 24 घटे बिजली देने का वायदा चुनावो के दौरान किया था। अहीरवाल के इलको मे खासतौर से जो हमारा इलाका है, वहा से इनके सबसे ज्यादा विधायको चुने गये और उनमे से कई आज चौधरी बसी लाल जी की सरकार मे मंत्री भी रहे है। लेकिन आज जो हमारे इलाके की हालात हो गयी है वह बहुत ही दयनीय है। पहले हमारे इलाके मे बिजली की स्लैब प्रणाली थी जो कि पिछले बीस बाईस साल मे चली आ रही थी। वहा के लोगो को उम्मीद थी कि यह सरकार उनको 24 घंटे बिजली देगी लेकिन इस सरकार ने स्लैब प्रणाली भी खत्म कर दी और बिजली के रेट भी बढा दिये। पहले वहां बिजली के रेट 42 रूपये प्रति हार्स पावर थे लेकिन इस सरकार ने उनको बढाकर 45

रूपये प्रति हार्स पावर कर दिया। जबकि स्पीकर साहब, हमार यहा का इलाका एक फसली है। वहा पर पानी 10 फुट से लेकर 500 फुट नीचे तक है और केवल चार महीने ही वहा पर टयूबवैल चलते है और 8 महीने बद रहते है। जहां हमारे एरिये मे एक एकड जमीन की सिचाई के लिए 16 घटे लगते है वहा दूसरी जगहो पर चार घटो मे ही हो जाती है और वे आबियाना भी बीस रूपये के हिसाब से ही देते है लेकिन हमारे यहा 1200–1300 रूपये खर्चा होता है। हमारे इलको के लिए जो स्लैब प्रणाली इस सरकार ने खत्म की है, इनका विरोध मे किसानो ने बहुत बार धरने भी दिये है। पिछले दिनो 30 जनवरी को एक रैली भी हुई और उसमे किसानो ने सरकार को यह चेतवानी दी कि वे 24 तारीख के बाद बिल नही भरेगे।

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय सदस्य को बताना चाहता हू कि यह कादमा कांड भी तभी हुआ था (विघ्न)

श्री अध्यक्षः सांगवान साहब, आप बैठ जाइए। (ाोर एवम विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, हमारे यहा कैनाल का पानी नही है। मुझे मुख्यमंत्री जी से वि ोश रूप से यह बात कहानी है कि इस मुददे का खास ख्याल रखे कि जो स्लैब प्रणाली है इससे हमारे इलको के किसान बहुत चिंतित है किसान

का इससे बहुत पैसा लगता है। दूसरी मुख्य परे ाानी यह है कि जहा एक तरफ पजाबं ने किसानो को बिजली और पानी मुफत दिया है वहा हमारे किसानो को यह दिक्क्ते झेलनी पड रही है। मसानी बैराज के मामले मे मुख्यमंत्री जी ने पहले सै ान मे आ वासन दिया था कि भाटर लगा देगगे। राजस्थान से इतनी मात्रा मे पानी आता है जिससे पिछले दिनो हमारी किसानो की फसले तबाह हो गई। आप देख रहे है कि यह पानी झज्जर तक टक्कर मार जाता है लेकिन आज तक इस बारे मे राजस्थान सरकार की बात नही की गई। राजस्थान सरकार से मुख्यमंत्री जी यदि बात करे तो हमारे हिस्से के पानी की बात कर सकते है। बजाय भाटर लगाने के वहा 6 फुट ऊंची दीवार खंडी कर देते है। छह फुट की जो दीवार खडी की जा रही है। उससे अगर साहिबी नदी का पानी आता है तो उसके साथ सिल्ट आएगी और अगर यह दीवर टूट गई तो कम से कम 50 गांव तबाह हो जाएगे। मुझे तो यह समझ मे नही आ रहा है कि इंजीनियरो ने क्या सोचकर यह छह फुट ऊंची दीवार उठाई है, अगर दिवार टूट गई तो ऐसी तबाही मचेगी कि मै क्या कहू और उस तबाही के लिए यह सरकार जिम्मेदार होगा इसलिए इस मामले मे दोबारा विचार करे और भाटर लगाए। अगर भाटर लगाए जाते तो इतनी भारी मात्रा मे पानी इक्टठा न होता लेकिन राजस्थान सरकार ने अपनी मर्जी से बांध बनाए हुए है और जब हमे पानी की जरूरत होती है तो पानी रोक लेते है और जब जरूरत नही होती है तो पानी छोड देते है। जगदी ा यादव जी इस बारे मे जानते है उनके हल्के के गावो मे

भी इस पानी से तबाही होती है। मेरे हल्के मे एक गांव खलिया वास है उस गांव मे इस पानी से भारी तबाही हुई है। इसके अलावा मुख्यमंत्री जी गंगा के पानी की बात करते है एस0वाई0एल0 का मामल भी हमारे इलाके से जुडा हुआ है। दक्षिणी हरियाणा मे रिवाडी, महेन्द्रगढ हमे ा इस पानी से वचित रहते है यही मायनो मे यह पानी हमारे इलके के लिए है लेकिन क्या हो रहा है कि जो पानी यमुना मे डब्यू0जे0सी0 से आ रहा है वह सिरसा और हिसार मे आ रहा है जो पानी का सही तरीके से बटवारा होना चाहिए था वह नही कर पाता है। (विघ्न)

श्री बसी लालः अध्यक्ष महोदय, पिछले पांच साल ये क्या करते रहे। (विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादवः हम नही कर पाए तो आप कर दीजिए।

श्री बंसी लालः तों ये कहो कि पिछली सरकार नालायक थी। (विघ्न)

कैप्टन अजय सिहं यादवः अध्यक्ष महोदय, भाखडा की कैपेसिटी 4200 क्यूसिक से घटकर 2400 क्यूसिक रह गई है। (घटी) अध्यक्ष महोदय, दूसरा मुख्य मुद्दा प्राइवेटाइजे ान का है जिसके विरोध मे सरकार के एक मंत्री ने इस्तीफा दिया है और सबसे बडी बात यह है कि एक पांवर रैगुलेटिंग अथोरिटी बनाई जा रही है।

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप कक्लूड कीजिए।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, यह बताया जा रहा है कि अगर कोई पांवर टैरिफ लगेगी उसके बारे मे अगर कोई अपील करना चाहते है तो उसे हाई कोर्ट मे जाना पडेगा। सबसे बडी बात तो यह है कि बिजली के प्राईवेटाईजे ान से बिजल महंगी हो जायेगी और पावर टैरिफ बढेगा, इम्पालाईज रिट्रेच होगे यह किसानो के साथ सरासर अन्याय होगा। यह पोलिसी एन्अी फार्मर्ज और एन्अी पीपल्ज है इसके अतिरिक्त रिस्ट्रक्चरिंग और रिफोर्मिग के नाम पर सब स्टे ान बेचे जा रहे है(विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप कंक्लूड करिये।

कैप्टन अजय सिंह यादवः मुझे पूरा तो करने दीजिए। अध्यक्ष महोदय, अगर हम अपनी बात ही पूरी नही कर पायेगे तो यहां पर बैठने का क्या फायदा होगा?

श्री अध्यक्षः आपके आठ मिनट हो चुके है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै सिर्फ तीन मिनट और लूंगा।

श्री अध्यक्षः आप कंक्लूड करना ही नही चाहते है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अगर आप बोलने ही नही देगे तो पूरी बात कैसे का पाऊगा जब यह स्ट्राईक हुई तो भाहरो की कितनी बुरी हालत हो गई थी। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप एक मिनट मे खत्म करिये।

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्ट्राईक की वजह से गारबेज के ढेर सडको पर इक्टठे हो गये और स्ट्राईक पर जो इम्पलाईज रहे उनकी जगह सरकार ने तीन हमार इम्पलाईज और भर्ती कर लिये। सबसे बडी बात यह है कि स्ट्राईक की वजह से लोगो को कितनी कठिनाई हुई । (विघ्न)

श्री अध्यक्षः अब निर्मल सिंह जी आप बोलिये।

वाक आउट

कैप्टन अजय सिंह यादवः ठीक है अध्यक्ष महोदय, अगर आप बोलने नही देते है तो मै इस सदन से वाक आउट करता हू।

(इस समय कैप्टन अजय सिंह यादव सदन से वाक आउट कर गये।)

राज्य के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्षः निर्मल सिंह जी आप बोलिये। (विघ्न)

श्री धीपपाल सिंहः स्पीकर साहब, मेरी आपसे एक प्रार्थना है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः धीरपाल जी बैठिये।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, एक बात कहने दीजिये।

श्री अध्यक्षः ठीक है बोलिये।

श्री धीरपाल सिहः स्पीकर साहब, मेरी आपसे एक हम्बल सबमि ान है कि आप बडे मेहराबान है। आपकी मेहरबानी से ही कल मै और चौटाला साहब अपनी बात को कह पाये। स्पीकर साहब, गवर्नर एड्रैस पर हमारे नये साथियो को भी बोलने का मौका दीजिये। मेरी आपसे विनती है कि इनको भी बोलने का मौका दिया जाये। चाहे दो, तीन यहा ंपांच मिनट का टाईप दीजिये ताकि हर सदस्य अपने हल्के की समस्यओ के बारे मे अपनी बात कर सके। नये साथी चुनकर आये है इनको भी इस हाउस मे बोलने का अधिकार है। हमारी पार्टी के इन साथियो को इनके अधिकार से वचित न रखे। यह मेरी आपसे गुजारि ा है।(विघ्न)

गृह मंत्री (श्री मनीराम गोदारा): मुझे ऐसा लगता है कि ये जवाब को सुनना नही चाहते। इनकी इट ोन से ऐसा लगता है कि यह बात को सुनना नही चाहते। अध्यक्ष महोदय, जब इनके सामने बिजनैस एडवाईजरी ने कमेटी मे फेसला हो गया था और

टाईम के बारे बात हो गई थी और चोटाला साहब और धीरपाल जी ने अपनी बात जो कहानी थी वह कह दी अब हमारे बात कहने की बारी आई है तो ये सुनने को तैयार नही अब टाईम बढाने की बात कर रहे है। (विघ्न)

डा0 वीरेन्द्र पाल अहलावतः मेरा प्वायट आफ आर्डर है, सर।

श्री अध्यक्षः आप बैठिये।

श्री मनीराम गोदाराः आपके सामने टाईम के बारे मे फेसला हुआ था और टाईम बांट दिया था। उसके हिसाब से आप बोल चुके हो अब जो कुछ बाकी बोलना है वह जनरल डिस्क ान मे बजट पर आप बोल लेना उस समय टाईम दे देगे।

श्री अध्यक्षः निर्मल सिंह जी आप बोलिये।

श्री निर्मल सिंह (नग्गल): अध्यक्ष महोदय, मै आपका आभारी हू कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया। (विघ्न) भागी राम जी कृपया बीच मे डिस्ट्रब न करे, कल थोडी देर के लिये मैने धीरपाल जी को कुछ बोल दिया था उसके लिये मैने उनसे माफी भी मांग ली थी, भाायद उन्होने माफ भी कर दिया होगा मै आपको आ वासन देता हू कि आगे से ऐसा नही होगा। धीरपाल जी, जो हमारी बडे भाई है, को मै भावावे ा मे थोडा जोर से बोल गया कि ''बैठ जा।'' इसके लिये मैने इनसे माफी मांग ली और भाायद इन्होने मुझे माफ भी कर दिया होगा। (विघ्न) ऐसा मेरा इनके

कहने का कोई इरादा नही था। दरअसल मै इनसे यह आ ाा नही करता था ये चौधरी साहब की वकालत के लिए खडे हो जाएगे। मुझे तो समझ मे ही नही आया। इसलिये मै यह भूल गया कि ये मेरे से उम्र मे भी बडे है (विघ्न) मै कोई निजी बात नही छोडना चाहता हू। (विघ्न) जिस तन लागे, वे तन जाने, कोई न जाने पीर पराई। चौटाला साहब ने भी गुस्से मे काफी कुछ बोल दिया। कोई बात नही है। वह बात भी हमने छोड दी। कृश्ण लाल ने भी काफी कुछ गलत कह दिया। कोई बात नही। बस मै इतना ही कहना चाहता था। आप सब लोग चौधरी भजन लाल ने खिलाफ वोट मांग कर यहां पर आए हो तथा अगर आपके हल्को के लोगो को यह बात पता चल जाएगी कि आप उनकी वकालत करते है तो उनको बुरा लगेगा। (विघ्न) स्पीकर साहब, दुर्भाग्य से कल मेरा गला साथ छोड गया था। आज मै अपनी बात पूरी करना चाहता हू। पिछले कुछ समय से राज्य मे कुछ ऐसी गलत परम्पराएं पड गई है कि एक दूसरे को रगडा देने की आदत सी बन गई है। हमे अपनी वैचारिक और सियासी लडाई ही लडनी चाहिए और किसी के बीवी बच्चो तक नही पहुचाने चाहिए। उनके बाद जातपात के भेदभाव की बाते भी उभर कर सामने आई है। मै दो तीन बाते आपको बताना चाहता हू। अभी कर्ण सिह दलाल सहाब ने कहा कि एक हल्के मे 70 किलोमीटर एक मे 90 किलोमीटर सडके बनचाई गई होगी। ये बाते स्टेट के लोगो के हित मे नही है। इससे हम बटते है। इसी ढंग से साढे छः हजार सिपाही भर्ती हुए। वे कैसी भर्ती हुए। इस प्रकार के एलीगे ांन भी उन पर

लगे। इनमे सिर्फ 60 आदमी ही गुडगांव जिले के है और इसी तरह से हमारे विधान सभा क्षेत्र के है कि हम पूरे हरियाणा को यूनाईट करे तथा जातपात की बाते न करे। अभी बीरेन्द्र सिंह जी यहा पर बैठे नही है। कही पर बैठे हो तो सुन ले या उनके साथी उनको बता दे। मै एक उदाहरण देना चाहता हू कि चौधरी बीरेन्द्र सिह जी को जब काग्रेस से धक्का दिया गया तो बैकवर्ड क्लास के एक सदस्य डा0 रामप्रका ा उनके साथ चले गये इसपर चौधरी भजन लाल जी ने एक बात नही 4 बार कहा था कि अगर 5 जाट मैम्बर भी चले जाते तो मुझे इतना अफसोस नही होना था जितना इस अकेले का है। बीरेन्द्र सिंह जी अभी हाउस मे बैठे नही है। वे आकर के बताए कि अगर यह बात गलत हो तो। ऐसी ऐसी बाते इस राज्य मे हुई है। इस राज्य का स्वरूप ही बिगाड कर रख दिया है। करीबन बीस सालो के बाद चौधरी बंसी लाल जी के हाथ सत्ता लगी है तथा अभिभाशण मे उनकी 8 महीने की उपलब्धियो का जिकर करने की कोि ा ा की गई है तथा इस सरकार के भावी प्रोगोमो को बताया गया है। चौधरी बसी लाल जी हरियाणा के निर्माता के रूप मे माने जाते है। हम सभी को उस पर भरोसा रखना चाहिए। लेकिन चौधरी बसीलाल जी हरियाणा का विकास जंहा पर छोड कर गए थे वही पर रूका हुआ है। आज हरियाणा प्रदे ा कंगाल और कर्जई बना हुआ है यह बात किसी से छिपी हुई नही है। बिजली के निजिकरण के बारे मे कई माननीय सदस्य बोले। यह बडा अहम मुददा है। आज लोग कहते है कि उन्हे बिजली मिले चाहे कुछ महगी मिले होगी।

पिछली सरकारो ने इस बात की तरफ ध्यान नही दिया कि किसानो को पूरी मात्रा मे बिजली मिले इसका मुख्य कारण क्र प ान रहा है जो बिल्कुल एक नासूर बन गई और लोगो मे कैंसर की तरह फैल गई इसलिए इस सरकार मै चौधरी साहब का ध्यान इस बात की तरफ दिलाना चाहूगा कि एस0वाई0एल0 कैनाल को बनाने का का प्रायर्टी पर ले। दादूपुर नलवी नहरी को बनाने के लिए 1986 मे जब चौधरी बंसी लाल जी मुख्यमंत्री थे तब इन्होने ही पैसा दिया था। उस वक्त उस नहर को बनाने की कौस्ट लगभग 45 करोड रूपय आनी थी और उसके लिए जमीन भी एक्वायर कर ली गई थी लेकिन उसके बाद उसका 45 करोड रूपए आनी थी और उसके लिए जमीन भी एक्वायर कर ली गई थी लेकिन उसके बाद उसका काम खटाई मे डाल दिया गया। मै चौधरी बंसी लाल जी से अनुरोध करूंगा कि आप कही से उस नहर को बनाने के लिए फण्डज निकाल कर दे और उसको प्रायर्टी वेस पर बनाएं। न ााबंदी के बारे मे चौधरी साहब का ख्याल है कि यह समाज के लिए एक अच्छी चीज हैं। भाराब जरूर बंद होनी चाहिए। इसको गरीब आदमी और मजदूर पीते थे और अपने परिवार का ना ा करते थे। गुण्डागर्दी भी बढी हुई थी लेकिन भाराब बंद होने के बाद उन सभी बातो पर काबू है। इनही यह सोच सही है। इन्होने भाराब बंद करके कोई गलती नही की है। इन्होने अपने आपको दिक्कत मे डाल कर स्टेट के लोगो का भला किया है। भाराब के कारण औरते पीडत थी, बच्चे पीडित थे। अपोजि ान के लोग कहते है कि माफिया खडा हो गया। यह बात चौटाला साहब ने भी

कही थी और काग्रेस पार्टी के सदस्यो ने भी कही थी। यदि आप चाहते है कि भाराब बंद हो तो आप हमे सहयोग दे अगर आप कहते है कि भाराब को बंद करने की सरकार की पालिसी गलत है इसको खोले। (ाोर)

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, जिस समय हम बोले उस समय माननीय सदस्य श्री निर्मल सिह जी सदन मे नही थे। इनको परे ाान करने के लिए मै कोई बात नही कहूगा। इनकी जानकारी के लिए मै इनको बताना चाहूगा और यह बात रिकार्ड मे भी है कि हमारी पार्टी ने जब भाराब बंदी का प्रस्ताव आया तो उस समय पूर्ण रूप से सहयोग दिया था। हमारी पार्टी इस बात की आज भी पक्षधर है कि ईमानदारी से भाराब बंदी हो।

श्री निर्मल सिंहः यह बात आप ईमानदारी से नही कर रहे है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, अभी श्री धर्मपाल जी ने भाराबबंदी के बारे मे कहा कि उनकी पार्टी भाराबंदी के लिए पूरा सहयोग देने के लिए तैयार है। आपको याद होगा जब अपोजी ान के माननीय सदस्य बोल रहे थे तो यह कह रहे थे कि इस सरकार के मंत्री भाराब बिकवाते है, इस सरकार के विधायक भाराब बिकवाते है, ओफिसर भाराब बिकावाते है। इन्होने उस समय यह गलत बात कही। किसी भी विपक्ष के विधायको ने तमाक हरियाणा मे फला जगह भाराब बिकती है और कौन बिकवाता है।

अगर ये इस तरह की कोई ि ाकायत करते तो हम वहा पर पुलिस के अधिकारी भेजते लेकिन आज ये कहते है कि ये भाराबबंदी के लिए सरकार का सहयोग देगे। इन्होने आज तक किसी भी कर्मचारी को और किसी भी अधिकारी को इस बारे मे ि ाकायत दर्ज नही कराई कि फंला जगह भाराब बिक रही है और कौन आदमी बिकावा रहा है।

श्री बसी लालः पिछली बार सदन मे चौटाला साहब ने कहा था कि हम भाराब पकडावएगे, पुलिस दो। मैने उसी समय 2–3 दिन बाद एक सर्कुलर भेजा था कि भाराब पकडवाने के लिए यदि कोई पुलिस को सहयोग मांगता है तो उसके साथ पुलिस चली जाएगी। ये बता दे कि क्या कभी इन्होने पुलिस की मदद मांगी। (विघ्न)

श्री निर्मल सिंहः यदि किसी ने एक आध आदमी पकडवा दिया हो या कोई चालान करवा दिया हो तो उस पर यह मोहर नही लग जाती है कि उसने बहुत बडा काम करा दिया। मेरा इस बारे मे कहना यह है कि इस नीति बारे सभी को ईमानदारी से सरकार को सहयोग देना चाहिए और अपनी आत्मा से सहयोग देना चाहिए। यदि ये सभी आत्मा से और ईमानदारी से सहयोग दे तो 100 प्रति ात यह भाराब बंदी हो सकती है। हमारे यहा पर इतने कानून बने हुए है लेकिन अफीम फिर भी चल रही है। कानूनो के बावजूद भी ऐसे कई काम होते रहे है। भाराब बंदी 80 प्रति ात होना कोई मामूली बात नही है। अगर आप 80 प्रति ात

नही मानते तो 70,60 या 50 मानते हो। (विघ्न) 20 प्रति ात कहते हुए आपको नही आती।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै आपसे जानना चाहता हू कि क्या भार्म लफ्ज पार्लियामेंटरी है य अन पार्लियामेंटरी ।

श्री अध्यक्षः इस भाब्द को एक ापंज कर दिया जाये। (विघ्न) मेरी सभी सदस्यो से फिर प्रार्थना है कि आप बीच मे टोका टोकी न करे।

श्री निर्मल सिंहः मेरा इनसे यह कहना है कि इनको सरकार के हर अच्छे काम मे चाहे वह भाराब बंदी का मामला हो या दूसरे अच्छे काम हो, सहयोग देना चाहिए। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः भागी राम जी, आप बैठे न बोला करे। आप बहुत अधिका इन्ट्रप्ट करते है। यदि आप ऐसे ही बोलते रहे तो फिर मुझे आपको नेम करना पडेगा। मै आपको चेतवानी देता हू कि आप बीच मै बैठे कमैन्टरी न किया करे।

श्री निर्मल सिंहः मेरा कहना यह है कि विपक्ष को सरकार के अच्दे काम मे सहयोग देना चाहिए। बुरे कामो मे ये सहयोग न दे। अभी इस सरकार को बने हुए 8 महीने हुए है। कभी भजन लाल जी की तरफ से और कभी चौटाला की तरफ से यह बात आती है कि हम सरकार को तोड देगे। इनको ऐसी बात नही करनी चाहिए। लोगो ने जो वि वास इस सरकार के प्रति

व्यक्त किया है उसके आगे सिर झुकाना चाहिए और डेमोक्रेसी के तहत इनको अगले चुनावो तक सिर झुका कर इन्तजार करनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, अगर ये लोगो के सच्चे हितैशी है तो सरकार को हम मामले मे सहयोग देना चाहिए। लोाग इस बात का फेसला फिर करेगे कि क्या ठीक था और क्या गलत था? चौधरी बंसी लाल जी के प्रोग्राम्ज क्या है, जनता उन्हे अच्छी प्रकार से समझती है क्योकि वे आजमाए हुए नेता है। उनके नाम पर हरियाणा के विकास का इतिहास लिखा हुआ है, उन्हे हरियाणा का निर्माता कहा जाता है। उनकी सरकार आज जो सुधारवादी कदम उठा रही है उन पर आज सब की निगाहे लगी हुई है। जनता को आज याद है कि जब यह सरकार सत्ता मे आई तो उनको कितनी खराब व्यवस्था विरासत मे मिली है। क्रप ान, जाति पाति का भेदभाव और चारो और भाई भतीजावाद का बोलबाला था। उस वक्त क्या क्या हुआ था यदि उस स्थिति को खत्म करना है सबको अपनी सोच सांझी करनी पडेगी और चौधरी बसी लाल को सभी को अपना सहयोग देना पडेगा। अध्यक्ष महोदय, मै एक दो बाते आपके माध्यम से मुख्यमंत्री महोदय से कहना चाहूगा । मेरे साथी विधायक श्री अनिल विज जी ने अम्बाला कैट के लिए कैनाल बेसड स्कीम बनाने की बात कही है। इस स्कीम पर 10 वर्श मे पैसा खर्च होना है। और इसके लिए चौधरी सहब ने 50 करोड रूपया मन्जूर किया है। यह स्कीम जब मै पब्लिक हैल्थ मिनिस्टर था तब मैने मन्जूर की थी जो कि कैनाल बेस्ड वाटर स्कीम है। अम्बाला के आस पास जो टयूबलैल्ज अब लग रहे है वह अब करीब देा हजार

फुट की गहराई पर लगने लगे है और आने वाले 10 सालो मे यहा के लोगो एक एक बुन्द पानी को तरस जाएगे क्योकि यहा पर कोई भी कैनाल बेसड स्कीम अभी तक नही बनी है और न ही यहां से कोई नहर अथवा नही ही है जिससे कि पानी मिल सके। जो नदिंया इस एरिया मे पडती है। वे बरसाती है। पहाड की तहहटी मे जब बरसात होती है तो इस ऐरिया मे पानी तेजी से पहाड से आता है जो कि हमारी फसलो को बहा ले जाता है और इस हल्के की सडको और दूसरी चीजो को भी नुकसान होता है। पानी बह कर नुकसान करता हुआ चला जाता है जिसकी वजह से वाटर लैबल नीचे जा रहा है। क्योकि पानी कही पर रूकता नही है। इसलिए अब इन नदियों पर छोटे छोटे बांध बना कर पानी को रोका गया जाए ताकी वाटर लैवल इस एरिया का ऊंचा आ सके। मैने इस बारे मे चौधरी साहब से बात की है और मे उनका भाुक्रिया अदा करना चाहूगा कि उन्होने इस पर जल्दी ध्यान दे कर कार्य करवाने का आ वासन दिया है और उम्मीद है कि बरसात के आने वाले सीजन से पहले ही उन पर काम भाुरू हो जाएगा। अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के मे रोडज की हालत काफी खस्ता है। मेरा हल्का बहुत ही वास्ट ऐरिया है इसमे चार मार्कीट कमेटियां है पिलखनी से दानीपूर 77 किलोमीटर पडता है और करीब 450 किलोमीटर रोडज मेरे हल्के मे लगती है। इन रोडज की रिपेयर की जरूरत है और साथ ही नई सडके भी बनाई जानी है जिनके लिए मार्कीट कमेटीज पैसा दिया जा सकता है क्योकि रोडज मार्कीट कमेटीज के एरियाज की है और कामो के लिए भी मेरे

इलाके मे अधिक पैसे की जरूरत है। अध्यक्ष महोदय, इन्ही भाब्दो के साथ मै चौधरी बसी लाल की प्रगति ील नीतियो का स्वागत करता हू तथा गवर्नर महोदय ने जो अभिभाशण देने की कृपा की है उसका मै समर्थन करता हू। चौधरी बसी लाल जी के नेतृत्व मे पूर्ण आस्था व्यक्त करता हू। अध्यक्ष महोदय, मुझे बोलने के लिए समय देने के लिए मै आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्ीान ग्रहण करता हू।

श्री सतनारायण लाठर (ज ुलाना): स्पीकर साहब, धन्यवाद। 5 तारीख को माननीय राज्यपाल महोदय ने हमारे राज्य सरकार का जो प्रस्ताव पढा है मै उसका समर्थन करता हू। चौधरी बसी लाल की सरकार आने के बाद कानून व्यवस्था की स्थिति मे काफी सुधार आया है। अध्यक्ष महोदय, हमारे कुछ साथियो ने इस एड्रैस पर बोलते कहा कि कानून और व्यवस्था मे कोई सुधार नही आया है। यह बिल्कुल गलत है। क्योकि पिछली सरकारो के वक्त मे हर रोज ऐसी घटनाए घटती रहती थी जिनसे जनता तंग हो चुकी थी। क्र् ान का बोलबाला था और आये दिन हत्याए होती थी लेकिन चौधरी बसी लाल जी को सरकार आने के बाद इन घटनाओ मे कमी हुई है और कानून व्यवस्था मे काफी सुधार हुआ है। ये भाई कहते है कि भाराब बन्दी नही हुई लेकिन भाराब बन्दी लागू होने से जो आये दिन तरह तरह के अपराध होते थे उनमे काफी हद तक कमी हुई है । कुछ भाईयो ने यहा पर सदन मे बोलते हुए कहा कि भाराब बन्दी विफल हो गई है जो आज कहते

है कि फला फला आदमी भाराब का धन्धा करता है। अध्यक्ष महोदय, इस भाराब बन्दी के कारण वही लोग व्याकूल है जो कि भाराब के धन्धे मे लगे हुए है। पहले ही ये यह मिसाल म ाहूर रही है कि चौधरी बसी लाल भाराब बनाते है और चौधरी ओम प्रका ा चौटाला और उसका समधी भाराब बेंचते हैै। आज ये कहते है फला धन्धा कर रहा है जब कि भाराब बन्दी से उन्ही लौगो को तकलीफ हो रही है जिनका रोजगार बन्द हो गया। भाराब बनाने और बेचने वाले ठेकदार भाराब बन्दी के कारण तिलमिला रहे है क्योकि उनका धन्धा बन्द हो गया है। भाराब बन्दी का कार्य करके हमारी सरकार ने एक बहुत बडा कदम उठाया है इसके परिणाम भी जल्दी ही सामने आने वाले है। रबी की फसल तैयार होने वाली है जब वह फसल बेच कर घर आएगा लेकिन भाराब पी कर नही आएगा।

(इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए)

उपाध्यक्ष महोदय, जिन्होने भाराब की लत छोड दी है आज वह आदमी अपनी फसल बेच कर भााम को घर मे आता है और अपने घर मे फला लाता है, सब्जियो लाता है। उस घर की औरते इस सरकार को, चौधरी बसी लाल जी को आ ार्वाद देती है कि तुम युग युग जिओ तुमने हमारा घर बर्बाद होने से बचा लिया। भाराब छोडने के फायदे तो आने वाले सालो मे सामने आएगे। आज जो बच्चा छोटा है और जब वह 35 साल का हो जाएगा तथा अपने दादा से पूछेगा कि दादा हमारी जमीन तो

इतनी ज्यादा है और दूसरे दादा की जमीन नही है। ऐसा क्यो है। तो दादा कहेगा कि बेटा उसने भाराब मे डूबो दी है ऐसा न हो, इसलिए इस सरकार ने हरियाणा मे भाराब बंद की है और इस सरकार ने छ सौ करोड का घाटा सहन किया है।

उपाध्यक्ष महोदय, जब से चौधरी बसी लाल जी की सरकार आई है कही पर जात पात का नही है। चौटाला साहब और भजन लाल जी की सरकार के वक्त इन्होने जातपात के हिसाब से लोगो के साथ्र दुरव्यवहार किया जाता था। चौधरी भजन लाल के वक्त जाटो के साथ दुरव्यवहार किया जाता था। आज इस सरकार ने सब मे भाई चारा कायम किया है। उपाध्यक्ष महोदय, आज बिजली की बात आई है। 19 नवम्बर 1970 को बंसी लाल की सरकार ने हरियाणा प्रदे ा मे गांव गांव मे बिजली, सडके, पीने का पानी और रोडवेज की बसे चलाई थी। 1975 मे जाने के बाद बंसी लाल जी ने 1996 मे आये है और तब से लेकर आज तक बिजली की खपत बढी है बिजली का उत्पादन नही बढाया गया है। उपाध्यक्ष महोदय, मै आपका इस और ध्यान दिलाना चाहूगा कि पिछली सरकार की नैगलीजैस की वजह से हुआ है। हम आज इस बारे मे सुधार करने जा रहे है। इसमे सुधार करने के लिए निजीकरण करना जरूरी है और इस बारे मे मेरे भाई बार बार मामला उठा रहे है। ये बेबुनियादी बाते यहा पर उठा रहे है। राज्य पाल महादेय के अभिभाशण मे यह बहुत ही

सराहनीय है और हमारी सरकार तरक्की पर तरक्की करेगी। इसके लिए मै राज्यपाल महोदय को धन्यवाद करता हू।

श्री सतपाल सांगवान (दादरी): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर बोलने का समय दिया इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हू। उपाध्यक्ष महोदय, इस पर बोलते हुए अपोजि ान के नेता ने सबसे पहले ला एंड आर्डर की बात करी कि ला एंड आर्डर की सिचुए ान बहुत खराब है और उन्होने पहला एग्जाम्पल देते हुए मेरी कांस्टीचुएसी का नाम लिया कि वहा पर ि ाव चरण मितल का अपरहरण हो गया। यह ये जानते है कि जिस लडके ने अपहरण किया वह किस पार्टी का था, वह लडका कौन था, यह अपहरण क्यो हुआ और किस बात के लिए हुआ। अगर ये नही जानते तो ये वहा पर जाकर पता कर ले कि वहा कौन था। (विघ्न)

डा0 बीरेन्द्र पाल अहलावत: उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायअ आफ आर्डर है। सर, मै प्वायट आफ आर्डर पर तो बोल ही सकता हू। क्या हमारा कोई अधिकार बोलने का है या नही।

श्री सतपाल सागंवान: जब चौटाला साहब ने ही आपको बोलने का अधिकारी नही दिया है तो फिर अब आप क्या बोलोगे। (विघ्न)

श्री औमप्रका ा चौटाला: उपाध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे एक सबमि ान है कि कोई भी सदस्य सदन मे प्वायंट आफ आर्डर

पर खडा हो सकता है पहले आप उसकी बात को सुने और अगर उसकी बात ठीक नही है तो आप उसको न माने लेकिन आप सुने बगैर उसको बोलने से न रोके। यह तो हर एम0एल0ए0 का अधिकार है। अगर कोई बात ठीक नही कही जाती है तभी तो किसी को आपति होगी और उसी आपति पर वह प्वायट आफ आर्डर पर अपनी बात कह सकता है। आप उसकी बात पहले सनें और अगर अगर उसकी ठीक नही है तो आप उसको रिजैक्ट कर सकते है।

श्री सतपाल सांगवानः सर, चौटाला साहब ने जो अपने भाशण मे उस काड के बारे मे कहा तो मै इनको बताना चाहता हू कि...

श्री उपाध्यक्षः सागंवान साहब, आप सभी बैठे और डा0 साहब को प्वायंट आफ आर्डर पर अपनी बात कहने दे।

डा0 बीरेन्द्र पाल अहलावतः उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे प्वायट आफ आर्डर पर बोलने के लिये समान दिया इसके लिए आपका धन्यवाद। सर, कल जब हमारे विपक्ष के नेता बोल रहे थे तो उनको कम से कम पचास बार प्वायट आफ आर्डर पर इट्रप्ट किया गया। मै यह कहना चाहता हू कि अभी सांगवान साहब जैसा कर रहे थे कि अपहरण किसने किया और वह कौन लोग थे। हम नही जानते कि वे कौन लोग थे लेकिन वे हमारे घर के लोग थें तो आप उनको पकडवाओ और पकडवाते क्यो नही।

असल मुददा तो यह है कि सरकार उनको पकडने मे नाकाम रही है और इनकी सराकर के टाईम मे ही यह अपहरण होते रहे है अगर इसमे हम भाामिल है तो आप हमे भी पकडो।

श्री सतपाल सागंवानः उपाध्यक्ष महोदय, मेरे साथी ने बहुत बढिया कहा है। मै इनको बताना चाहता हू कि इस कांड मे पांच लडके थे जिनमे से एक इनकी अपनी कांस्टीच्यूएंसी का था। इसके अलावा जोगिन्द्र सिंह, चांद सिंह, जो कि चरखी का था, भी इसमे भाामिल थे। ि ावचरण मित्तल अपनी गाडी मे बैठकर रोहतक जा रहे थे लेकिन यह पांचो लडके बौद के पास उनकी गाडी के पास आए और उनमे एक लडका उनकी गाडी मे बैठ गया और उनको राजस्थान ले गया। मै चौटाला साहब को बता देना चाहता हू कि बाई दि वे मेरे कट्रैक्टर भी रहे है। ये कहते है कि उसका अपहरण किया लेकिन मै वहा की पुलिस और सरकार को बधाई देना चाहता हू कि उन्होने ि ावचरण मित्तल को कही पर आच भी नही आने दी और आज वे पांचो पकडे जेल के अदंर हू कि उनकी जमानत भी नही हुई है। लेकिन क्या कह सकता हू। विघ्न अपनी स्पीच मे चौटाल साहब ने यह भी कहा कि सांगवान हमारे को डराता है। चौटाला साहब अगर यह बात कहे तो अच्छी नही लगती क्योकि यह तो ये कहते थे कि जब तक चौटाला के नाम से डेढ लाख लोगो की धडकन न रूक जाए तो फिर बात ही क्या है। सांगवान जैसा गरीब किसान का बेटा आपको कैसे डरा सकता है। आपके नाम से तो बच्चे डरते थे और मातांए अपने

बच्चो को सुलाती हुई कहा करती थी कि सो जा चौटाला आ गया है और ये मुझे कहते है कि मै इनको डरता हू मुझमे इनको डराना की हिम्मत नही है। (विघ्न) इसके अलावा जंहा तक ला एंड आर्डर की बात है। इन्होने एक कांड के बारे मे और कहा। मै इनको बताना चाहूगा कि वे लोग भी अंदर है पर इस बारे मे मै अकेला इस हाऊस मे नही बता सकता लेकिन चौटाला साहब मुझे इस बारे मे पता है और पता तो आपको भी होगा पर आपने तो यह कहना बहुत जरूरी था।(विघ्न) जंहा तक लां एण्ड आर्डर का सवाल है हरियाणा मे आज से पहले कभी इतनी बढिया लां एण्ड आर्डर नही रहा। इसके अलावा ये कहते है कि भाराब बेचते है कहां भाराब बिक रही है आप मुझे बताए मै आपको अपने हल्के मे इन्वाइट करता हू कौन आदमी वहा भाराब बेचते है मुझे दिखाए। अगर मेरे आदमी वहां भाराब बेचते पाये गये तो मै आपको मुह दिखाना छोड दूगा। (ाोर एवम व्यावधान)

जहां तक ला एण्ड आर्डर का सवाल है तो छोटी मोटी घटनाए तो हम दफा होती रहती है पर अब जमाना नही कि एक साथ दस आदमियो की गोली से मार दिया। पहले कितने ऐक्सीडैट होते थे वह अब नही हो रहे है बम के बारे मे तो मुझे पता नही कि कौन रखता है कौन ऐसा काम करता है लेकिन मुझे लगता है कि बम रखने की भी कोई चाल है ताकि चौधरी बंसी लाल जी ठीक ढग से काम न कर सके। भाुगर मिल के अंदर जब किसानो के गन्ने की पिराई होती है तब श्रीमान चौटाला जी उनसे

यह कहते है कि तुम हडताल करो, ये किसानो के मसीहा है। मै अपनी कास्टीच्यूएंसी की बात करू तो मेरे यहां के किसनो ने आज तक पानी नही देखा था और पीने का पानी तो दुर्लभ था हमारे यहा की औरतो मे इतनी हिम्मत थी कि सिर पर घडा भर लाती थी लेनिक आज टेल पर पानी पहुच हुआ है यह मै दावे से कह सकता हू।(विघ्न) चौटाला साहब, ने ला एण्ड आफ आर्डर के बारे मे जो दूसरा प्वायट उठाया था उसके बारे मै इनको बता दूंगा। अब मै निजीकरण के बारे मे बात करूगा। निजीकरण के बारे मे बडी बडी बाते हो रही है आज हमारे बिजली बोर्ड की क्या हालत है। बिजली का भटठा बैठाकर हरियाणा की जनता के साथ खिलावाड करके चले गये और अब निजीकरण के खिलाफ बोलते है। हां चौधरी बसी लाल ने यह कहा था कि 24 घंटे बिजली दूंगा पर कहा से देते। बिजली की इतनी ज्यादा खपत बढ गई लेकिन क्या किसी सरकार ने पांवर प्लांट लगाने की बात सोची।

12.00 बजे।

बिजली बोर्ड 3000 करोड रूपये के घाटे मे चल रहा है। आज हरियाणा कि यह हालत हो गई है कि कोई हरियाणा को कर्ज देने के लिए तैयार नही है। इनको निजीकरण का मतलब तो पता नही है आज निजीकरण के लिए हमे वर्ल्ड बैक से पांच हजार करोड रूपये मिलेगे। उस पैसे से हम थर्मल प्लांट लगायेगे (विघ्न) इनके पास एक पैसा तो था नही कर्ज देने को कोई तैयार नही था (विघ्न) सतपाल सांगवान आज इन हाउस मे चैलेज करता है

कि आज तक किसी की एक चवन्नी भी ली हो तो। यह तो आपका ही काम है मेरा नही है। (विघ्न) सुखराम मेरा क्या लगता है। मनीराम तु भी अपने मन की काढ ले। इन बातो से मै घबराने वाला नही हू। उपाध्यक्ष महोदय, थर्मल प्लांट लगायेगे तो उससे बिजली पैदा होगी। निजीकरणा से 1200 मैगावाट की प्रौडैक ान हम करेगे। ट्रासंमि ान लाईन अपनी लायेगे। इनको प्रौड्रैक ान के बारे मे पता नही है। पानीपत मे छठी यूनिट को चालू करेगे जो कि 40 मैगावाट की है 20 मैगावाट के 43 छोटे छोटे पावर प्लांट हम लगा रहे है। यमुनानगर पावर प्लांट को लगा रहे है। फरीदाबाद थर्मल पावर प्लांट लगायेगे। ये तो सोच रहे है कि कि कही चौधरी बंसी लाल जी किसानो को 24 घण्टे लाईट न दे दे। ट्रासमि ान लाईन तो हमारे पास है नही और डिस्ट्रिब्यू ान को लेने की बात करते है। हमारे लीडर आफ दी हाउस ने कह दिया है कि हम किसानो की चवन्नी भर भी बिजली के रेट नही बढायेगे निजीकरण से न ही किसी कर्मचारी की छअंनी करेगे इसलिए मै अपने दिल से इस बिजली के निजीकरण को स्पार्ट करता हू। दूसरी बात किसानो को पीने के लिए पानी और सिंचाई के पारनी देने की बात है। क्यो कि अब गर्मियो का सीजन आ रहा है। बहन करतार देवी ने तो हमारे इलाके को पानी जाने ही नही दिया और हमारी टेल तक पानी पहुचा ही नही। (विघ्न) बहन जी मुझे उस एक्सियन का भी नाम पता है जिसको आदे ा दिये गये थे कि पानी आगे नही दिया जाये। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्षः सांगवान जी एक मिनट आप बैठिये और करतार देवी जी आप बोलिए।

श्रीमती करतार देवीः उपाध्यक्ष महोदय, दादरी, कलानौर और काहनौर की जो नहर की डिस्ट्रिब्यूट्री है वे इकटठी है इसलिए दादरी अकेले के लिए पानी कैसे रोक सकते है।

श्री उपाध्यक्षः सागंवान जी बोलिए।

श्री सतपाल सांगवानः उपाध्यक्ष महोदय, गवर्नर एड्रैस का मै स्पार्ट करता हू। जो हमारी सरकार की नीति है मै तो कहता हू कि यह सरकार सदा फले फूले तथा इस सरकार को इतना समय मिले कि और अच्छे काम कर सके। (विघ्न) कप्तान साहब मै एस0एल0ए0 बन गया ये थोडा है। अगर मुझे मंत्री बनना होता तो मुझे आपकी सिफारि ा की जरूरत नही थी। इसलिए चौटाला साहब हमे दो साल तो काम करने दो। ये कभी कोई रि तेदार भेजते तो कभी किसी और को। मै पूछना चाहता हू कि चौटाला साहब क्यो दुखी हो रहे है? हम भी तो आपके आदमी है। लेकिन 5 साल तक तो हम हिलेगे नही। बिल्कुल चटटान की तरह रहेगे। भाायद भजन लाल जी झारखंड कांड को भूल गये, जिसमे 3 करोड रू0 देगे, टिकट भी देगे इत्यादी। पता नही ये क्या क्या देगे। अपने आप तो सब कुछ छोडे हुए है। इन आदमियो को अभी तक ि ाक्षा नही लगी। (विघ्न) मै बता दूगा। मेरा एम0एल0ए0 है। (विघ्न) स्पीकर साहब, सरकार की नीतियो से कैप्टन साहब को

मु कल हो रही है। इन्होने खुद मुझे से कहा था कि मुझे आठ आने मे खरीद लो तो हमने कहा कि तेरा स्क्रू ही ठीक नही है, तुझे पार्टी मे मिलाकर क्या करेगे। (हंसी) ऐसे ऐसे तो आदमी है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। माननीय सदस्य चौधरी भजन लाल जी के बारे जो कि यहां पर बैठे नही है, जो गलत बाते कर रहे है, वे अच्छी नही है।(ाोर)

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, मैने बिल्कुल झूठ नही कहा है। मैने चौटाला साहब के लिए यह कहा है। ये तो नाराज नही हुए क्योकि इसमे नाराज होने की जररूत ही नही है। स्पीकर साहब, लोगो की नींद हराम कर दी गई है। अब इनको तकलीफ हो रही है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः इनको 30 लाख रू0 चाहिए, इसलिए यह ऐसा कर रहे है।

श्री सतपाला सांगवानः स्पीकर साहब, चारो तरफ से विकास हो रहा है और इनको तकलीफ हो रही है। (ाोर)

श्री धीरपाल सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, आन ए प्वायट आफ आर्डर । मै आपको बधाई देना चाहता हू कि सम्मानित सदस्य श्री सांगवान साहब ने अपने भाशण मे आपको बार बार स्पीकर कर कर संबोधिकत किया है। इसलिए उपाध्यक्ष महोदय, आपकी तो प्रोमोसन हुई है। इसके लिए मै आनी पार्टी की तरफ

से आपका स्वागत करता हू और माननीय सदस्य का आभार व्यक्त करता हू।

श्री सतपाल सांगवानः वे जब स्पीकर महोदय, की कुर्सी पर बैठे है तो एक्टिंग स्पीकर होते है। Deputy Speaker can act as Speaker.

श्री खु र्शिद अहमद (नूह): मै भी मानता हू कि रूलिंग तो दोनो तरफ से चलती है। उपाध्यक्ष महोदय आज राज्यपाल अभिभाशण पर चर्चा हो रही है इस चर्चा मे सांगवान साहब ने थोडी सी गर्मी दिला दी है। मै ंचंद बातो की और इस सदन का ध्यान दिलाऊगा। आपके जरिए मेरे कैबिनेट के साथियो ने जो अपनी कारगुजारी हमारे सामने पे ा की है और सरकार ने स्टेट को जो मैसेज दिया है उसके बारे मे एक ही बात कही जा सकती है कि इस प्रकार के वायदे तो चुनावो से पहले भी किए जाते है। जिस भी स्कीम को हम गहराई से देखते है तो वह कंपलीट नही है तथा किसी भी मामले को जब हम देखते है तो वह कंकल्यूड नही होता है। इसमे मुह तो भरा हुआ है इसके अलावा कुछ भी नही है। लेकिन कोई कंक्रीट निश्कर्श नही हो पाया है। मै कोि ा ा कर रहा हू कि इसमे कुछ ठोस दिखाई दे सके लेकिन जिधर भी नजर डालता हू वह अधूरी की है। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए।) कैसे होगा कब होगा क्या इम्पलीमैटे ान होगा उसका कोई जिकर इस अभिभाशण मे नही है। ला एंड आर्डर के बारे मे इधर के माननीय सदस्यो ने भी कहा और उधर के

माननीय सदस्यो ने भी कहा और हमारे लीडर आफ दी अपोजि ान ने वाक्यात का हवाला दे कर ला एंड आर्डर के बारे मे कहा। दोनो तरफ से तूं तूं मै मै काफी चली। मै उसमे नही जाना चाहता मै एक ही बात कहूंगा कि आज ला एंड आर्डर के बारे मे इतनी मिसाल देने के बाद भी हमारे उधर के साथियो ने वह कंकल्यूड कर दिया कि हरियाणा प्रदे ा मे ला एंड आर्डर की स्थिति सैटिस्फैक्टरी है। आपकी सैंस आफ सैटिस्फैक्टरी मे और स्टेट के आम आदमी की सैटिसफैक ान मे काफी अन्तर है। किसी भी स्टेट का ला एंड आर्डर का अपना पैमाना होता है कि आम आदमी को क्या इन्साफ मिलेगा क्या आम आदमी की बात सुनी जा सकती है। क्या आम आदमी को इस बात का यकीन है कि वह किसी दफतर से जाएगा तो उसका काम हो जाएगा और वह काम बगैर रि वत के हो जाएगा? रि वत बहुत ज्यादा फैल गई है यह केवल हरियाणा प्रदे ा मे ही नही है बल्कि पूरे हिन्दुस्तान के समाज के सामने रि वत के बडे बडे केस निकल कर आ रहे है। लेकिन इस गवर्नर साहब के अभिभाशण की 24 पेज की किताब मे भ्रश्टाचार को खत्म करने के बारे मे एक भी लफज नही है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, आदरीणय चौधरी खु ार्शीद अहमद जी बहुत पुरानी पार्लियामैटेरियन है और वे इस सदन के कई बार सदस्य रहे है। इन्होने यह कहा है कि राज्यपाल महोदय के अभिभाशण मे भ्रश्टाचार को खत्म करने के बारे मे कोई जिकर

नही किया गया है। मै आपके माध्यम से इनको बताना चाहता हू कि हरियाणा के इतिहास मे पहली दफा भ्रश्टाचार को खत्म करने की पहल हमारी सरकार ने की है। हमारी सरकार हरियाणा से भ्रश्टाचार को खत्म करने के लिए पिछले सै ान मे लोकपाल बिल से कर आई थी और वह बिल सदन के पटल पर रखा गया था। आप यह न कहे कि भ्रश्टाचार को रोकने का कोई जिकर नही है।

श्री खु र्शिद अहमदः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने लोकपाल बिल का जिकर किया। वह पिछले सै ान मे आया था और वह बिल सिलैक्ट कमेटी के हवाले कर दिया गया था क्योकि वह बहुत लचीला और कमजोर बिल था। उसमे कही कुछ बनता नही था। सिलैक्ट कमेटी ने उसको स्टडी करके थोडा वजनी बनाया है। हमारी सिलैक्ट कमेटी की मीटिग्ंज ने जो जो बाते हुई वे यहां पर डिस्कस करना ठीक नही है। मै कहना चाहूगा कि इस सरकार ने भ्रश्टाचार को खत्म करने के लिए कुछ प्रयास किए है उनका मै वैलकम करता हू। आप लोकपाल बिल पास होने के बाद जिन आदमियो पर भ्रश्टाचार का अकु ा लगाना चाहते हो लग जाएगा। क्या हम सभी मैम्बर साहेबान अपने अपने कालेजे पर हाथ रख कर यह कह सकते है कि हरियाणा प्रदे ा मे भ्रश्टाचार खत्म हो गया है तो मै उस मैम्बर का डायरैक्ट वैलकम करूंगा। मै सरकार से नही बल्कि सभी माननीय सदस्यो से यह सवाल करता हू कि क्या इस वक्त हरियाणा प्रदे ा मे कोई भ्रश्टाचार नही है। मै इस बात को चैलेज करता हू कि भ्रश्टाचार को रोकने के लिए

केवल हरियाणा प्रदे ा के लिए प्रयास करने की जरूरत नही है बल्कि पूरे हिन्दुस्तान मे जरूरत है। मै यह कहना चाहूगा कि भ्रश्टाचार पूरे हिन्दुस्तान मे खत्म होना चाहिए। हमारे जितने भी अदायते है छोटे छोटे अदायरे से ले कर ऊपर तक भ्रश्टाचार खत्म होना चाहिए। चौधरी बंसी लाल जी जब चुनाव जीत कर आये थे तो यह कह कर आये थे कि मै भ्रश्टाचार खत्म करूंगा। लोगो का यह मानना है और चौधरी बंसी लाल जी की यह रैपुटे ान रही है कि ये जो बात कहते है उसको पूरा करते है इसलिए भाायद भ्रश्टाचार खत्म हो जाएगा। इस बात की सारे हरियाणा के अन्दर 10–15 दिन तक सनसनी सी छा रही है। उसके बाद वही हाताल पैदा हो गये। अगर हम भ्रश्टाचार को खत्म करने के बारे मे इनसे कोई जवाब मंगते है तो ट्रेजरी बैचिज की तरफ से कह दिया जाता है कि एक दिन मे ही इसका इलाज कैसे हो सकता है। यह तो 20 या 21 साल से फेला हुआ है। आज हकूमत आने के बाद यह लाचारी दिखाना आपकी कमजोरी मानी जाएगी। भ्रश्टाचार को खत्म करने के लिए पूरी अपोजि ान आपके साथ है इसको आप रोके। हम इस बात का यकीन दिलाते है कि भ्रश्टाचार को समाप्त करने मे हम पूरी तरह से आपके साथ है। जहां तक लोकपाल बिल का सवाल है, उससे सारा भ्रश्टाचार समाप्त हो जायेगा, उस पर हमे भरोसा पूरी तरह से नही करना चाहिए। आम आदमी तो लोकपाल बिल की स्पेलिंग भी नही जानता। जंहा आम आदमी किसी थाने मे जाता है या किसी दफतर से जाता है तो बिना गडगड के या बिना किसी को रि वत दिए उसका काम हो तो

बात ठीक है। अकेले लोकपाल बिल से लोगो को न्याय नही मिलेगा जो लोगो के जायज काम है वे बगैर किसी को रि वत दिए हुए हो तो बात ठीक है जिस दिन यह स्टैण्डर्ड आप कायम कर देगे उस दिन मै चौधरी बंसी लाल जी को बधाई देने वाला सबसे पहला व्यक्ति हूंगा।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, चौधरी खु र्शीद अहमद ने जो विचार व्यक्त किए है मै उनका स्वागत करता हू। मै इनसे जानना चाहता हूं कि भ्रश्टाचार चरम सीमा पर किसने पहुचाया। इनकी पार्टी ने भ्रश्टाचार को बढावा दिया। पहले इनको अपनी पार्टी मे सुधार कर लेना चाहिए उसके बाद फिर ये इस बात पर बात करे।

श्री खु र्शीद अहमदः हम अपनी पार्टी मे सुधार करने मे लगे हुए हैं इसीलिए सुधार करते करते हम यहां पर बैठे है। आपने एक बात कही कि अपनी पार्टी का सुधार कीजिए। जैसा हमने काम किया उसी के तहत जनता जनार्दन ने हमे वहा से यहा पर बैठा दिया। यदि आप भी हमारी तरह से करते रहे तो हम उधार नही रखेगे अगली बार हम ही वहा पर बैठेगे और आप इधर होगे। दुबारा फिर हमारी नजरे वहा पर है। (विघ्न)

श्री रमे ा कुमारः स्पीकर साहब, अगली बार न तो ये बैठेगे और न वो बैठेगे हम ही अगली बार वहा पर बैठेगे।

श्री मनीराम गोदाराः मै तो सिर्फ इनता ही कहना चाहता हू कि चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी और खु र्शिद अहमद ही 100 जुते और प्याज खा कर भी वही के वही पहुंचे गये।

श्री खु र्शिद अहमदः इससे पहले आप भी कई बात इधर से उधर सुधार करने के चक्कर मे हो लिए। हमे तो यानि बच्चो को तो बडो के पद चिन्हो पर चलना है। हम भी सुधार की तला ा मे इधर से उधर हो लिए। मेरे कहने का मतलब यह है कि हमे स्वचछ प्र ाासन लोगो को देना चाहिए जिससे आम जनता को इसांफ मिल सके। एक पुराने मुख्यमंत्री जी इस समय नही है। चौटाला साहब भी मुख्यमंत्री रह चुके है और बसी लाल जी भी तीसरी बार मुख्यमंत्री बने है। यह कोई परमानेंट घोडी तो है नही। इस घोडी की सवारी जो ठीक तरह से नही संभालेगा तो उसका वही हाल होगा जो अब तक सभी का होता रहाह `। जिसको परमानेंट जिन्दा रहना है तो उसको अचीवमेंट देनी होगी। बंसी लाल जी ने 1968 मे जनाता का अचीवमेंट दी। हर गांव के अन्दर सडके पहुचाई और बिजली पहुचाई। आज वही बसी लाल मुख्यमंत्री है कल मेरे एक साथी ने सवाल किया था कि सडको पर इतने गडढे है कि इधर से जाउ या उधर से जाउ तो मेरा उस साथी को यही कहना है कि गडढे तो इतने है कि इन गडढो से गुजरते हुए तो ऊपर ही जाना पडेगा, नीचे कोई रास्ता नही है। बिजली के खम्भे तो लगा दिए गए लेकिन उनमे से अब बिजली नही जा रही। चौधरी बसी लाल जी की भी प्र ाासन पर वह ग्रिप

नही रही जो पहले होती थी। हमने इनके साथ काम किया है। ये हमारे पुरानी साथी रहे है। कही ऐसा न हो कि इनकी क्रेडिब्लिटी इतनी इरोड हो जाए कि इनको भी वही काम न करना पडे जो हमारे दूसरे साथियो को करना पडे अर्थात वह गददी को छोडनी पडे और हमे उसे आकुपाई करना पडे लेकिन रास्ता अभी उधर ही चला आ रहा है इसलिये मै इनको वार्निग दे कर सब के सामने सावधान करना चाह रहा हू ताकि अगर ये सम्भालना चाहते है तो सम्भल जांए और ये फिर से उन्ही बातो पर आ जाएं You were knows as steel man but you are no longer a steel man. चौधरी साहब, खाण्ड के खिलौने तो मौसमे मे बहुत बना करते है तीन दिन मे बालक उनको खा जाते है तथा उनका कोई पता नही चलता। इसलिये अपने उसी पुराने रूप पर ये आ जांए अगर हरियाणा को डिवैल्पमैट देनी है और अगर हरियाणा को इन्साफ देना है, एमरजैसी वाला नही, उस प्वायंट को माईनस करके अपनी ऐफिसैंसी वापिस लाईये बाकि आनेस्टी लाईये और सारी चीजे जो सरकार मे होना चाहिए वे लाइये नही तो हरियाणा के लोगो के लिए यह होगी कि जिन उम्मीदो को ले कर चौधरी बंसी लाल ने लोगो से वोट लिया था जिन लोगो ने यह उम्मीद लगाकर चौधरी बंसी लाल को भेजा था कि वे हरियाणा की बिगडी हुई हालत को ठीक कर देगे, उनकी उम्मीद पूरी नही हो पाएगी। लोगो ने उन्हे इसलिए चुने कर नही भेजा था कि बिगडी हुई इस हालत को और भी बिगाड देगे। अध्यक्ष महोदय, इसी बात को ले कर आज अगर मै गवर्नर महोदय के एड्रैस को देखता हू तो मुझे

वह बिल्कुल खोखला नजर आता है। एड्रैस हमने भी पे ा किये थे और इन्ही की लीडर ीप मे पे ा किये थे उन एड्रैसो मे वजन था लेकिन यह आज का एड्रैस बहुत हल्का है। (विघ्न) (घण्टी) अध्यक्ष महोदय, भाराब बन्दी के मामले पर चौधरी बंसी लाल जी कहते है कि 85 फिसदी कामयाबी मिली है। 85 फिसदी कामयाबी से 15 फीसदी जो बच जाते है वे सब से ज्यादा खतरनाक ऐलिमैट है। एक तो सबसे ज्यादा खतरनाक ऐलिमैट वह है जो भाराब पीने वाला है और दूसरा ऐलिमैट वह है जो इसके धन्धे को चलाता है और साधन सम्पन्न है उसके पास टाल ऐसे है, गैंग ऐसे है जो कि ना सिर्फ अपने तरीके का इस्तेमाल करते है बल्कि वे हम जैसे आदमियो का नाम भी लेते है जब वे पकडे जाते है तो कहते है फला के है यहा फंला के है। इसी कारण यहा पर इल्जाम लगते है कोई किसी का नाम लेता है तो कोई किसी का नाम लेता है। अगर उन लोगो को काबू नही किया गया तो हमारी सारी 85 प्रति ात कामयबी जिसका ये जिकर करते है वह एक तरह नल्लीफाई हो जाती है। इस किस्म की पार् ियल भाराब बन्दी मे माफिया का पलग भ्ाुरू हो जाता है।वे लोग जो इस तरह के लोगो के टेस्ट को केटर करते है वे ऐसे लोग होते है जो हर तरीका, हर हरबा इस्तेमाल करते है। अगर कही पकडे जाते है तो हलके के एम0एल0ए0 से सिफारि ा करेगे और मुख्यमंत्री जी का नाम लेते चले जाएगे। कम से कम ऐसा तो हो जाना चाहिए कि कोई आदमी ऐसे काम न करे। मन्त्रियो का नाम लिया जाए या एम0एल0ए0 का नाम लिया जाए और चीफ मिनिस्टर तक बाते

पहुचने के बावजूद भी वह गैंग फिरता रहे, तो यह बात ठीक नही होगी।

श्री बसी लालः मुख्यमंत्री तक कोई बात नही पहुची है, अगर कोई बात पहुचेगी तो सख्त ऐक ान लिया जाएगा।

श्री खु र्शिद अहमदः अगर नही पहुची है तो इस बात की भाुक्रिया लेकिन वे बिल्कुल नजदीक तक आ लगे है। अध्यक्ष महोदय, इन्हे चाहिए कि उन्हे रोक यह इनकी सेहत के लिस भी ठीक रहेगा और हमारी सेहत के लिए भी ठीक रहेगा और सभी की सेहत के लिए ठीक रहेगा। स्पीकर साहब, हम इस प्रोग्रोम को वैल्कम करते है तो उस आदमी को फौरन पकड कर उसके खिलाफ ऐक ान होना चाहिए। इससे हमारी तबाही बच सकती है और इससे वह माफिया पनपने से बच सकता है जो आज इस सोसायटी के लिए बडा खतरनाक साबित हो सकता हैं जो लोग कल तक साईकल पर चलते थे जिस दिन से भाराब बन्दी लागू हुई है उसके बाद ये सियलो कारो मे चलते है। आज उनके पास बडी बडी इम्पोर्टिड गाडिया है। यह सब कहा से हो गया है क्या यह सब हवा मे हो गया है ये लोग सारे हरियाणा की तबाही कर देगे।इसके लिए जो भी को आप्रो ान ये चाहे हम इनको देने की तैयार हैं यह बात कल भी चली थी कि इसका रोका जाना हर हालत मे जरूरी है इसकी तरफ से पूरी तवजो सरकार को देनी चाहिए। स्पीकर साहब, ये डिवैल्पमैट के केस है या गडबडी के केस है उनके ठीक करे। अपने इलको की चन्द बातो की तरफ भी

मै सरकार का ध्यान दिलाना चाहूगा। स्पीकर साहब, आज इन्होने मैवात कैनाल के बारे मे भी जिकर किया। Here I would Like to refer page 6 of the Governor's address, wherin it is mentioned:-

" A new shceme for construction of Mewat Canal costing Rs. 207 Crores has been conceived after the Prime Minister's visito to benefit the Mewat region. यह बात आपके सामने पहले भी लाई गई है।

श्री अध्यक्षः आप कन्कलूड करे।

श्री खु र्शिद अहमदः ठीक है जी। एक बात और है कि इसका इनफलोमैट बदला जाए ताकि यह साफ पानी ज्यादा से ज्यादा दे और जो आबपासी के लिए इस्तेमाल किया जाए। मेवात डिवैल्पमैट बोर्ड का जिकर भी आया जिसके लिए 77 करोड रूपये खर्च रखे गये है। इसमे से कितना पैसा गवर्नमैट की तरफ से रखा गया है और कितना पैसा आउट साईड ऐजैन्सी की तरफ से है। इसमे कही ऐसा तो नही है कि एटफाल्ट पैसा लग रहा है। आप इसको देखे कि यह पैसा ठीक ढंग से प्रयोग हो रहा है या नही। इसके अलावा पचायतो की जमीनो का मामला है। इसमे एनक्रोचमैट का मामला है उनको पैसा नही दिया गया है। आज इसमे सारा मामला खटाई मे पड गया है। उसमे ऐसी एडजस्टमैट की जाए ताकि इस एनक्रोचमैट को रोका जा सके। धन्यवाद।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे हमबल सबमि ान है कि हमारी पार्टी मे कई मैम्बर नए आए है। आप हमारे पर मेहरबान है और मुझे उम्मीद है कि आप उनको समय देगे। मेरी आपसे गुजारि ा है कि हमारे नए साथियो को चाहे दो, पांच या 10 मिनट दे। आप जो भी सही समझे उतना ही समय दे।

श्री अध्यक्षः ठीक है।

श्रीमती करतार सिह बढाना (समालखा): अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से यह कहना चाहूगा कि अभी खु र्शीद अहमद जी ने बोलते हुए कहा कि भाराब बन्दी नही हुई है, माफिया बना हुआ है ये ऐसी बातो करके सदन को गुमराह कर रहे है। ये जो माफिया वाली बार बार करते है इससे ऐसा लगता है कि ये उन माफिया वालो को जानते है। जहा तक मै चौधरी बंसी लाल जी को जानता हू तो उनका माफिया ये कोई सम्बन्ध नही है। माफिया को पूरी तरह से खत्म नही किया जा सकता है हां इस पर कट्रोल किया जा सकता है मै अपोजि ान के भाईयो से कहूगा कि अपोजि ान मे रह कर ऐसी बाते कहना बहुत आसान होती है जब जिम्मेवारी आती है तो पता चलता है मै तो इनको यह कहता हू कि ये हमे इस बारे मे बतापए कि जो कदम यह सरकार इस पर कंट्रोल करने के लिए उठा रही है उसके अलावा इस बारे मे और क्या किया जाए। धन्यवाद।

श्री बलवन्त सिंह (हसनगढ): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर बोलने के समय दिया इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हू। अध्यक्ष महोदय, मै इस गवर्नर एड्रैस के विरोध मे बोलने के लिए खडा हुआ हू क्योकि इस अभिभाशण के अन्दर बहुत सी ऐसी चीजो द ार्ाई गई है। मुझ से पहले बोलने वालो ने इस बारे मे बहुत कुछ बताया। आदरणीय मुख्यमंत्री जी चुनावो से पहले जिस किस्म के वायदे करते थे कि हम हरियाणा प्रदे ा के अन्दर भाराब को बन्द कर देगे और हरियाणा मे सौ रूपये का पौवा भी नही मिलेगा। मै जानता हू कि आज सौ रूपये का पौवा नही मिलता है। आज हरियाणा के अन्दर भाराब की बोतले, भाराब के ट्रक वगैरहा मिलते है। आज हम मानते है कि हरियाणा के भाराब को बेचने वालो का एक माफिया खडा हो गया है। भाराब के ट्रक के ट्रक आते हैं यहां पर थोडी देर पहले एक चर्चा चली थी कि हमने यह कहा था कि अपोजि ान के एम0एल0एज0 क्यो नही भाराब के बेचने वालो को भाराब माफिया पकडवाने का काम करते। स्पीकर साहब, हमारे जो साथी यहां पर चुनकर आए है अगर वह किसी भी गांव मे जाकर किसी का नाम इस बारे मे लेने की कोि ा ा करेगे तो उनको उस गांव मे अपना सिर फुडवाकर आना पडेगा। ऐसे केसिज मे कोई सुनवाई नही की जाती है। आज भाराब माफिया प्रदे ा के अदंर पैदा हो गये है। हमे तो इस बात का डर है कि कही बिहार की तरस से ही यहा पर भी चुनाव के अदर धाधली न हो क्योकि वहां पर ऐसे ही माफिया काम करते है ंपहले जो लोग साईकिल

से भी नही चलते थे या जिनके पास पहनने के लिए कपडा या जूती नही होती थी आज वे लोग हरियाणा के अदंर नयी नयी आठ आठ दस दस लाख रूपये की गाडियो से चलते है और आज वे टेलीफोन की जगह सैल्यूलय फोन इस्तेमाल करते है। जब मैने श्री कृश्णा हुडा और धीरपाल जी ने रोहतक के डी0सी0 से इस बारे मे बात की तो वे कहने लगे कि हमने भी ऐसा सुना तो है कि ऐसा हो रहा है। लेकिन आप हमे बताए कि वे कौन लोग है। हमने कहा यह तो पुलिस और सी0आई0डी0 का काम है कि वह पता करे कि इस प्रकार का धंधा कौन कौन लोग करते है। यह सरकार की जिम्मेदारी है और सरकार को चाहिए कि वह इस माफिया को पकडे। अगर सरकार ही उनको नही पकड पाती तो फिर आप आदमी कैसे उनको पकडवा सकता है। साधारण आदमी तो यह काम करता नही है क्योकि ऐसा काम करने के लिए जब तक किसी एम0एल0ए0 मंत्री या किसी और बडे आदमी का आपको सहयोग नही मिलेगा तक तक आप यह काम नही कर सकते। कमजोर आदमी कभी यह काम नही करेगा। इसलिए हमारी सरकार से मांग है कि वह भाराबबंदी को पूरी तरह से लागू करे। हम तो इसमे सरकार को पूरा सहयोग देना चाहते है। मै कोई लांछन लगाने की बात तो नही करता लेकिन हमे यही डर है कि कही हरियाणा भी यू0पी0 या बिहार न बन जाए और यहां भी वहां जैसे हालाज न हो जाए। इसके अलावा ला एंड आर्डर की बात कही गयी है। मै इस बारे मे ज्यादा नही कहना चाहता क्येाकि इस बारे मे हमारे नेता चौटाला साहब ने बहुत ही विस्तार से कह दिया है।

इसके अलावा दूसरे अन्य साथियो ने भी इस बारे मे काफी कहा है। इसके अलावा स्पीकर साहब, बंसी लाल जी भी और दूसरी अन्य सरकारे भी सभी कहते थे कि हम एस0वाई0एल0 को बनवाएगे लेकिन इस सरकार ने अपने 9 महीने के भाासन काल मे उस पर कोई भी काम नही किया है। इसी प्रकार से भाखडा कैनाल की देख रेख का या डबलयू0 जे0सी0 का जो पानी था जो कि लिंक नहरो से रोहतक और अन्य इलाको मे पूरा नही जा रहा है क्योकि झज्जर सब ब्रान्च या दूसरी नहरो की कैपसिटी बहुत कम हो गयी है इसलिए मै कहना चाहूगा कि इनकी कैपसिटी ठीक ढंग से बढायी जाए और इनकी सिल्ट निकाल कर पूरी तरह से सफाई की जाए। स्पीकर साहब, अगर ऐसा किया गया तो हमारे इन इलाको को भी पूरा पानी मिल सकता है। मै आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूंगा कि सरकार इसको को भी पूरी पानी मिल सकता है। मै आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूंगा कि सरकार इसकी सिल्ट निकालकर लिंक नहरो को पूरा पानी दें जब तक दे जब तक एस0वाई0एल0 नहर बने। इसी प्रकार से जो भाखडा कैनाल का पानी पाकिस्तान मे रह जाता है सरकार को उस पानी को भी अपने यहां पर लाने के लिए कोि ा ा करनी चाहिए। इसी प्रकार सें मेंरे हल्के के अदंर दूसरी अन्य नहरे भी है, रजवाहे है जैसे सोसाना माईनर है, दुल्हेडा माईनर है एवम भालौट माईनर है। ये सारी माईनर्ज आज सिल्ट से पूरी तरह से भरी पडी है जिसकी वजह से इनमे पानी ही नही जाता है। आबपासी के लिए पानी की बात तो दूर लोगो को पीने का पानी भी मुहैया नही

हो पाता है। इसलिए इनकी पूरी तरह से लिस्ट निकलवायी जानी चाहिए। झज्जर सब ब्रान्च दूसरी इलको मे भी जाती है लेकिन इसका भी यही हल है और उसमे काफी मात्रा मे गाद भरी हुई है जिसकी वजह से उसकी पानी ले जाने की कैपेसिटी मु कल से एक चौथाई रह गयी है। इसी तरह से दूसरी अन्य नहरो की भी छटाई करवानी चाहिए। इसी प्रकार ने आज कई ड्रेर्नज ऐसी है जिनकी आज तक सफाई नही करायी गयी है। और न ही उनके ऊपर पुल या बांध बना है। इसी तरह से दुल्हेडा माइनर है वहां खरावड गांव से कारोर गहरिया तक लिंक मिलती है। उस पर गडढे चलते है वहा पर पुल टूटे पडे हुए है और बडी खास्ता हालत है। (धंटी) इसी प्रकार से सडको की बुरी द ाा है, लोग सडको पर चलने की बजाय खेत की पगडंडी पर पैदल चलना ज्यादा पसन्द करते है उनके गडढे ट्रैक्टर की बात तो बहुत दूर की बात है। आज हमारे प्रदे ा के अंदर बिजली की बहुत बुरी हालत है। चौधरी बंसी लाल जी कहा करते थे कि 24 घंटे बिजली दूंगा और 24 घंटे के अंदर ही ट्रांसफार्मर बदले जाने की बात थी और आज इस प्रदे ा के अंदर इतने ट्रांसफार्मर पडे हुए है उन ट्रांसफार्मर की मुरम्मत करके उनको रिप्लेस नही किया जाता है इसी प्रकार से आज सरकार लोगो पर टैक्स लगाती जा रही है। (घटी) (विघ्न) इसके अलावा आर0टी0ओ0 की जहां बात आती है जो हमारे एस0डी0एम0 है वे लोगो की समस्याओ को सुनने के लिए अदालत मे बैठ नही पाते है क्यो कि उनके ऊपर कुछ ऐसी बाते आ गई है कि वे 6 लाख रूपया माहवार दे इसलिए

आर0टी0ओ0 आज हमारी बसे और दूसरे व्हीकल ले जाते है आज 5 हजार से लेकर 10 हजार रूपय तक जुर्माना किया जाता है चौधरी बसी लाल जी यह कहते थे कि जो जुगाड है मै उनको भी चलाने की इजाजत दूंगां। आज न तो ट्रैक्टर सेफ है और न कार सेफ है। मै आपको क्या बताऊ कि हमारे बहादुरगढ से माननीय विधायक नफे सिहं जी है वे बाहर गये हुए थे एक दिन एक आदमी आया और मुझसे कहने लगा कि नफे सिंह जी की गाडी एम0डी0एम0 ने पकड ली है। मैने एम0डी0एम0 से कहा कि आपने हमारे साथी की गाडी पकड ली है तो एस0डी0एम0 ने कहा कि वह गाडी तो किराए पर चलाते थे। (घंटी) मेरा कहने का भाव यह था कि अगर इस प्रकार का व्यवहार विधायक के साथ होगा तो कैसे काम चलेगा?

श्री अध्यक्षः मायना साहब, आप बैठ जाएं।

श्री बंलवन्त सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै कन्कलूड कर रहा हू। मै सिर्फ किसान के गन्ने के लिए बात कहना चाहता हू।

श्री अध्यक्षः नही आप अब बैठ जाइए।

श्री बलवन्त सिंहः अध्यक्ष महोदय, अब किसानो पर लोडिंग और अनलोडिग गन्ने का खर्च लग गया है। मुख्यमंत्री जी इसको हटाने का काम करे ताकि किसानो को गन्ने का पूरा भाव मिले। आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

श्री रिसाल सिंह (मुलाना, अनुसूचित जाति): आदरणीय स्पीकर साहब, मै आपका बहुत आभारी हू कि आपने मुझे बोलने का समय दियां मै पहली बार नुमाइन्दा चुनकर आया हू और आज पहली दफा ही मुझे बोलने का अवसर मिला है हो सकता है कि मै बोलने मे कोई गलती कर जांऊ उसके लिए मै क्षमा चांहूगा। आदरीणय अध्यक्ष महोदय, हाउस मे आने के बाद सबसे पहले तो मैने यह नोट किया है कि यहा जो बाते लोकहित की होती है एक मैम्बर उस बात को उठाता है चाहे वह पब्लिक इन्ट्रैस्ट की बात हो दूसरा मैम्बर अपने तरीके से उसको दबाने की कोि ा ा करता है। जंहा तक किसानो के गन्ने की कीमत का सवाल है, पेमेंट का सवाल है। ट्रेजरी बैचिज की तरफ से यह कहा गया है कि हम किसानो को उचित दाम दे रहे है। उसके बाद आपोजि ान ने यह कहा कि उचित दाम नही है। उसके बाद यह बात आई है कि पहले की सरकार के समय राज्य मे गन्ने को जलाया गया किसी ने कहा कि पहले किसानो पर हथोडा चलाया गया और जो किसानो के हित की बात होती है वह दब जाती है। अध्यक्ष महोदय, इस बात पर मुझे बडा अफसोस होता है कि क्यो कि हित की बात दबाकर नाजायज तरीके से किसी और मुद्दे को उठाया जाये यह ठीक नही है। दूसरी बात मै अपने जिले अम्बाला के बारे मे कहना चाहता हू। मैने गवर्नर एड्रैस को पढा है लेनिक उसमे अम्बाला जिले का कही भी जिकर नही किया गया है आज अम्बाला मे पानी का स्तर नीचे चला गया है। ज्वायंट पजांब मे भी जब कभी डिवैल्पमैंट की बात होती थी तो हिसार, लुधियाना या

रोहतक जिलो का नाम आता था और उसके बाद हरियाणा बनने के बाद जब कभी डिवैल्पमैट की बात आती है तो रोहतक, भिवानी और हिसार जिलो का नाम लिया जाता है और अम्बाला जिला तो ज्यो का त्यो रहा है। अम्बाला जिले मे कोई इजीनियरगि कालेज नही है। एक पांलैटैक्निक कालेज है और वह भी हरियाणा बनने से पहले का है। पिछले गवर्नर एड्रैस मे तो दादपुर नलवी नहर का जिकर तो आ गया था लेकिन अब की बार तो बिल्कुल जिकर नही किया गया । पानी का स्तर नीचा होने के कारण हमको टयूबवैल्ज को डीप लगाना पड रहा है। नलके नही लग रहे है हैण्ड पम्प नही लग रहे है। हमारा जो पानी है वह सब भिवानी की तरफ से ले जाया जा रहा है। हमारे कुए सूख गये है। जहा तक बिजली की बात है इस गवर्नर एड्रैस मे कई प्रोजैक्टो का जिकर आया कही 66 के0वी0 का तो कंही 220 के0वी0 का लेकिन हमारे मुलाना मे तीन साल पहले का 66 के0वी0 स्टे ान का फाउडे ान चौधरी भजन लाल जी ने रखा था और उसका पत्थर आज ज्यो का त्यों पडा है। इसके बारे मे कही पर कोई जिकर नही है। जहां तक टीचरो का सवाल है। अभी सरकार ने पंजाबी टीचरो की भर्ती की है वह भी कांटैक्ट बेसिस पर। हरियाणा मे पजांबी तब लागू ही नही थी तो पंजाबी टीचर कहां से आयेगे। लेकिन पजांब से जिस भी लोगो के रि तेदार वगैरा थे उनकी नियुक्ति की गई है। उनके नाम हरियाणा से रोजगार कार्यालय मे रजिस्टर करवाये गये और हरियाणा मे एक आध लोग इसके लिए योग्य थे वे इस चीज से महरूम रह गये। अध्यक्ष महोदय, जहां तक माध्यमिक ओर

प्राईमरी क़क्षा के टीचरो का जिकर आया। मैने 1993–94 की रिपोर्ट पढी है उसमे प्राईमरी स्कूलो मे 15 हजार टीचरो कि नियुक्ति करनी थी जिनमे से 944 पद हरिजनो के लिए थे। ये केवल 5.4 प्रति ात ही है। यह सरकार हरिजनो की बेहतरी का दावा करती रही है। जो हरिजन मैट्रिक है जिनको जे0बी0टी0 की ट्रैनिंग दिलवारक प्राईमरी स्कूलो मे लगाया जा सकता है मै मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करूगा कि जितनी रिजर्वे ान की पोस्ट है उनके लिए तो कम से कम इतना जरूर कर दे। क्योकि यह जो 5.4 प्रति ात रिजर्वे ान है यह तो एक मात्र एक भार्मनाक है इसको पूरा किया जाये। धन्यवाद।

श्री अध्यक्षः राजभजन अग्रवाल जी आप बोलिये।

श्री रामभजन अग्रवाल (भिवानी): अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाशण की चर्चा के समर्थन मे मै खडा हू। इस अभिभाशण मे भाराब मे बारे मे विस्तार से कहा गया है। भाराब की बुराई को मिटाना प्रदे ा मे समृद्धि लाना है तथा आने वाले भविश्य मे हम देखेगे कि बीस साल के बाद आने वाली पीढी के चरित्र निर्माण मे हमे इससे कितनी मदद मिलेगी। आदरणीय मुख्यमंत्री महोदय ने रैवेन्यू की कांस्ट पर भी एक साहसिक कदम उठाया है जो कि सराहनीय है। मुख्यमत्री महोदय ने यह कुप्रथा मिटाई है इससे सुख भााति भी समाज मे पनपी है। लेकिन जहां तक भाराब की समगलिग की बात है, इसके लिए मै सुझाव देना चाहता हू कि ऐसा प्रावधान किया जाए कि जो व्यक्ति भी भाराब

लाता है, पीता है अथवा बेचता है, उसकी जमानत नही होनी चाहिए। नांन बैलेबल आफैस इसके बारे मे बनाया जाना चाहिए। दूसरे, जिस भी व्हीकल मे अवैध भाराब आती है, उसको जब्त कर लिया जाना चाहिए क्योंकि जब तक इसको ज्यादा सख्ती से नही लिया जाएगा तक तक यह 10–15 प्रति ात बीमारी जो रह गई है, वह नही मिट सकेगी। मुझे आ ाा है कि मुख्यमंत्री महोदय इस पर अव य विचार करैगे। दुसरे राज्य के अंदर मुख्यमंत्री महोदय, अस्पतालो के अंदर आधुनिकीकरण करवाने जा रहे है, नई म ीने ला रहे है तथा पुरानी म ीने की मरम्मत करवाने के लिए विचार कर रहे है। मै आदरणीय स्वास्थय मंत्री जी से अनुरोध करूगा कि भिवानी मे एक ग्लूकोज के लिए विचार कर रहे है। जो कि बंद पडा है पिछली सरकार ने उस और कोई ध्यान नही दियां। इस प्लांट की अगर मरम्मत की जाए तो उससे गरीब आदमियो को सुविधा हो सकती है। इसके साथ साथ हमारी सरकार मुर्गी पालन व मछली पालन मे सहयोग कर रही है, यह बहुत अच्छी बात है लेकिन जहां तक गऊओ का सवाल है, प्रदे ाो मे हरियाणा नस्ल की गऊओ का लोप होता जा रहा है। इसके लिए कुछ वि ोश अर्थ व्यवस्था की जरूरत है। इसके लिए अर्थ व्यवस्था का प्रावधान किया जाए तथा यह नस्ल लुप्त होने पाए इसके लिए इस नस्ल के सांड पालने की आव यकता है क्योकि जब तक इस नस्ल को वाएबल नही बनाया जाएगा तब तक इसका लोप होता रहेगा। मै आ ाा करूगां कि इस विशय मे भी वि ोश ध्यान दिया जाएगा, जिससे इस समस्या का समाधान हो सके। स्पीकर साहब, जहां तक

बिजली की व्यवस्था का सवाल है, इसके बारे मे भाईयो ने कहा है कि इसका निजीकरण नही होना चाहिए। लेकिन मै कहना चाहता हू कि जब तक प्रदे ा के अदंर बिजली की चोरी नही रोकी जाएगी तथा बिजली उत्पादन भले ही बढाते जाएगे तक तक इस समस्या का समाधान नही हो सकेगा, क्योकि घर घर जाकर पोल पोल पर जाकर चैक करना इतना आसान काम नही है तथा मीटर रीडर तथा जे0ई0 से लेकर एम0डी0ओ0 इत्यादी को भी चैक नही कर पाए है। इसलिए बिजली की चोरी रोकने का एक ही उपया है– निजीकरण। इससे हम इसको काबू मे ला सकते है। मै आ ाा करता हू कि इन बातो को ध्यान मे रखा जाएगा। स्पीकर साहब, मै राज्यपाल महोदय के अभिभाशण का समर्थन करता हू और आ ाा करता हू कि सरकार भविश्य मे इन बातो पर विचार करेगी ताकि प्रदे ा की प्रगति हो सकें। धन्यवाद।

श्री बीरेन्द्र सिहं: स्पीकर साहब, मेरी सबमि ान है कि हाउस की सैकिण्ड सीटिग मे हमारी पार्टी के 3 या 4 आनरेबल मैम्बर्ज को आप पांच पाच मिनट बोलने का टाईम दे दे।

श्री अध्यक्ष: सारे मैम्बर्ज साहेबान को बलाने के लिए टाईम नही दिया जा सकतां। आप बैठ जाएं। जब आपके लीडर बोल रहे थे तब आपने बोलने के लिए टाईम नही मांगा।

कैप्टन अजय सिंह यादव: स्पीकर साहब, अगर हम गवर्नर साहब एड्रैस पर नही बोलेगे तो कहा पर बोलेगे।(ाोर)

श्री अध्यक्षः मै सदन को फि ा मार्किट नही बनने दूंगा इस बात का आप ध्यान रखे।

डा0 वीरेन्द्र सिंह अहलावतः स्पीकर साहब,, हम सदन को फि ा मार्किट नही बनाएग आप हमे पांच पाच मिनट बोलने के लिए टाईम दे दे।

श्रीमती करतार देवीः स्पीकर साहब, आपसदन के हर माननीय सदस्या को पांच मिनट बोलने का टाईम जरूर दे।

श्री बीरेन्द्र सिहः स्पीकर साहब, लन्च के बाद हाउस की सैकिण्ड सीटिंग हो रही है उस समय आप हमारी पार्टी के तीन चार मैम्बर्ज को बोलने का टाईम दे दें।

श्रीमती करतार देवीः स्पीकर साहब, आप हमारी पार्टी के तीन चार मैम्बर्ज को पांच पांच मिनट बोलने के लिए टाईम दे दे।

श्री अध्यक्षः आप इस तरह से कह कह कर हाउस से बाहर जाना चाहते है तो यह अलग बात है। आप मेहरबानी करके बैठ जाएं। बहन जी अपनी मंत्री रह चुकी है इसलिए आप हाउस की मर्यादा का पता होना चाहिए। मैने जिस माननीय सदस्य को बोलने के लिए कहा है उनको आप बोलने दे।

श्री विजेंन्द्र सिंह कादयान (नौल्था): अध्यक्ष महोदय, 5 मार्च, 1997 को हमारे राज्यपाल महोदय ने हरियाणा की जो मुख्य मुख्य उपलब्धियो है उनके बारे मे सम्मानित सदन के सम्मानित

सदस्यो को बताया। अध्यक्ष महोदय, हमारे विपक्ष के माननीय सदस्य हमारी सरकार को भाराबंबंदी के लिए अपना सहयोग देने की बात कहते है। आपको मालूम ही है कि आज तक भाराबंबंदी के बारे मे विपक्ष के माननीय सदस्यो का कितना सहयोग रहा है। मेरे विपक्ष के भाई और इनकी पार्टी के वर्कर सिर्फ इतना कहते है और प्रचार करते है कि हरियाणा प्रदे ा मे भाराबबदी लागे न हो लेकिन यहा सदन मे बैठकर मेरे विपक्ष के भाई यह कहते है कि वे भाराब बंदी लागू करने मे सरकार का पूरा सहयोग देगे। अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मै अपने सम्मानित सदस्यो से गुजारि ा करूंगा कि अगर आप भाराब बंदी के लिए सरकार का पूरा सहयोग देगे तो यह बुराई हरियाणा प्रदे ा से जड खत्म हो जाएगी। हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री जी जिन्होने सरकार बनने से पहले जनता से यह वायदा किया था कि जिस दिन से हरियाणा विकास पार्टी की सरकार बन जाएगी उसी दिन से हरियाणा मे भाराब बंदी लागू कर देगे और हमारे आदरीणय मुख्यमंत्री जी ने हरियाणा प्रदे ा मे भाराबबंदी लागू कर दी। आज हरियाणा प्रदे ा मे लगभग भाराब बदं है। जो थोडी बहुत भाराब बिकती है वह वे लोग बेचते है जो भाराबबंदी के लिए सरकार को अपना सहयोग नही दिना चाहते और वे लोग विपक्ष की पार्टियो के है। अब मै एक बात बिजली के बारे मे कहना चाहूगा। हमारे बिजली बोर्ड ने 10 या 15 साल से बिजली की प्रोडक ान के लिए कोई नया यूनिट नही लगाया। बिजली की कंजम्प ान दिन प्रति दिन बढती जा रही है। अगर हमारी सरकार हरियाणा की जनता के लिए

बिजली मे सुधार लाने के लिए कोई कदम उठाती है तो उसमे विपक्ष को अपना सहयोग देना चाहिए। जंहा तक लोगो को 24 घंटे बिजली दैने की बात है उसके बारे मे सरकार को कुछ सोचने का मौका मिलना चाहिए। हरियाणा प्रदे ा के लोगो को 24 घंटे बिजली देने के लिए अगर बिजली बोर्ड का निजिकरण किया जाता है तो वह हरियाणा के लोगो के हित के लिए होगा। किसानो को जो सबसिडी दी जाती है उसमे कोई कटौती नही होगी ओर उनको उसी भाव मे बिजली मिलेगी। बिजली की सप्लाई अच्छी करने के लिए सरकार कोई कदम उठाती है तो मेरे विपक्ष के भाई उसमे अपना सहयोग दे। इसके साथ साथ मै यह बात कहना चाहता हू कि किसानो को उसी रेट पर बिजली मिलेगी जिस रेट पर आज मिल रही है। (विघ्न) स्पीकर साहब, यदि काग्रेस के समय मे कोई बिजली का नंया प्लाट लगा हो तो ये बता दे। कोई नया यूनिट लगा हो तो ये बता दे। जो बिजली आज हरियाणा को मिल रही है वह बसी लाल जी की ही देन है। गावो मे जो बिजली पहुची है या सडको का जाल बिछा है यह चौधरी बंसी लाल जी की देन है। आप लोगो ने ही 10 मिनट पहले यह बात मानी थी। आज विपक्ष को अच्छी तरह से पता है कि यदि हविपा और बी0जे0पी0 की यह सरकार 5 साल टिकी रही तो फिर इनकी कोई जात नही पूछेगाा। इनका काम तो किसी न किसी रूप से खलल डालने का है। मेरा इनसे इतना ही कहना है कि ये सरकार के काम या नीतियो के बारे मे दुश्प्रचार न करे। सरकार को ठीक तरीके से काम करने दे ताकि हरियाणा के लोगो का भला हो

सके। ये हरियाणा के हितो की बात करते है बल्कि ये तो हित की बजाये ना ा करने की बात कर रहे है तो स्पीकर साहब, अंत मै राज्यपाल महोदय से जो अभिभाशण यहां पर पढा है मै उस का समर्थन करते हुए अपना स्थान लेता हू और आपका धन्यवाद करता हू कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

श्री सूरजमल (राई): अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत बहुत धन्यवाद, आपने मुझे बोलने का समय दिया। मै जो बात कहूगा वह ठीक कहूगा। यहां पर कहा गया कि भ्रश्टाचार नही है। मै कहता हू कि भ्रश्टाचार मे कोई फर्क नही आ रहा बल्कि पहले की ही तरह मौजूद है। जो लोग भाराब बंदी की बता कर रहे है कि भाराब बंदी हो चुकी है उनको मै यह कहना चाहूगा कि भाराब बंदी नही हुई बल्कि पहले से भी अधिक मिल रही है। यहा पर एक साथी ने कहा कि हमने एम0एल0एज0 को कहा था कि भाराब की तस्करी करने वालो को पकडवाओ। मै उस साथी को बातना चाहता हू कि ग्रिविसीज कमेटी मे मैने डी0सी0 को और एस0पी0 को कहा है लेकिन कोई सुनवाई नही होती बल्कि भाराब की तस्करी करने वालो से महीनो लियाा जाता है। मै किसी पर छींटाक ाी की बात नही करता। लेकिन इतना जरूर कहता हू कि भाराब पहले से अधिक मिल रही है।

13.00 बजे

अध्यक्ष महोदय, अब मै बिजली की बाबत कुछ कहना चाहूगां आज हरियाणा मे बिजली की भाार्टेज है, मै इस बात को समझता हू और मानता हू। मै सरकार के ध्यान मे लाना चाहूगा कि आजकल बच्चो के पेपर चल रहे है। भााम को खाने के वक्त और बच्चो की पढाई के समय बिजली चली जाती है। इसी प्रकार से सुबह चार बजे जब लोगो ने अपने घास फूस का काम करना होता है और बच्चो ने अपनी पढाई करनी होती है तो बिजली चली जाती है। जिस वक्त घरो मे बिजली की ज्यादा जरूरत होती है उसी वक्त बिजली क्यो चली जाती है। बिजली पूरी नही आती तो कोई बात नही लेकिन मेरा कहना यह है कि सुबह और भााम जब काम का वक्त होता है उस वक्त तो बिजली जरूर मिलनी चाहिए चाहे वह कुछ ज्यादा देर न भी मिले तो कोई बात नही है, लेकिन बिजली कम से कम खाने के टाईप पर तो मिलनी चाहिए। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस और दिलाना चाहूगा और यह कहना चाहूगा कि सरकार इस बात की तरफ ध्यान दे कि इस मामले मे इस वक्त जो कुछ हो रहा है वह ठीक नही हो रहा है। स्पीकर साहब, इन्ही भाब्दो के साथ मै अपनी बात समाप्त करता हू तथा आपने मुझे बोलने के लिए जो समय दिया है उसके लिए आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हू।

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन है और मै जानना चाहूगा कि क्या हाउस को आप कुछ समय के लिए एडजर्न

करेगे या डेढ बजे के बाद कंटीन्यू करेगे (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, अगर लच ब्रेक होगा तो, अगर आपकी इजाजत हो तो मै लंच ब्रेक के बाद बोलना चाहता हू।

श्री अध्यक्षः डेढ बचे से दो बजे तक ब्रेक रहेगा। अभी एक बजा है इसलिए अगर आप चाहे तो डेढ बजे तक अपनी बात कह सकते है।(विघ्न)

श्री धर्मबीर गांबांः अध्यक्ष महोदय, अगर चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी लंच के बाद बोलना चाहते है तो मुझे कृपया इजाजत दे ताकि मै बोल सकू।(विघ्न)

श्री अध्यक्षः गाबा साहब, आप अभी बैठे। अगर चौधरी बीरेन्द्र सिंह अभी बोलना नही चाहते है तो सतविन्द्र सिंह जी बोले। (विघ्न)

श्री धर्मबीर गांबाः स्पीकर साहब, यहा पर इतने सीनियर मैम्बर्ज बैठे हुए है आपने उनको तो बोलने का मौका दे दिया है लेकिन आप मुझे बोलने का मौका नही दे रहे है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः गाबा साहब, आपको बोलने का टाईम दिया जाएगा। अभी मैने सतविन्द्र सिंह जी को बोलने के लिए कह दिया है, इसलिए आप अभी बैठे।

श्री धर्मबीर गाबाः अध्यक्ष महोदय, आप द्वारा बार बार यह बात कही जाती है कि आपकी पार्टी को टाईम दे दिया है

बहन करतार देवी जी बोल चुकी है और दूसरे साथी भी बोल चुके है। लेकिन मुझे बोलने का मौका नही मिला हैै। जब कि सूची मे मेरा नम्बर दूसरा था। मेरी पार्टी के छ लोगो बोल चुके है लेकिन मुझे बोलने का समय नही मिला है। मै इसका कारण जानना चाहता हू। मेरी पार्टी के जो मैम्बर्ज बोले है उन्होने अपनी अपनी बात कही है। मै अपने हल्के की बात रखना चाहता हू। क्या दूसरे मैम्बर्ज मेरे हलके की बात को रखेगे? मै अपने लोगो का प्रतिनिधित्व कतरा हू और उनकी बात कहना चाहता हू कृपया मुझे आप बताए कि मुझे इग्नोर क्यों नही किया जा रहा हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः गाबा साहब, मैने अपने पहले भी कहा है कि आपको बोलने का मौका दिया जाएगा लेनिक आप अभी अपनी सीट पर बैठे और श्री सतवीन्द्र सिंह को बोलने दे।

श्री धर्मबीर गाबाः स्पीकर साहब, आपकी बात मानते हुए मै अपनी सीट पर बैठता हू परन्तु मेरी अर्ज है कि आप मुझे इग्नोर न करे।

श्री सतबीर सिह राणा (राजौन्दा): अध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। मै महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा 5 मार्च को यहां सदन मे जो अभिभाशण दिया गया था उस पर बोलने के लिए खडा हुआ हू। अध्यक्ष महोदय, भाराब बंदी की चर्चा काफी हुई है। इसी प्रकार से ला एंण्ड आर्डर की बात पर भी मै कुछ कहना चाहूगा। लां एण्ड

आर्डर की हालत यहा पर किस प्रकार की है। यह यंहा पर बार बार उठी है। इसी प्रदे ा मे जब यह सरकार आई तो हमे यह उम्मीद थी कि चौधरी बंसी लाल जी के राज मे लां एण्ड आर्डर पर काफी अकु ा लगेगा मगर हुआ क्या, 10—15 दिन तक अफसरो मे अफरा तफरी रही मगर उसके बाद फिर वही तरीका भाुरू हो गए जो कि पहले हुआ करते थे। आम पब्लिक यह महसूस करती है कि कही पर भी दफतरो मे या कचहरियो मे अथावा थाने आदि मे लेने देने के बगैर बात नही बनती है। अध्यक्ष महोदय, आज सरकार कहती है कि भाराब बन्दी 85 प्रति ात लागू हो गई है इस बारे मे मै कहना चाहूगा कि भाराब का एक माफिया बन गया है। जो यह नही चाहते, लेकिन ये चोर बने कैसे। आज जो सबसे बडी बात है वह बेरोजगारी है। मेरे हल्के मे एक बढाना गांव है। जिसमे कुछ दिन पहले कुछ लडके चोरी के मामले मे पकडे गये।वे बच्चे 13,14, व 15 साल की उमर के है वे कैसे चोर बने। यह जो भाराब बंदी हुई इसकी वजह से वे भाराब बेचते थे और उसमे उनपको काफी पैसा मिलता था उस पैसे को लेकन वे गलियो मे घुमा करते थे। रात को वे घुमते हुए दुकानो के ताले तोडते और चोरी कर लेते। यह जो भाराब बन्दी की बात कही जा रही हैं मै इसको बिल्कुल भी नही मानता। अध्यक्ष महोदय, पहले भाराब भटियो मे बनती थी और आज भाराब कुकरो मे बनती है और बहुत जल्दी बनती है। (ाोर एवम व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मै यह फैक्टस बता रहा हू ओर बिल्कुल सही बात बता रहा हू।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, मेरे सम्माननीय साथी भाराब के बारे मे वि ोश रूप से कह रहे है कि भाराब कूकरो मे बनती है। इनके जो पार्टी के नेता है उनकी हरियाणा मे भाराब की फैक्टरियां थी और वे भाराब बनाकर बेचते थे क्या यह उनका नया तरीका तो नही है?

श्री बीरेन्द्र सिहः अध्यक्ष महोदय, मै इस बारे मे बताना चाहता हू। सरकार का जो प्रोग्राम था वह अभी आया नही है कि 80 प्रति ात ईधन बचाओ। अगर सभी परिवारो को कूकर दे दिए जांए तो 80 प्रति ात ईधन बच सकता है।

श्री सतविन्द्र सिंह राणाः अध्यक्ष महोदय, यह बात ठीक है कि पहले फैक्टरियो मे भाराब बनती थी और अब भाराब बन्दी के कारण भाराब कूकरो मे बनने लग गई है। जिन लोगो को पता है कि थोडे टाईप मे पैसा बन सकता है तो वक काम करते हैं यह मेरे रोकने से आप और आप के रोकने से कुछ नही हो सकता है जब तक आप नई पीढी को रोजगार की सुविधा नही देगे। जब तक यह सुविधा नही दी जाएगी तब तक चोरी छिपे भाराब को बनना जारी रहेगा।

इसी तरह से सडको की डिवैल्पमैट की बात है। मेरे हल्के मे कही पर भी एक ऐसी सडक नही है जंहा पर रिपेयर ठीक से हुई हो। कैथल से अंसध तक आधा किलोमीटर सडक का

टुकडा है जिस पर आम आदमी गुजर नही सकता है। राजौद का पैडी का एरिया है वहा पर मण्डी नही है और पैडी वहा पर नही खरीदी जाती है। वहां पर किसानो को पैडी बेचने के लिए 30 किलोमीटर दूर जाना पडता है। मुख्यमंत्री जी लोगो के अन्दर भावना थी कि आप हरियाणा के नुमायदे है लोगो के दुख को तुरन्त समझगे। जिस भावना से उन्होने आपको मुख्यमंत्री बनाया था उनकी जो उम्मीदे है और वे जो आपसे चाहते है आप उसको पूरा करेगे। अध्यक्ष महोदय, पिछले 40 सालो मे मार्किटिंग बोर्ड का एक नया पैसा भी नही लगा है। मै यह बात मुख्यमंत्री जी को कहना चाहूगा कि मेरे हल्के मे इस बात का ध्यान रखा जाए। जय हिन्द।

श्री कृश्ण लालः स्पीकर साहब, आपने न तो मुझें किसी सप्लीमैट्री पर बोलने के लिए समय दिया और न अब आप मुझे बोलने के लिए समय दे रहे है। जो लिस्ट हमारे प्रधान ने दी है उसमे मेरा नाम भी है।

श्री अध्यक्षः ऐसा है कि आपके नेता जी ने मुझें यह कहाा था कि हमारे नये मैम्बरो को भी बोलने के लिए टाईम दे। इसलिए ही हमने श्री रामफल जी को टाईम दिया है।

श्री रामफल कुंडू (सफीदो): अध्यक्ष महोदय, आपका मुझे बोलने के लिए समय देने के लिए धन्यवादं अध्यक्ष महोदय, विपक्ष वालो पर यहा पर आरोप लगाया जाता रहा है कि वे भाराबंदी के

मामले मे हमारे साथ सहयोग नही कर रहे है। लेकिन अध्यक्ष महोदय, मै आपको इस बारे मे बताना चाहूगा कि मैने खुद एस0पी0 से इस बारे मे दो तीन बार ि ाकायत की थी कि रोउ गांव वालो ने कुछ लोगो को इस मामले मे पकडवाया था लेकिन पुलिस ने उल्टे जगतार सरंपच पर ही धारा 307 का मुकदमा बना दिया। जब हमने डी0एस0पी0 से बात की और इससे पहले कि वे कुछ कह पाते उनका सफीदो से जींद तबादला कर दिया। इसके बाद हमने सी0आई0डी0 के डी0आई0जी0 वगैरहा से इस बारे मे रिक्वैस्ट की तब कही जाकर उन लोगो का पीछा छूटा। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से जीन मे दारू का एक पूरा ट्रक 31 जनवरी को पकडा गया था। अध्यक्ष महोदय, हर दूसरे दिन चण्डीगढ से दारू की गाडी जाती है जिसके आगे आगे मारूति चलती है और बीच मे दारू का कैंटर चलता है तथा उसके पीछें अस्बैसडर गाडी चलती है। पीछे एक बात ऐसा हुआ है कि जिस दिन वह कैंटर जींद पहुचता है उसी दिन सिंगला साहब भी वहां स्वागत के लिए जाते है। अध्यक्ष महोदय, मै आपका सच बताऊग। अगर मै झूठ बोलू तो मै इस्तीफा दे दूगा। मै गाडी का नम्बर भी आपको बता सकता हू। सारी चीजे इस बारे मे मै आपको बता सकता हू।(विघ्न)

श्रम मंत्री (श्री बृजमोहन सिंगला): अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा आदरणीय सदस्य से पूछना चाहूगा कि क्या ये मेरे ऊपर इल्जाम लगा रहे है?

श्री रामफल कुडू: मै आपके ऊपर इल्जाम नही लगा रहा हू बल्कि मै तो सच बता रहा हू कि उसी दिन आप भी वंहा जींद गये थे जब भाराब पकडवायी जाती है तो पुलिस उल्टे पकडवाने वालो को ही परे ाान करती है। पुलिस से वेद प्रका ा पुत्र प्रभु राम तथा उसके लडको को पिंडू पिढारा मे जाकर पकड लिया जबकि असली दोशी दूसरे आदमी है। यह पुलिस भी जानती है। जिस दिन वे आदमी जेल मे अंदर थे उस दिन वह गाडी सफीदो मे दारू बेच रही थी और अगले दिन भी सुबह उस मारूति गाडी ने हाऊसिंग बोर्ड कालोनी जींद मे दारू बेची। लेनिक जब मैने पुलिस को इस बारे मे टेलीफोन किया और उनसे कहा कि आप तो कह रहे है कि वे लोग अंदर है लेकिन वह गाडी अब भी भाराब बेच रही है तो स्पीकर साहब, जैसा चौधरी सूरजमल जी ने भी बताया और मै भी बता रहा हू कि हम तो हम तो हर रोज इस बारे मे बताने है लेकिन कोई सुनवाई ही नही होती तो फिर हम कैसे मदद करे। स्पीकर साहब, इसी तरह से एक धर्मबीर नाम का लडका था और एक लडका बरसाना गांव का था जिसका नमा मुझे याद नही है वह एल0आई0सी0 मे काम करता हैं और जींद मे रहता है। उसके ऊपर भी पुलिस ने धारा 120 बी0 का मुकदमा बना दिया। हमारे बार बार कहने के बाद एक लडका तो छोड दिया है ंलेकिन दूसरे का कुछ फाल्ट था इसलिए वह अभी जेल मे ही है। इसकी गाडी थी और उसने लालच मे आकर उसका कुछ किराया ले लिया था ंपांच या सात हजार रूपये और वह पांच दिन पहले ही लगा था। वह गाडी जींद से धागा लेकर पानीपत के

धागा मिल तक जाती थी और वहा से दारू उतारकर फिर सीधे चण्डीगढ आकर दारू का कैटर भरकर ले जाते थे। लेकिन एक बार उनको यहा पर बैरियर पर अम्बेडसर कार सहित पकड लियां। उसका नम्बर भी बता दूंगा लेकिन यह तो पुलिस की डयूटी है। (विघ्न) सर इनके नम्बर एच0आर0 313330 और एच0आर0 262650 है । ये उनको रोककर दिखा दे। ये क्या बात करते है (विघ्न) जब पुलिस को मालूम है तो मुझसे क्यों पूछते है। वे क्याा फसाये गये थे? क्या उनसे पैसे ले लिए गए थे? उन पर झूठा मुकदमा दर्ज किया गया। सर, जब हमारे बार बार रिक्वैस्ट करने के बाद कोई सुनवाई नही होती तो फिर हमने कहना छोड दिया और हम घर बैठ गये।

अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से 14 तारीख को जींद से राजकुमार नामक व्यक्ति सफीदो से अपनी गवाही देकर ठीक आठ बजे अपने घर लौटकर जा रहा था और बुलेट मोटर साइकिल से तीन जवान आए और उसकी सर पर छड मारकर उसकी अटैची खींच कर ले गये। इसी प्रकार वि ाल भार्मा कप्तान 8 तारीख को अपने भाई को छोडकर आ रहा था वह स्टेट बैक आफ पटियाला के पास पहुचा था कि इतने मे एस0पी0 की गाडी आ गई और एस0पी0 ने उससे पूछा कि आप कौन हो। उसने कहा कि मै मिलिट्री मे कप्तान हू। उसने थोडी भाराब पी रखी थी जो कि उनको अपने कोटे से मिलती है। एस0पी0 ने उकसो खेच कर थप्पड मारा और साथ चौकी मे ले गए और रात भर उसको चौकी

मे रखा व उसके साथ भददा सलूक किया गया। (घंटी) इसी तहर से कुजपुरा मे खेती खेडी गांव का रहने वाला एक युवक था उसका नाम मुझे अभी याद नही आ रहा है वह कुजपुरा मे पढता था वहां उसके कुछ साथियो ने उसको फासी लटका दिया आज तक भी उस के केस की कोई इक्वायरी नही हुई। सिर्फ एक ए0एस0आई0 को इंक्वायरी दे रखी है उस पर कोई कार्यवाही नही हुई है।

इसके अलावा मेरे हल्के मे लिंक ड्रैन है आज तक उसकी खुदाई नही होती जब हम पूछने जाते तो जवाब देते है कि उसका यंहा से लेवल नही मिलता है। लेवल मिले या नही किसान की जमीन का पानी निकालने चाहिए। किसान को तो इस बात से मतलब है दूसरे जो सफीदो मे सफीदो ड्रेन है, डिच ड्रैन है, उस पर आज तक खुदाई नही हुई है। उनको यह भी पता नही है कि यह इरीगे ान के अडंर है या पब्लिक हैलथ डिपार्टमैट के अण्डर है। कागजो पर खुदाई दिखा दी है। इसीतरह ससे भम्भेवा ड्रेन की भी यह हालत है।

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाइए।

श्री रामफल कुडूः अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

श्री कैला ा चन्द्र भार्मा (नारनौल): अध्यक्ष महोदय, 5 मार्च को विधान सभा मे राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाशण दिया

मै उसका समर्थन करता हू और उसमे जो बिजली के सुधारीकरण का जिकर है उसके बारे मे बताना चाहता हू। माननीय अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के अंदर 4 करोड यूनिट बिजली की खपत रोजाना है और बिजली का उत्पादन 97–98 लाख यूनिट है। इसी प्रकार लगभग 3 करोड यूनिट बिजली हमे बाहर से लेनी पडती है और इसकी लागत लगभग दो रूपये यूनिट है और 31 परसैंट इसमे चोरी है यानी एक करोड 25 लाख यूनिट बिजली की चोरी रोजना होती है। एक करोड 25 लाख यूनिट बिजली की चोरी यदि रोक दी जाए तो 75 पैसे अर्थात 1/3 भाग यूनिट डाउन हो जाएगा। इस बिजली की चोरी को रोकने के लिए इसका सुधारीकरण किया जाना बहुत जरूरी है। आप देखेगे कि हम गावों मे कई बार बिजली के सैन्टर पर कंपलेन्ट लेकर जाते है और वहां तीन कर्मचारी एक बिजली के तार को जोडने के लिए जाते है और भााम को एक ही काम करके वापस आ जाते है अगर प्राईवेट व्यक्ति उस कार्य को करवाए तो वह 50 रूपये मे और केवल दो घंटे मे हो सकता है। जबकि तीन कर्मचारी की तनख्वाह तीन सौ रूपये बनती है और वह प्राईवेट व्यक्ति केवल 50 रूपये ही लेता है। इस तरह से 250 रूपये का लौस और साथ 6 घण्टे का लौस होता है जिसके कारण लाईन लोस बढ रहा है। कुछ भ्रश्ट कर्मचारियो की वजह से, जो कि काम करना नही चाहते, यह बिजली की चोरी हो रही है। उन्ही के कारण यह लाईन लौसिज बढते जा रहे है। इसको दूर करने के लिए जो निजीकरण किया जा रहा है वह बहुत ही उपयुक्त है। क्योकि अगर कोई व्यक्ति

कोई बिजनैस करता है और उसमे रोजना घाटा बढता जा रहा है तो उस घाटे को दूर करने के लिए कोई उपाय तो किया जाना जरूरी हैं क्योकि पिछली सरकार ने बिजली की व्यवस्था के लिए जो कार्य किये है, जिनते प्रयत्न किये है उनसे ज्यादा से ज्यादा नुकसान ही होता गया कोई फायदा नही हुआ। इसलिए निजीकरण करना बहुत जरूरी है। दूसरी बात मै भाराब के बारे मे कहना चाहता हू। क्योकि जब से ये यह संसार बना है और कानून व्यवस्था लागू हुई है उस समय से ही हमारे पुराने वेदो मे, धार्मिक ग्रन्थो मे हर जगह भाराब की बुराई की है। भाराब एक बहुत ही बुरी चीज है जिसको पीकर मनुश्य की वास्तविक भाक्ति और सोचने की भाक्ति नश्ट हो जाती है और मनुश्य के अन्दर एक जानवर जाग उठता है इसके लिए अपोजी ान पार्टीयो ने हमारा समर्थन किया है यह एक अच्छी बात है। लेकिन इसके साथ ही साथ भाराब को रोकने के लिए जो हमने इस पर पाबदी लगाई है उसके लिए हम कोई उपाय नही कर रहे है। इसको रोकने के लिए हमारी सरकार ने जो उपाय किया है उसमे हमारी अपाजी ान के साथियो ने मिलकर हमारे साथ चलना चाहिए और ज्यादा से ज्यादा इस चीज का प्रचार करना चाहिए चाहे वह पब्लिक जलसो के माध्यम से हो, चाहे वह धार्मिक कार्यक्रमो के माध्यम से हो, चाहे स्कूल मे पढने वाले बच्चो के माध्यम से, किसी भी प्रकार से ज्यादा से ज्यादा प्रचार करके इस बुराई को दूर करने मे सरकार की सहायता करे क्योकि इसके लिए हमारी सरकार कटिबद्ध है। जो विपक्ष के साथी इसके लिए हमे सहायता

कर रहे है उसके लिए धन्यवाद। एक साथी कर रहे थे कि उन्हे गाडी का नम्बर याद है। हमारे मुख्यमंत्री जी ने कह रखा है कि चाहे किसी भी पार्टी का आदमी हो, चाहे कोई विधायक हो, या कोई विधायक का रि तेदार हो इस तरह की ि ाकायते आपने किसी एस0पी0 से की है और उस एस0पी0 ने आपकी बात को नही माना है तो उस एस0पी0 के खिलाफ कडी कार्यवाही की जायेगी। आप ऐसे एस0पी0 का नाम बतांए सरकार जरूर कार्यवाही करेगी। (विघ्न)

श्री रामफल कुण्डुः लिखरक भेजा हुआ है उसका जवाब दे।

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः मेरा प्वायट आफ आर्डर है, सर।

श्री अध्यक्षः प्लीज बैठिये नो प्वायट आफ आर्डर। कैला ा चन्द्र जी आप बोलिए।

श्री कैला ा चन्द्र भार्माः जब आपका पत्र प्राप्त होगा तो उस पर कार्यवाही जरूर की जायेगी(विघ्न) रास्ते मे कही अडचन आई तो भी देखा जाएगा। (विघ्न)

श्री रामफल कुण्डुः मैने पत्र बाई हैंड दिया है। उस पर कार्यवाही करवाईये।

श्री कैला ा चन्द्र भार्मा: जो भाराब बन्दी हो रही है वह अच्छी बात है। इस बारे अभिभाशण मे जो जिकर किया है उसका मै समर्थन करता हू और माननीय मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करता हू कि इसमे जो कुछ कमी रह गई है जो ये भाई बता रहे है उसको दूर करने के लिए ज्यादा से ज्यादा सख्त कदम उठाये। जिस भी वाहन मे भाराब आती जाती है उसको जब्त कर लिया जाये और जो कर्मचारी और अधिकारी इसमे भाामिल है उनके खिलाफ कार्यवाही करने के लिए जल्द ही इंतजाम किया जा रहा है जिससे जो चोरी करते या करवाते है उनके ऊपर पांबदी लगाई जा सके और यह जो 32 प्रति ात या 21 प्रति ात स्टेट के रवैन्यू का लौस हो रहा है वह पूरा हो सके। जिससे बिजली के एक तिहाई हिस्से की कीमत कम हो जाए क्योकि 30 प्रति ात तो लाईन लौसिज ही है और इसका भार भी सरकार के ऊपर पडता है। इसलिए वह एक तिहाई कीमत भी अपने आप ही कम हो जाएगी।

श्रीमती करतार देवी: स्पीकर साहब, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। चौधरी भजन लाल जी ने यह गावो की लिस्ट दी है जिसको मै पढकर सुना देती हू। (विघ्न) मै आपके चैबर मे भी गई थी लेकिन आपने कहा था कि हाउस से सुना देना। घसौला गांव है, केरी है जिसमे भाराब तस्करी के विवाद मे एक एक आदमी मरा है।

श्री अध्यक्षः कल चौधरी भजन लाल जी यही होगे, वे ही यह लिस्ट देगे (ाोर) मेरी चौधरी भजन लाल जी से बात हो गई थी। आज वे छुटटी पर है। मैने उनसे कहा था कि कल दे दो नही तो परसो दे देना। You need to tell. Take your seat.

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै आपसे एक अर्ज करना चाहता हू कि जो नाम आपने मांगे है ये उन्ही लिस्ट जही तो है तो वह आपको पढकर सुनाना चाहती है। कल को भजन लाल जी आ जाएगे लेकिन हो सकता है कल हम से कोई न हो तो वह तो नही सुन पाएगा। (ाोर)

श्री सतपाल सांगवानः यह घसौला गांव मेरी कस्टीच्यूएंसी मे पडता है। ये गलत कह रही है। वहा पर एक चूहिया भी नही मरी हैं इनको पता नही कुछ है नही। (ाोर)

श्री कैला ा चन्द्र भार्माः इसके साथ ही अभी थोडी देर पहले मेरे सम्मानीय साथी श्री खु ीद अहमद जी ने कहा था कि सारी जनता मे यह वि वास था कि चौधरी बसी लाल जी जिस समय भ ारू मे सत्ता मे आए थे, उस समय इन्होने ही सडको का निर्माण करवाया था और बिजली भी प्रदे ा मे वही लाए थे। मै वि वास दिलाना चाहता हू कि आने वाले 2–4 महीने मे परिणाम सामने आ जाएगे। पिछले 20–25 सालो से जो घाटे की अर्थव्यवस्था बिगडी पडी है, तथा जिसमे 3 हजार करोड रू0 बिजली का घाटा पडा है उसको सुधारने है। पीछे जितनी भी

संस्थाओ से, भारत सरकार से हमने जो भी पैसा कर्ज के रूप मे लिया है, आज तक एक पैसा भी नही लौटाया गया है। इसलिए वह पैसा भी लौटाना है तथा आगे की अर्थव्यवस्था भी चालू रखेगे। इसके लिए हमारी सरकार कटिबद्ध है और ज्यादा से ज्यादा प्रयत्न कर रही है। इसीलिए नीजिकरण को मजबूरी मे लागू करना पडा।

श्री औमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, कल मुख्यमंत्री महोदय, कह रहे थे कि बिजली का निजीकरण नही कर रहे है और ये माननीय साथी कर रहे है कि निजीकरण करने जा रहे है। (विघ्न) आखिर हमे यह बात स्पश्ट रूप से बताई जाए कि वास्तव मे क्या करने जा रहे है।

श्री बंसी लालः अच्छी तरह से ठोकरर बता देगे।

श्री औमप्रका ा चौटालाः आपके पास बताने को कुछ नही है।

श्री अध्यक्षः आप सभी भोजन के लिए आमत्रित है। Now, the House is adjourned for half an hour i.e up to 2-00 p.m today.

13.00 hrs

(The Sabhan then adjourned till 2.00 p.m)